राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

उज्वल दुनिया

रांची, दिल्ली और यूपी से एक साथ प्रकाशित

वर्ष, 12 | पृष्ठ 12 | अंक 121 | रांची, मंगलवार, 07 जुलाई 2026 | मूल्य 3 रुपये | RNI No.- JHAHIN/ 2014/59794 | ujjwalduniyapress@ gmail.com

आज का दिन

भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में गिने जाने वाले महेंद्र सिंह धोनी का जन्म 07 जुलाई 1981 को झारखंड की राजधानी रांची में हुआ था। साधारण परिवार से निकलकर अपनी प्रतिभा, शांत स्वभाव, नेतृत्व क्षमता और संघर्ष के दम पर धोनी ने विश्व क्रिकेट में एक ऐसा मुकाम हासिल किया, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बना हुआ है। 'माही' और 'कैप्टन कूल' के नाम से लोकप्रिय धोनी ने भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनकी कप्तानी में भारत ने 2007 में आईसीसी टी-20 विश्व कप, 2011 में आईसीसी क्रिकेट विश्व कप और 2013 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता। वह आईसीसी की तीनों प्रमुख सीमित ओवरों की विश्व प्रतियोगिताएं जीतने वाले दुनिया के एकमात्र कप्तान हैं।

इको टूरिज्म व स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की कार्ययोजना बनाने के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने की पर्यटन, खेल और कला-संस्कृति विभाग की समीक्षा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को झारखंड मंत्रालय में पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 की उपलब्धियों और वर्तमान कार्ययोजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को सभी योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से इको टूरिज्म को बढ़ावा देने, भूमिगत कोयला खदान क्षेत्रों को पर्यटन से जोड़ने, स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना की कार्ययोजना तैयार करने तथा राज्य के कलाकारों का व्यापक डाटाबेस विकसित करने पर जोर दिया।

बैठक में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, खेल अवसंरचना, पर्यटन स्थलों के विकास, धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण तथा युवाओं से संबंधित कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के भूमिगत कोयला खदान क्षेत्रों की पहचान कर वहां पर्यटन विकास की संभावनाओं का विस्तृत अध्ययन किया जाए और उसके आधार पर कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि झारखंड प्राकृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक और इको टूरिज्म की अपार संभावनाओं वाला राज्य है, जिसे योजनाबद्ध तरीके से विकसित कर राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाई जा सकती है।

हेमंत सोरेन ने सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह, लातेहार, हजारीबाग, रांची सहित अन्य जिलों में इको टूरिज्म की संभावनाओं वाले स्थलों के विकास के लिए शीघ्र कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही राज्य की समग्र पर्यटन नीति तैयार करने पर भी बल दिया, ताकि पर्यटन क्षेत्र का सुनियोजित और दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने पतरातू घाटी को राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में बताते हुए पतरातू व्यू पॉइंट के निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा पतरातू समेत अन्य उपयुक्त पर्यटन स्थलों पर रोपवे विकसित करने की संभावनाओं का अध्ययन करने के निर्देश दिए। वहीं लातेहार जिले के नेतरहाट में ग्लास वॉच टावर और ग्लास ब्रिज के निर्माण, कोयल व्यू पॉइंट पर कॉटेज विकसित करने, ट्रैकिंग सुविधाओं के विस्तार तथा लोध फॉल क्षेत्र में इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए भी आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने को कहा।

खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को आर्थिक तंगी के कारण अन्य कार्य करने के लिए विवश नहीं होना चाहिए। उन्होंने ऐसे खिलाड़ियों का डाटाबेस तैयार करने तथा आर्थिक रूप से कमजोर खिलाड़ियों के लिए विशेष प्रोत्साहन योजनाएं बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने खेलगांव स्थित मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए उसके रखरखाव, वित्तीय प्रबंधन, खिलाड़ियों की मूलभूत सुविधाओं और प्रशिक्षकों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की कार्ययोजना तैयार करने को कहा। साथ ही झारखंड में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना की संभावनाओं पर विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि विभिन्न खेलों के नामचीन खिलाड़ियों और विशेषज्ञों को झारखंड आमंत्रित किया जाए तथा राज्य के खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को देश के उत्कृष्ट खेल प्रशिक्षण केंद्रों और अकादमियों का एक्सपोजर विजिट कराया जाए, ताकि उनके कौशल और प्रदर्शन में और सुधार हो सके।

कला-संस्कृति विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न कला विधाओं से जुड़े कलाकारों का व्यापक डाटाबेस तैयार करने के निर्देश दिए। विभाग ने बताया कि अब तक लगभग 12 हजार कलाकारों का पंजीकरण किया जा चुका है। इस पर मुख्यमंत्री ने सभी पंजीकृत कलाकारों की सूची संबंधित जिलों को भेजकर सत्यापन कराने तथा अन्य राज्यों के स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स और कला संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर कलाकारों के एक्सपोजर विजिट आयोजित करने को कहा। उन्होंने कहा कि इससे झारखंड की कला एवं संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। बैठक के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र के विकास से राज्य की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान मजबूत होगी, साथ ही स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने अधिकारियों को सभी पर्यटन परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता और आधुनिक मानकों के अनुरूप पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के सचिव मुकेश कुमार, पर्यटन निदेशक नमन प्रियेश लकड़ा, खेल निदेशक छवि रंजन सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

स्वतंत्र मंत्रालय ने उपेक्षित रहे सहकारिता आंदोलन को दी नई पहचान : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अब देश में सहकारिता के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि पांच वर्ष पहले बने स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय ने उपेक्षित रहे सहकारिता आंदोलन को नई पहचान दी है और यह स्पष्ट कर दिया है कि मंत्रालय राज्यों के अधिकारों में दखल देने के लिए नहीं, बल्कि उन्हें मजबूत करने और सहकारी संस्थाओं को आधुनिक, पारदर्शी, तकनीक-सक्षम एवं प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए कार्य कर रहा है।

सहकारिता मंत्रालय के पांचवें स्थापना दिवस पर यहां आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि आज से ठीक पांच वर्ष पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय का गठन कर देश के 30 करोड़ से अधिक सहकारिता से जुड़े लोगों और 8.5 लाख से अधिक सहकारी संस्थाओं की 75 वर्षों पुरानी मांग पूरी की थी। उन्होंने कहा कि इससे सहकारिता आंदोलन को नया जीवन मिला और उसे आगे की एक सदी के लिए मजबूत आधार प्राप्त हुआ।

उन्होंने कहा कि मंत्रालय के गठन के समय यह आशंका जताई गई थी कि सहकारिता राज्य का विषय होने के कारण केंद्र राज्यों के अधिकारों में हस्तक्षेप करेगा, लेकिन पिछले पांच वर्षों में किसी भी राज्य ने ऐसी कोई शिकायत नहीं की। उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय का उद्देश्य राज्यों के कार्यों में सहयोग देना, नीतियां बनाना और सहकारी संस्थाओं को सशक्त बनाना है।

शाह ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में सहकारी व्यवस्था को आधुनिक, पारदर्शी, तकनीक-सक्षम और प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता को केवल प्राथमिक स्तर तक सीमित रखने के बजाय कृषि ऋण, डेयरी, उर्वरक वितरण और ग्रामीण सेवाओं को राष्ट्रीय स्तर तक एक मजबूत तंत्र के रूप में विकसित किया गया है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य चंपत राय एवं अनिल मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार

एजेंसी

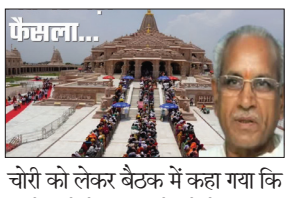

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की अयोध्या में बैठक संपन्न हो गई है. ट्रस्ट की बैठक के बाद कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी ने बताया कि चंपत राय (महासचिव) और अनिल मिश्रा (ट्रस्टी) के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए हैं. कहा ह्यराम मंदिर चढ़ावा चोरी से सभी सदस्य आहत हैं. इस क्रम में कार्यवाहक के रूप में कृष्ण मोहन को महासचिव की जिम्मेदारी दी गई है. इसके अलावा मंदिर परिसर में सीईओ तैनात किए जाने के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का भी गठन किया गया है। मणिराम दास छावनी में हुई बैठक में कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी ने मंदिर ट्रस्ट की व्यवस्था में खामियों की बात को स्वीकार किया. चढ़ावा चोरी को लेकर बैठक में कहा गया कि इससे करोड़ों राम भक्तों को ठेस पहुंची है। यह बैठक महंत नृत्य गोपाल दास की अध्यक्षता में हुई. कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने बैठक में एजेंडा पेश किया. बैठक में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट सदस्य विश्व तीर्थ प्रसनाचार्य, स्वामी परमानंद गिरी, जगद्गुरु बासुदेवानंद सरस्वती, कृष्ण मोहन, महंत दिनेंद्र दास, पदेन सदस्य जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में विहिप दिनेश चंद्र, महंत कमल नयन दास भी बैठक मे मौजूद रहे।

उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष समेत कई नेताओं ने दी श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत कई नेताओं ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों, एकजुटता, आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत बनाने के सामूहिक प्रयासों को पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने सोमवार को उपराष्ट्रपति भवन में डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि शिक्षाविद, दूरदर्शी राजनेता और राष्ट्रनिमार्ता के तौर पर डॉ. मुखर्जी ने भारत की शैक्षिक, राजनीतिक और लोकतांत्रिक यात्रा पर गहरी छाप छोड़ी। कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के उपकुलपतियों में से एक, संविधान सभा के सदस्य, अखिल भारतीय हिंदू महासभा के अध्यक्ष, स्वतंत्र भारत के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री और भारतीय जनसंघ के संस्थापक के रूप में उन्होंने देश की असाधारण सेवा की।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता के पक्के समर्थक के तौर पर उन्होंने भारत के साथ जम्मू-कश्मीर के पूर्ण विलय के प्रयास में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका जीवन एवं आदर्श, एक मजबूत, एकजुट, आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने के सामूहिक प्रयासों में पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में डॉ. मुखर्जी को नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन राष्ट्रसेवा और राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। जहां एक शिक्षाविद् के रूप में उन्होंने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया, वहीं एक जननेता के रूप में राष्ट्रीय हितों और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी स्पष्ट प्रतिबद्धता का परिचय दिया। उन्होंने एक सशक्त, समरस एवं आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को अपने विचारों और कर्मों से निरंतर बल प्रदान किया। राष्ट्र की एकता, अखंडता और जनकल्याण के प्रति उनका समर्पण आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्र प्रथम के आदर्श को अपने जीवन का ध्येय बनाया। बंगाल के विभाजन के समय उनका दूरदर्शी नेतृत्व और जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए उनका संघर्ष भारतीय इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा। सिद्धांतों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता और देश की अखंडता के लिए उनका आजीवन संघर्ष युवाओं को सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

खेलगांव शूटिंग रेंज की बदहाल व्यवस्था पर मुख्यमंत्री सख्त

विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित करने के दिए निर्देश

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को रांची के खेलगांव स्थित टिकैत उमराव सिंह शूटिंग रेंज का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रेंज की आधारभूत संरचना, रखरखाव, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता, खिलाड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया। परिसर की बदहाल स्थिति पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से सुधार कार्य पूरा करने और शूटिंग रेंज को विश्वस्तरीय सुविधाओं के अनुरूप विकसित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने 10, 25 और 50 मीटर शूटिंग रेंज का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने खिलाड़ियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण, सुरक्षा मानकों, अभ्यास व्यवस्था और आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार भी उपस्थित रहे। हेमंत सोरेन ने इस मौके पर कहा कि झारखंड खेल प्रतिभाओं की धरती है और राज्य के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। ऐसे में उन्हें विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, अत्याधुनिक खेल सुविधाएं और बेहतर अभ्यास का वातावरण उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को प्रशिक्षण व्यवस्था और सुदृढ़ करने तथा ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी समान अवसर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास का भी प्रभावी साधन है। उन्होंने शूटिंग रेंज के समग्र विकास के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर उसका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही खिलाड़ियों के अभ्यास के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने, उपकरणों के उन्नयन, नियमित रखरखाव और तकनीकी व्यवस्थाओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से झारखंड के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए राज्य में ही बेहतर वातावरण उपलब्ध हो सकेगा।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने शूटिंग राइफल से निशाना लगाकर रेंज की कार्यप्रणाली का भी अनुभव लिया। उन्होंने वहां अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों से बातचीत कर प्रशिक्षण, उपकरणों और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा अग्नि सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए अग्निशामक यंत्र और फायर हाइड्रेंट से संबंधित मॉक ड्रिल की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से मॉक ड्रिल आयोजित करने, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा सुरक्षा संबंधी सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री मोदी का इंडोनेशिया में भव्य स्वागत, राष्ट्रपति सुबियांतो स्वयं पहुंचे हवाई अड्डे

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी यात्रा के पहले चरण में सोमवार को इंडोनेशिया पहुंचे, जहां इंडोनेशिया राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रोटोकॉल तोड़ते हुए स्वयं हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी के इंडोनेशिया में भव्य स्वागत में वहां की वायु सेना का सुरक्षा दस्ता भी शामिल था। सुरक्षा दस्ते ने प्रधानमंत्री मोदी के विमान को एस्कॉर्ट किया। राष्ट्रपति के अलावा इंडोनेशिया विदेश मंत्री सुगियोनो, सचिवालय मंत्री प्रासेत्यो हादी और कैबिनेट सचिव टेडी इंद्र विजया सहित चार मंत्री भी उनके स्वागत के लिए वहां मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी की 6 से 11 जुलाई तक तीन देशों इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा पर है। इंडोनेशिया में वह राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे। इसके अलावा वह भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगे और योग्याकार्ता में प्रसिद्ध प्रम्बानन मंदिर परिसर का दौरा करेंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर उनके पहुंचने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी राजकीय यात्रा पर जकार्ता पहुंचे हैं। आगमन पर हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति ने उनका विशेष स्वागत किया। इसके अलावा चार मंत्री भी प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए उपस्थित रहे। 2018 में व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर संबंधों को उन्नत करने के बाद से इंडोनेशिया की यह प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा, ह्लमैं जकार्ता पहुंच गया हूं। हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने व्यक्तिगत रूप से मेरा स्वागत किया, जिससे मैं अत्यंत भावुक हो गया। 2018 में, हमने अपने दोनों देशों के बीच संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया, जिससे हमारे लोगों को अनेक लाभ प्राप्त हुए हैं। इस यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो और मैं विभिन्न क्षेत्रों में इस साझेदारी को और अधिक गति प्रदान करने के उद्देश्य से चर्चा करेंगे। राष्ट्रपति प्रबोवो और मैं योग्याकार्ता में स्थित प्रंबानन मंदिर परिसर का भी दौरा करेंगे। यह यात्रा हमारे दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक मजबूत करेगी। इंडोनेशिया में रहते हुए, मैं भारतीय समुदाय के साथ संवाद स्थापित करने के अवसर की भी प्रबल प्रतीक्षा कर रहा हूं।

प्रिंस खान गैंग के गुर्गे और पुलिस के बीच मुठभेड़, एक अपराधी घायल, एक गिरफ्तार

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ जिले में अपराधियों पर पुलिस की गोली एक बार फिर चली है। भुरकुंडा ओपी क्षेत्र के रिवर साईड केंद्रीय विद्यालय के समीप प्रिंस खान गैंग के गुर्गे के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई। रांची, रामगढ़ और धनबाद पुलिस की संयुक्त छापेमारी में गैंग का कुख्यात अपराधी शिवराज उर्फ शिवा घायल हुआ है। उसके पैर में गोली लगी है। इस मामले की पुष्टि करते हुए रामगढ़ एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने बताया कि पहले शिवराज उर्फ शिवा को पुलिस ने हिरासत में लिया था। उसने जिस जगह पर हथियार छुपाए थे, वहां उसे बरामद करने गया था। लेकिन मौका-ए-वारदात पर जब उसके हाथ हथियार लगा तो उसने पुलिस पर ही गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसके पैर में गोली मारी है। उसका प्राथमिक उपचार सीसीएल हॉस्पिटल भुरकुंडा में कराया गया। इसके बाद उसे सदर अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

दो पिस्टल और 59 गोलियां हुई बरामद

एसपी ने बताया कि शिवराज उर्फ शिवा 14 मई को जेल से छूटकर बाहर निकला था। वह पहले राहुल दुबे गैंग और श्रीवास्तव गैंग के लिए काम कर चुका था। वर्तमान समय में प्रिंस खान गैंग और सुजीत सिन्हा गिरोह के लिए काम कर रहा था। जेल से बाहर आने के बाद वह किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में था। उसने हाल ही में बिहार से चार हथियार और भारी मात्रा में गोलियां मंगाई थी। उसकी इस गतिविधि को लेकर रांची और धनबाद पुलिस की ओर से लगातार रामगढ़ पुलिस को आगाह किया जा रहा था। वह किसी भी जिले में बड़ी वारदात को अंजाम देने वाला था। पूछताछ के दौरान शिवराज उर्फ शिव ने बताया कि उसके पास फिलहाल दो हथियार और 59 गोलियां हैं, जिसे पुलिस ने बरामद किया।

शिवा के साथी आरिज के घर हुई छापेमारी, मिला हथियार

शिव ने पुलिस को बताया कि उसने दो हथियार और 21 गोली अपने एक साथी को दी थी। इसके बाद पुलिस ने कुजू ओपी क्षेत्र के तोपा माइन्स कॉलोनी में छापेमारी की। वहां आरिज आलम के घर से दो हथियार और 21 जिंदा गोली बरामद की। आरिज आलम को भी पुलिस ने पकड़ा है और उससे पूछताछ कर रही है।

छापेमारी में यह अधिकारी थे शामिल

छापेमारी में धनबाद और रांची पुलिस के अलावा रामगढ़ एसपी मुकेश कुमार लुनायत, पतरातू एसडीपीओ राघवेंद्र शर्मा, इंस्पेक्टर सत्येंद्र सिंह, भुरकुंडा ओपी प्रभारी उपेंद्र कुमार, पतरातू थाना प्रभारी शिवलाल गुप्ता, बरकाकाना ओपी प्रभारी उमाशंकर वर्मा सहित जिले के अन्य अधिकारी शामिल थे।

एक नजर

टनकपुर-नांदेड एक्सप्रेस, नांदेड-मुंबई एक्सप्रेस तथा टनकपुर-पीलीभीत ट्रेन सेवा का शाहजहाँपुर तक विस्तार का शुभारंभ

बरेली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने 06 जुलाई, 2026 को टनकपुर, नांदेड एवं पीलीभीत स्टेशन से टनकपुर-नांदेड एक्सप्रेस, नांदेड-मुंबई एक्सप्रेस तथा टनकपुर-पीलीभीत ट्रेन सेवा का शाहजहाँपुर तक विस्तार का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया। समारोह को सम्बोधित करते हुये केन्द्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि नांदेड के धार्मिक महत्व एवं जन भावनाओं को देखते हुए टनकपुर-नांदेड एक्सप्रेस एवं नांदेड-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेनों के संचलन को स्वीकृति प्रदान की गयी और आज इन गाड़ियों का संचलन प्रारंभ किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त आज टनकपुर-पीलीभीत ट्रेन सेवा का शाहजहाँपुर तक विस्तार का शुभारंभ किया जा रहा है। भारतीय रेल में ट्रांसमेशन का कार्य तेजी से चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने रेलवे पर विशेष ध्यान दिया है तथा प्रत्येक राज्य को पहले से कई गुना बजट आवंटित किया जा रहा है। पिछले 12 वर्षों में 37000 किमी. नये टैक बनाये गये तथा 99.6 प्रतिशत विद्युतीकरण का कार्य पूरा हो चुका है, शेष शीघ्र ही पूरा कर लिया जायेगा। बुलेट ट्रेन परियोजना पर कार्य तेजी से चल रहा है। अगले वर्ष बुलेट ट्रेन चालू हो जायेगी । पूर्वी एवं पश्चिमी कॉरिडोर का कार्य पूर्ण हो चुका है। पूर्वी एवं पश्चिमी कॉरिडोर को जोड़ने के लिये कार्य किया जायेगा। रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि काफी नई ट्रेनें चलाई गई हैं। भारतीय रेल गरीबों एवं मध्यम वर्ग की सवारी हैं इसलिये अफोर्डेबल सेवा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सामान्य द्वितीय श्रेणी के 12000 नये कोचों का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें से 4000 कोच बनकर गाड़ियों में लगाये गये हैं जिसका अच्छा लाभ मिला है। इस समर सीजन में रिकार्ड संख्या में ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ियाँ चलाई गई। पिछले दीपावली एवं छठ पर्वो पर 12000 विशेष ट्रेनें चलाई गईं। उन्होंने कहा कि आगामी रथ यात्रा के पावन पर्व पर 300 तथा ओणम पर्व में 100 विशेष ट्रेनें चलाई जायेंगी। रेल मंत्री ने सम्मानित जनप्रतिनिधियों की रेल सम्बन्धी मांगों पर विचार का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री, उत्तराखंड श्री पुष्कर सिंह धामी ने टनकपुर-नांदेड एक्सप्रेस तथा टनकपुर-पीलीभीत ट्रेन सेवा का शाहजहाँपुर तक विस्तार के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा की आज का दिन उत्तराखंड, विशेष रूप से कुमायूं क्षेत्र के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक है। टनकपुर-नांदेड एक्सप्रेस का शुभारम्भ ही नही वरन् उत्तर एवं दक्षिण भारत के बीच आस्था, विकास, पर्यटन एवं सांस्कृतिक एकता का एक सशक्त सेतु है। टनकपुर कुमायूं क्षेत्र का प्रवेश द्वार है। यहीं से मार्ग पूर्णागिरि मंदिर, आदिकैलाश जाता है। यहाँ की जनता की काफी दिनों से मांग थी कि मध्य एवं दक्षिण भारत के लिये ट्रेन चलाई जाय, जिससे महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण नगरों को जोड़ते हुये उत्तराखण्ड पहुंचा जा सके। इस ट्रेन के संचलन से महाराष्ट्र से उत्तराखण्ड आने वाले यात्रियों को काफी सुविधा होगी। उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों को नया बाजार मिलेगा। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग नई रेल लाइन परियोजना पर तेजी से कार्य चल रहा है। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि कि माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को लक्ष्य कर उत्तराखण्ड मे अमृतभारत स्टेशनों का पुनर्विकास कर उन्नत यात्री सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र श्री देवेंद्र फडणवीस ने नांदेड-मुंबई एक्सप्रेस के संचलन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा की मुंबई से पवित्र नगरी नांदेड जाने हेतु एक्सप्रेस ट्रेन की अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध हो गयी। इससे क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन के साथ व्यवसायिक गतिविधियों का बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी को साधुवाद दिया। टनकपुर में समारोह को संबोधित करते हुए रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह ने टनकपुर-नांदेड एक्सप्रेस, नांदेड-मुंबई एक्सप्रेस तथा टनकपुर-पीलीभीत ट्रेन सेवा के शाहजहाँपुर तक विस्तार के शुभारम्भ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं माननीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव जी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यहाँ पर गुरू नानकदेव जी, गुरू हरगोविन्द सिंह जी आये थे और यहाँ के लोग अब सीधे 10वें गुरू गुरूगोविन्द सिंह की पवित्र धरती नांदेड पहुंच सकेंगे। टनकपुर-नांदेड एवं नांदेड-मुंबई एक्सप्रेस के चलने से सिख श्रद्धालुओं सहित क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुयी। केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री, अजय टम्टा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा की टनकपुर-नांदेड एक्सप्रेस तथा टनकपुर-पीलीभीत ट्रेन सेवा का शाहजहाँपुर तक विस्तार से क्षेत्रीय जनता की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुयी है, यह क्षेत्र के लोगों के लिये बहुत बड़ी सौगात है। यहीं से हिमालय का क्षेत्र शुरू होता तथा यहीं से रेल यात्रा आरम्भ करते हैं। उन्होंने कहा कि टनकपुर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कर यहाँ उन्नत यात्री सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके लिए उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री जी एवं माननीय रेल मंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया।

शराब घोटाला : पूर्व मंत्री रामेश्वर उरांव के बेटे से ईडी की पूछताछ जारी

रांची। झारखंड के चर्चित शराब घोटाले की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव के बेटे रोहित उरांव सोमवार को निर्धारित समय पर रांची के हिनू स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे, जहां उनसे पूछताछ शुरू कर दी गई है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ईडी ने आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद रोहित उरांव से पूछताछ प्रारंभ की। जांच एजेंसी उपलब्ध दस्तावेजों, वित्तीय लेन-देन और अब तक जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर उनसे विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी जुटा रही है।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा

रामगढ़। रामगढ़ के टायर मोड़ स्थित अन्नपूर्णा होटल में सोमवार को अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कैप्टन सुधाकर शर्मा ने किया, जबकि बैठक में मुख्य रूप से अखिल भारतीय पुरुष सैनिक सेवा परिषद झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष कर्नल नीलांबर झा, उपाध्यक्ष राजेश पांडे, सचिव सिद्धनाथ सिंह, सहसचिव वरुण कुमार, मंत्री रंजन सिंह, ब्रज बिहारी सिंह, रामटहल महतो सहित कई पूर्व सैनिक उपस्थित हुए। बैठक का मुख्य एजेंडा नए लोगों को जवाबदेही देने की प्रक्रिया पर चर्चा हुई। चर्चा के बाद आनंद रावत ने अध्यक्ष पद के लिए रवींद्र प्रसाद शर्मा के नाम का प्रस्ताव को रखा जिसे ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। प्रदेश के टीम ने कहा कि एक सप्ताह के अंदर अध्यक्ष सचिव और कोषाध्यक्ष का मनोनयन कर प्रदेश को भेजने का काम करेंगे। उसके बाद नवनियुक्त अध्यक्ष ने कहा कि वे पूरी निष्ठा से संगठन को आगे बढ़ने का काम करेंगे। साथ ही सभी लोगों ने अध्यक्ष के काम में साथ देने के लिए संकल्प लिया।

रांची विवि के छात्र का गांधी फेलोशिप में चयन होने पर किया सम्मानित

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय, रांची के ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम में सोमवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के सत्र 2024-26 के विद्यार्थी सूर्यजीत घोष का चयन परिमल फाउंडेशन की ओर से संचालित गांधी फेलोशिप में होने के उपलक्ष्य में किया गया।

ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के प्राध्यापक डॉ अटल पांडेय ने कहा की हम सभी के लिए बेहद गर्व और हर्ष का विषय है। हमारे विभाग के प्रतिभावान विद्यार्थी, सूर्यजीत घोष का चयन प्रतिष्ठित गांधी फेलोशिप के लिए हुआ है। इस शानदार उपलब्धि पर हम उनका सम्मान और अभिनंदन कर रहे हैं। गांधी फेलोशिप, जो कि पीरामल फाउंडेशन की ओर से चलाई जाती है, देश के युवाओं को नेतृत्व के नए आयाम सिखाने के लिए जानी जाती है। इस दो साल के सफर में हमारे युवा साथी भारत सरकार के महत्वपूर्ण योजना विकसित भारत के तहत छत्तीसगढ़ के ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में शिक्षा और सार्वजनिक प्रणाली में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि हमारे बीच से एक ऐसा युवा निकलकर सामने आया है, जो समाज में 'बदलाव' की अलख जगाने का साहस रखता है। सूर्यजीत की यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि सही लगन, कड़ी मेहनत और सेवा भाव हो, तो किसी भी लक्ष्य को पाया जा सकता है। मौके पर शिक्षकों एवं वर्ग के सहपाठियों ने उन्हें अंगवस्त्र ओढ़ाकर और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

नन्हे बच्चों ने धूमधाम से मनाया धोनी का जन्मदिन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के 45 वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर सोमवार को रांची में बच्चों और युवा खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ उनका जन्मदिन मनाया।

सामाजिक संस्था शिवा फाउंडेशन की ओर से डीएफसी क्रिकेट एकेडमी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में 20 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। केक काटकर अपने प्रिय क्रिकेटर को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि आराध्य शिवाय बंका ने केक काटकर उपस्थित बच्चों और खिलाड़ियों के बीच वितरित किया। उन्होंने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी केवल एक सफल कप्तान ही नहीं, बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके शांत स्वभाव, नेतृत्व क्षमता और कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने की कला से नई पीढ़ी को सीख लेनी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि धोनी भविष्य में भी क्रिकेट से जुड़े रहकर युवाओं को प्रेरित करते रहेंगे। इस दौरान बच्चों ने हैप्पी बर्थडे माही भैया, रांची का गौरव एमएस धोनी और धोनी-धोनी के नारों से पूरा परिसर गुंजायमान कर दिया। कार्यक्रम में शिवा फाउंडेशन के ट्रस्टी दीपक बंका, सदस्य अमित कुमार, समाजसेवी आशुतोष द्विवेदी, रंजीत गुप्ता, डीएफसी क्रिकेट एकेडमी के निदेशक जसवंत बर्मन, कोच शुभम कुमार सहित कई खिलाड़ी, अभिभावक और बच्चे मौजूद थे।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय चेतना के प्रमुख स्वर है : कुलपति डॉ राजीव मनोहर

संदर्भ डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती का आयोजन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। 11:30 बजे स्नातकोत्तर हिंदी विभाग के तत्वाधान में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती के अवसर पर जयंती समारोह सह पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजीव मनोहर ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय चेतना के प्रमुख स्वर हैं। उन्होंने कहा कि डॉ मुखर्जी ने भारतीय शिक्षा परंपरा को लोक परंपरा एवं लोक ज्ञान से जोड़ा परिणामस्वरुप नई शिक्षा नीति का उदय हुआ। उन्होंने भारतीय भाषा एवं भारतीय संस्कृति को सबसे ऊपर रखते हुए कहा कि वैचारिक तौर पर भले ही लोगों में मतभिन्नता हो परंतु डॉ मुखर्जी आज भी सबों के लिए प्रासंगिक हैं ।कुलपति महोदय ने कई कोटेशन के जरिए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के उदाहरणों को बताते हुए कहा कि शिक्षा चरित्र निर्माण का प्रमुख आधार है। इस अवसर पर कुल सचिव डॉ धनंजय वासुदेव द्विवेदी ने कहा कि राष्ट्रवाद के प्रमुख व्यक्तित्व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने उद्योगों के क्षेत्र में भी प्रमुख कार्य किया। स्वागत भाषण में इस आयोजन के कार्यक्रम समन्वयक डॉ जिन्दर सिंह मुण्डा ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अंग्रेजी भाषा एवं सिद्धांतों का पुरजोर विरोध करते हुए मातृभाषा के महत्व पर विशेष बल दिया एवं एक देश एक विधान पर विशेष जोर दिया ।डॉ विनोद कुमार ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जन संघ की स्थापना की और भारतीय राजनीति में एक उच्च आदर्श की स्थापना की। इस उपलक्ष्य में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम-संस्कृत विभाग के उत्तम कुमार महतो, द्वितीय स्थान- हिंदी विभाग की रिया मिश्रा एवं तृतीय स्थान- अंग्रेजी भाषा साहित्य के कुणाल कुणाल कुमार को मिला। वहीं वाद - विवाद प्रतियोगिता में प्रथम - पत्रकारिता विभाग के चंद्रदेव उरांव ,द्वितीय स्थान- राजनीति विज्ञान की स्नेहा कुमारी एवं तृतीय स्थान- गणित विभाग की तनु कुमारी को मिला। कार्यक्रम का संचालन मनीष कुमार मिश्रा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉआशा कुमारी गुप्ता ने किया इस कार्यक्रम की सफलता में डॉ मृत्युंजय डॉक्टर जितेंद्र डॉक्टर विजय डॉक्टर जय किशोर मंगल डॉ डुमनी ,डॉ मनीषा,संजय एवं त्रिभुवन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सिल्ली में भाजपा कार्यकर्ताओं ने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जयंती मनाया

सिल्ली। सिल्ली प्रखंड के भाजपा कार्यालय में सोमवार के दिन भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं द्वारा जनसंघ के संस्थापक सदस्य डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जयंती बड़े धूमधाम से मनाया गया।इस अवसर पर कार्यकताओं द्वारा उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने कहा कि देश की अखंडता और एकता के लिए उनके द्वारा दिए गए बलिदान को हमारा देश कभी नहीं भुल पाएगा।वे एक दूरदर्शी राजनेता के साथ राष्ट्र के निमार्ता भी थे साथ ही भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई थी।उनके द्वारा किए गए समर्पण और सर्वोच्च बलिदान हर पीढ़ी के लिए हमेशा प्रेरणादायी रहेगा। इस मौके पर सिल्ली मंडल अध्यक्ष अंबुज रजक, जिला मंत्री पूर्णिमा सिंह देव, महामंत्री भेंगराज प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद साईं,हरिहर महतो, मेघनाथ महतो,कृष्णा रविदास समेत अन्य कई लोग उपस्थित थे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर YBN विश्वविद्यालय में श्रद्धांजलि एवं विचार गोष्ठी का आयोजन

YBN विश्वविद्यालय में भारत के महान शिक्षाविद्, राष्ट्रवादी चिंतक एवं प्रखर राजनेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस. पोद्दार ने अपने संबोधन में डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र निर्माण, शिक्षा और राष्ट्रीय एकता के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। कुलसचिव डॉ. दीप्ति भार्गव ने डॉ. मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार व्यक्त किए। वहीं उप कुलसचिव श्री संजय तिवारी ने उनके जीवन संघर्ष एवं देश के प्रति समर्पण को प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम में हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. संजय कुमार ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को समर्पित एक भावपूर्ण कविता का पाठ किया, जिसे उपस्थित सभी लोगों ने सराहा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित एवं समाज सेवा के प्रति समर्पित रहने के संकल्प के साथ किया गया।

डीएसपीएमयू में रक्तदान शिविर का आयोजन

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती पर इस आयोजन में कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने स्वयं रक्तदान कर विद्यार्थियों को किया प्रोत्साहित

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

राँची। आज दिनांक 6 जुलाई को पूर्वाह्न 10 बजे डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची की यूनिवर्सिटी कैंटीन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर रोटार्क्ट क्लब ऑफ डीएसपीएमयू द्वारा रोटरी क्लब ऑफ राँची तथा एनएसएस इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें सदर अस्पताल, राँची ने तकनीकी सहयोग दिया। मौके पर कुलपति डॉ. राजीव मनोहर ने स्वयं रक्तदान कर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। शिविर का शुभारंभ भूगोल विभाग के अध्यक्ष एवं रोटार्क्ट क्लब मेंटर डॉ. अभय कृष्ण सिंह ने प्रथम रक्तदाता के रूप में किया। मौके पर कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने कहा कि रक्तदान से बड़ा और कोई दान नहीं होता और विशेष तौर पर आज डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के मौके पर ऐसे आयोजन की प्रासंगिकता और महत्व और अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान सामाजिक सरोकार से जुड़ा विषय है और हमें विद्यार्थियों को प्रेरित करना होगा कि वह इन कार्यों में जागरूकता दिखाएं।

इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ राँची के अध्यक्ष रोटेरियन ललित त्रिपाठी, पूर्व अध्यक्ष गौरव बागरोय, पूर्व अध्यक्ष दीपक श्रीवास्तव तथा सचिव शालिनी सिंघानिया, डॉ शमा सोनाली विशेष रूप से उपस्थित रहे। एनसीसी और एनएसएस के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भी रक्तदान किया। कार्यक्रम में कुल 48 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ, जो सदर अस्पताल, राँची को सौंपा जाएगा। यह जानकारी पीआरओ डॉ राजेश कुमार सिंह ने दी।

राजनीति में युवाओं की भागीदारी से ही आएगा बड़ा बदलाव : दीपिका

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

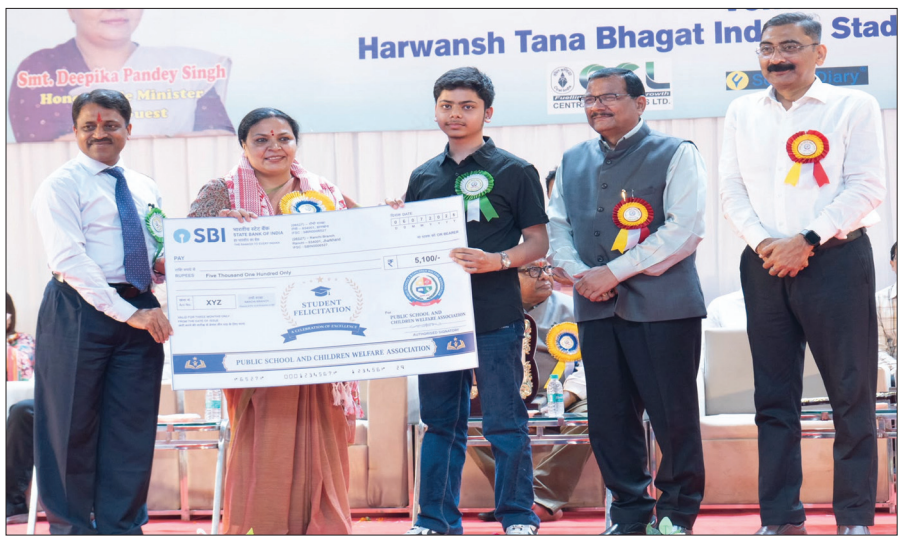

रांची। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि युवा समाज और देश में बड़ा बदलाव लाना चाहते हैं तो उन्हें राजनीति और नेतृत्व की जिम्मेदारी निभाने के लिए आगे आना होगा। राजनीति में युवाओं की भागीदारी से ही समाज, राष्ट्र और देश में बड़ा बदलाव आएगा। मंत्री सोमवार को पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) की ओर स्कूमल परिसर में आयोजित छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह में बतौर मुख्या अतिथि बोल रहे थे।

मौके पर उन्होंने कहा कि संवेदनशील, शिक्षित और दूरदर्शी नेतृत्व ही सामाजिक न्याय, समान अवसर और जनहित को मजबूत कर सकता है। इस अवसर पर उन्होंने 10 वीं एवं 12 वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को उनकी रुचि के अनुरूप करियर चुनने और समर्पण के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने हाल के पेपर लीक और सीबीएसई मूल्यांकन प्रक्रिया से जुड़े मामलों पर चिंता जताते हुए कहा कि इस वर्ष कई विद्यार्थियों को मूल्यांकन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि झारखंड के एक छात्र की ओर से मूल्यांकन प्रक्रिया की विसंगतियों को उजागर करना सराहनीय है। पुनर्मूल्यांकन के बाद झारखंड की एक छात्रा का राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान हासिल करना भी मूल्यांकन प्रणाली में सुधार की आवश्यकता को दशार्ता है। विद्यार्थियों की समस्याओं और अधिकारों को प्रभावी ढंग से उठाने के लिए छात्रों की गूंज अभियान चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में बडी संख्या में छात्र-छात्राएं सहित अन्य लोग मौजूद थे।

रिम्स में 60 टीबी मरीजों के बीच पोषण किट का वितरण

रांची। रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में सोमवार को सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट (सीएमपीडीआई) के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) सहयोग और आरके एचआईवी एड्स रिसर्च एंड केयर सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में निक्षय पोषण योजना के तहत क्षयरोग (टीबी) मरीजों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 60 टीबी मरीजों के बीच पोषण किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. सिद्धेश्वर बास्की के नेतृत्व तथा रिम्स के टीबी एवं चेस्ट विभागाध्यक्ष डॉ. बृजेश मिश्रा की देखरेख में किया गया। डॉट्स केंद्र के प्रभारी डॉ. टी.के. मिश्रा ने मरीजों को पोषण किट वितरित किए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन के राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने में दवाओं के साथ संतुलित पोषण की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि सामाजिक संस्थाओं और कॉरपोरेट क्षेत्र के सहयोग से मरीजों को बेहतर पोषण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में मदद मिल रही है। इस अवसर पर प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर दीपक कुमार ने बताया कि आरके एचआईवी एड्स रिसर्च एंड केयर सेंटर के माध्यम से पिछले पांच महीनों में रांची जिले के 1,550 टीबी मरीजों को नियमित रूप से पोषण किट उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य मरीजों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य लाभ में सहयोग करना और 'टीबी मुक्त भारत' अभियान को गति देना है।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या-2, राँची

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–30/2026–27

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 21.07.2026 को 1.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 22.07.2026 का 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 22.07.2026 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : 1) अधीक्षण अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा 2) कार्यपालक अभियन्ता,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय
8. कार्य की विवरणी :

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू.)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू.)	अग्रधन की राशि (रू.)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Renovation of E" Type Qtr. No. -52 (F. Fl.) in Sector-1 at HEC, Dhurwa, Ranchi	18,71,500.00	5000.00	38000.00	2 Months
2	Provision of Concertina Coil Fencing over Boundary Wall of Girls Hostel No.-7 & 8 at RIMS, Ranchi	9,43,900.00	1250.00	19000.00	1 Month
3	Renovation of "F" Type Qtr. No. -50 in Sector-03 at HEC, Dhurwa, Ranchi	46,05,600.00	5000.00	92500.00	3 Months
4	Renovation of "E" Type Qtr. No. -9 (G. Fl.) in Sector-3 at HEC, Dhurwa, Ranchi	14,10,300.00	2500.00	28500.00	2 Months
5	Renovation of "CD" Type Qtr. No. -90 (S. Fl.) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	6,05,400.00	1250.00	12500.00	1 Month

नोट :निविदा की शर्तें http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

PR 384138 Building(26-27).D

प्रेमचंद जयंती पर धर्म के दुरुपयोग और साहित्य की भूमिका पर होगी गोष्ठी

रांची। जनवादी लेखक संघ (जलेस), रांची की आभासी सांगठनिक बैठक रांची में सोमवार को अध्यक्ष कुमार बृजेंद्र की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन की गतिविधियों, नए रचनाकारों की भागीदारी और आगामी साहित्यिक कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 31 जुलाई 2026 को प्रेमचंद जयंती के अवसर पर सफदर हाशमी सभागार, विश्वकर्मा लेन, रांची में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मौके पर अध्यक्ष कुमार बृजेंद्र ने कहा कि वर्तमान समय में धर्म और आस्था का राजनीतिक दुरुपयोग सामाजिक सौहार्द के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे दौर में प्रेमचंद के साहित्य और विचार समाज को मानवीय मूल्यों तथा लोकतांत्रिक चेतना की दिशा दिखाते हैं।

झारखंड में दो दिनों की बारिश से जनजीवन प्रभावित, 7-8 जुलाई के लिए भी येलो अलर्ट जारी

रांची। झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के कई जिलों में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। भारी वर्षा के कारण शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जलजमाव की स्थिति बन गई है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने 7 और 8 जुलाई के लिए भी राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश, तेज हवाओं और वज्रपात की आशंका जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। राजधानी रांची में सोमवार तड़के से रुक-रुक कर बारिश होती रही। हालांकि दोपहर बाद मौसम में कुछ सुधार हुआ और बारिश थमने के साथ आसमान साफ हुआ, लेकिन कई इलाकों में सड़कों पर जमा पानी देर तक लोगों के लिए परेशानी का कारण बना रहा। अपर बाजार के सेवा सदन रोड, गाड़ीखाना, हरमू रोड, अरगोड़ा और पंडरा रोड सहित कई क्षेत्रों में जलजमाव की स्थिति देखने को मिली। सड़कों पर पानी भर जाने से वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई, जबकि पैदल राहगीरों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर नालियों का पानी सड़क पर आ जाने से यातायात प्रभावित रहा।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला
Email-eedwsd.gumla@gmail.com

अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 16/2026–27
जिला योजना अनाबद्ध मद

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड।
2. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय :– 13.07.2026 के अपराहन 1.00 बजे तक (छुटटी के दिनों को छोड़कर)
4. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 14.07.2026 को 4.00 बजे अपराह्न तक।
5. निविदा खोलने की संभावित तिथि एवं समय :– 14.07.2026 को 4.30 बजे अपराह्न।
6. निविदा परिमाण विपत्र बिक्री का स्थानः– (क) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गुमला। (ख) सहायक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल सं0–2, गुमला।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :– (क) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला।

क्र0	कार्य का नाम	ग्रुप संख्या	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण बिपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	गुमला जिला अंतर्गत डुमरी प्रखण्ड के पंचायत–नवाडीह, ग्राम–भोजीटोली में जलापूर्ति का कार्य।	01	9,03,900.00	18,500.00	1250.00	03 माह
2	गुमला जिला अंतर्गत डुमरी प्रखण्ड के पंचायत–मेराल, ग्राम–सकतार, बिरनी टोली में जलापूर्ति का कार्य।	02	6,90,798.00	14,000.00	1250.00	03 माह
3	गुमला जिला अंतर्गत जारी प्रखण्ड के पंचायत–जारडा, ग्राम–धोबारी, उरैद कोना में जलापूर्ति का कार्य।	03	10,03,780.00	20,500.00	2500.00	03 माह
4	गुमला जिला अंतर्गत कामडारा के पंचायत–कोन्सा, ग्राम–कोन्सा, चुँआ टोली में जलापूर्ति का कार्य।	04	8,62,810.00	17,500.00	1250.00	03 माह
5	गुमला जिला अंतर्गत कामडारा के पंचायत–रेड़वा, ग्राम–हाँफु, अवरा टोली में जलापूर्ति का कार्य।	05	10,39,490.00	21,000.00	2500.00	03 माह
6	गुमला जिला अंतर्गत कामडारा के पंचायत–सुरूहु, ग्राम–सुरूहु, बिंधन चुँआ में जलापूर्ति का कार्य।	06	8,43,800.00	17,000.00	1250.00	03 माह
7	गुमला जिला अंतर्गत कामडारा के पंचायत–सुरूहु, ग्राम–करिचुँआ सोरो सोकरा में जलापूर्ति का कार्य।	07	8,48,200.00	17,000.00	1250.00	03 माह

निविदा की नियम एवं शर्तें :– कार्यालय सूचना पट पर उपलब्ध है।
:– प्राक्कलित राशि आवश्यकतानुसार घट/बढ़ सकती है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल,
गुमला।

PR.NO.384171 Drinking Water and Sanitation(26-27):D

राष्ट्रीय कैडेट कोर की अनुशंसा पर भारत सरकार द्वारा कर्नल की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। साईं नाथ विश्वविद्यालय, राँची के कुलपति के प्रो० (डॉ०) एस० पी० अग्रवाल को भारतीय सेना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर की अनुशंसा पर भारत सरकार द्वारा कर्नल की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान शिक्षा, राष्ट्र निर्माण, युवा सशक्तिकरण, अनुशासन, नेतृत्व विकास तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट एवं दीर्घकालिक योगदान के लिए प्रदान किया गया। यह सम्मान समारोह अत्यंत गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया, जिसमें भारतीय सेना, एनसीसी, शिक्षा जगत एवं अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि- मेजर जनरल रविंदर सिंह, एडीजी, एनसीसी, बिहार एण्ड झारखण्ड थे। विशिष्ट अतिथियों में ब्रिगेडियर विवेक सिंह ठाकुर, एस. एम. ग्रुप कमांडर, राँची एवं कर्नल रोहित नंदन प्रसाद, कर्नल-अमित लांबा, सुबेदार मेजर-प्रबदयाल सिंह, सुबेदार - मनोज जोशी, 19 झारखण्ड बटालियन, एनसीसी, राँची, सीटीओ- धर्मेन्द्र कुमार सिन्हा, एनसीसी ऑफिसर, साईं नाथ विश्वविद्यालय, राँची सहित सेना एवं एनसीसी के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में साईं नाथ विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, विद्यार्थी, एनसीसी कैडेट्स एवं अन्य सदस्य भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। समारोह के दौरान मुख्य अतिथि- मेजर जनरल रविंदर सिंह, एडीजी, एनसीसी, बिहार एण्ड झारखण्ड एवं ब्रिगेडियर विवेक सिंह ठाकुर द्वारा प्रो० (डॉ०) एस० पी० अग्रवाल को अशोक चक्र एवं स्टार बैज लगाकर सम्मानित किया गया तथा मानद रैंक एवं राजपत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर उन्होंने प्रो० अग्रवाल के नेतृत्व, अनुशासन, शिक्षा के क्षेत्र में योगदान एवं युवाओं के चरित्र निर्माण के प्रति उनके निरंतर प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि साईं नाथ विश्वविद्यालय विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, नेतृत्व क्षमता एवं नैतिक मूल्यों के विकास हेतु उल्लेखनीय कार्य कर रहा है, जो समाज एवं राष्ट्र के लिए प्रेरणादायक है। मुख्य अतिथि- मेजर जनरल रविंदर सिंह ने अपने संबोधन में प्रो० (डॉ०) एस० पी० अग्रवाल एवं साईं नाथ विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ऐसे शैक्षणिक संस्थानों की आवश्यकता है जो युवाओं को केवल अकादमिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति भी जागरूक करें। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा एनसीसी एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के प्रयासों की प्रशंसा की। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स द्वारा अनुशासन एवं राष्ट्रभक्ति से परिपूर्ण प्रस्तुति दी गई, जिसने कार्यक्रम को और भी प्रेरणादायी बना दिया। समारोह में उपस्थित अधिकारियों एवं अतिथियों ने विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने के प्रयासों की प्रशंसा की। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत अपने संबोधन में प्रो० (डॉ०) एस० पी० अग्रवाल ने कहा कि यह उनके जीवन का अत्यंत गौरवपूर्ण एवं भावनात्मक क्षण है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना एवं एनसीसी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़ना अपने आप में सम्मान की बात है। उन्होंने रक्षा मंत्रालय, भारतीय सेना एवं एनसीसी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि साईं नाथ विश्वविद्यालय की शिक्षा, अनुशासन एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज देश को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन, नेतृत्व, नैतिक मूल्यों एवं राष्ट्रसेवा की भावना से प्रेरित हों। विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि ऐसे जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है जो समाज एवं देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकें। साईं नाथ विश्वविद्यालय, राँची, झारखण्ड का प्रथम विश्वविद्यालय है जहाँ एनसीसी यूनिट की शुरूआत की गई। विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी उत्कृष्ट सहभागिता का परिचय देते हुए गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजपथ, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक प्रतिनिधित्व किया है, जो विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है।

राष्ट्रीय सेवा योजना की बैठक में 126 प्लस-टू उच्च विद्यालयों के अकाउंट खोलने का निर्णय

रांची। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सह राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के राज्य कार्यक्रम समन्वयक राजेश प्रसाद की अध्यक्षता में सोमवार को निदेशालय कार्यालय में एनएसएस की राज्य स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्य के विद्यालयों में एनएसएस के प्रभावी संचालन, वित्तीय प्रबंधन और प्रशिक्षण से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। राज्य नोडल पदाधिकारी सह क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक नीलम आईलीन टोप्पो ने बताया कि राज्य के 126 प्लस-टू उच्च विद्यालयों में राष्ट्रीय सेवा योजना संचालित है। उन्होंने कहा कि नए दिशा-निर्देशों के तहत सभी विद्यालयों को भारतीय स्टेट बैंक में जीरो बैलेंस सब्सिडियरी अकाउंट खोलना है। अब तक 43 विद्यालयों में खाते खोले जा चुके हैं, जबकि शेष विद्यालयों में प्रक्रिया जारी है। बैठक में निर्णय लिया गया कि एनएसएस मद की उपलब्ध राशि संबंधित विद्यालयों को उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही सभी 126 विद्यालयों के कार्यक्रम पदाधिकारियों का दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण जेसीईआरटी, रातू में आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण में एनएसएस गतिविधियों के संचालन, वित्तीय प्रबंधन, लेखा संधारण एवं पीएफएमएस प्रणाली से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। बैठक में राज्य, जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालयों एवं विद्यालय स्तर पर एनएसएस कोषांग गठित करने और राज्य नोडल पदाधिकारी कार्यालय में आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करने का भी निर्णय लिया गया।

जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी

वित्तीय वर्ष 2026–27
फीड बेस्ड फिशरीज योजना से अनुदान पर फीड प्राप्त करने का सुनहरा अवसर

एतद् द्वारा खूँटी जिला के मत्स्य कृषकों को सूचित किया जाता है कि विभागीय राज्यादेश संख्या 15 रा०(वि०), दिनांक 23.06.2026 (तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना) द्वारा मत्स्य आहार क्रय पर अनुदान दिये जाने का प्रावधान किया गया है। योजना अंतर्गतः–

1. मत्स्य कृषकों/केज मत्स्य पालकों को मछली उत्पादन हेतु विभाग द्वारा स्थापित फिश फीड मिल अथवा झास्कोफिश से उत्पादित फिश फीड अथवा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत सरकारी अनुदान से स्थापित फिश फीड मिल से उत्पादित कम से कम 24 प्रतिशत् प्रोटीन गुणवत्तायुक्त 2 mm से बड़े 4 mm तक के फिश फीड के क्रय पर 50 प्रतिशत अथवा 25/– रु० प्रति किग्रा की दर से अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा।
2. कंडिका 1 के अतिरिक्त मत्स्य पालकों को 2 mm अथवा इससे छोटे साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड (खुले बाजार से) के क्रय पर भी 50 प्रतिशत् अथवा अधिकतम 25/– रु० प्रति किलोग्राम फीड की दर से अनुदान देय होगा। एक लाभुक को अधिकतम कुल 700 किग्रा 2 mm अथवा इससे छोटे साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के क्रय पर 25/– रु० प्रति किग्रा के समानुपातिक दर पर अधिकतम 17500/– (सत्रह हजार पाँच सौ) रु० अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी०बी०टी० की जाएगी।
3. कंडिका 1 एवं 2 के अतिरिक्त केज मत्स्य पालकों को दूसरे crop से मछली उत्पादन के लिए 2 mm से बड़े 4 mm तक के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड (खुले बाजार से) के क्रय पर भी 50 प्रतिशत् अथवा अधिकतम 25/– रु० प्रति किलोग्राम फीड की दर से अनुदान देय होगा। एक लाभुक को अधिकतम कुल 1500 किग्रा 2 mm से बड़े 4 mm तक के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के क्रय पर 25/– रु० प्रति किग्रा के समानुपातिक दर पर अधिकतम 37500/– (सैंतीस हजार पाँच सौ) रु० अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी०बी०टी० की जाएगी।

उपरोक्त के अतिरिक्त रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम, बायोफ्लॉक टैंक तथा बायोफ्लॉक तालाब के लिए भी अनुदान पर फीड उपलब्ध कराया जाएगा जो निम्न प्रकार हैः–

4. रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (RAS)– रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम में दूसरे crop से मछली उत्पादन के लिए एक लाभुक को 90 m^3 के प्रति टैंक (अधिकतम 08 टैंक) के लिए अधिकतम 650 किग्रा प्रति टैंक की दर से 4mm तक के साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के क्रय पर 25/– रु० प्रति किग्रा के समानुपातिक दर पर अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी०बी०टी० की जाएगी।
5. बायोफ्लॉक टैंक (Biofloc Tank)– इसी प्रकार बायोफ्लॉक टैंक में दूसरे crop से मछली उत्पादन के लिए एक लाभुक को 10 m^3 के प्रति टैंक (अधिकतम 50 टैंक) के लिए अधिकतम 50 किग्रा प्रति टैंक की दर से 4 mm तक के साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के क्रय पर 25/– रु० प्रति किग्रा के समानुपातिक दर पर अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी०बी०टी० की जाएगी।
6. बायोफ्लॉक तालाब (Biofloc Pond)– बायोफ्लॉक तालाब (0.1 Ha) में दूसरे से मछली उत्पादन के लिए एक लाभुक को अधिकतम 1500 किग्रा प्रति तालाब (0.1 Ha) की दर से 4 mm तक के साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के क्रय पर 25/– रु० प्रति किग्रा के समानुपातिक दर पर अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी०बी०टी० की जाएगी।

लाभुकों द्वारा फीड क्रय से पहले कार्यालय में ब्लॉकचेन प्लेटफार्म के माध्यम से ऑनलाईन एवं ऑफलाइन आवेदन के माध्यम से सूचना देंगे। आवेदक का तालाब/फर्म के साथ GPS फोटोग्राफ आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। तत्पश्चात् फीड का क्रय करते हुए फीड बैग के साथ लाभुक का GPS फोटोग्राफ तथा GST बिल कार्यालय में समर्पित करेंगे जिसके पश्चात् ही अनुदान की राशि उपलब्ध करायी जाएगी। लाभुक द्वारा मत्स्य बीज संचयन की विवरणी, संचित मत्स्य बीज की संख्या तथा उपलब्ध मछली, मछलियों के ग्रोथ, उत्तरजीविता तथा बिक्री की गई मछलियों का डाटा से संबंधित विवरणी देना होगा।

जिला मत्स्य पदाधिकारी
खूँटी।

PR.NO.384192 Fish(26-27):D

भुवनेश्वर में कल पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की स्थायी समिति की बैठक

कानून-व्यवस्था और साइबर अपराध पर होगा मंथन

रांची। पूर्वी क्षेत्रीय परिषद (ईस्टर्न जोनल काउंसिल-ईजेडसी) की स्थायी समिति की 15वीं बैठक मंगलवार (07 जुलाई) को ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित होगी। बैठक में झारखंड, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल सहित परिषद से जुड़े सदस्य राज्यों के पुलिस महानिदेशक, गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी भाग लेंगे। झारखंड की पुलिस महानिदेशक तदाशा मिश्रा भी इसमें शामिल होंगी।

बैठक में कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाने, अंतरराज्यीय अपराधों की रोकथाम, साइबर अपराध पर नियंत्रण, महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराधों की जांच, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती, आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (ईआरएसएस-112) तथा फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (एफटीएससी) की प्रगति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी। इसके अलावा सदस्य राज्यों के बीच समन्वय मजबूत करने और साझा रणनीति तैयार करने पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट योजना की प्रगति बैठक के प्रमुख एजेंडों में शामिल है। वर्ष 2019 में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य दुष्कर्म और पॉक्सो अधिनियम से जुड़े मामलों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करना है। केंद्र सरकार ने योजना को 31 मार्च, 2026 तक बढ़ाया है, जिसके लिए 1,952.23 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रावधान किया गया है। इसमें केंद्र की हिस्सेदारी 1,207.24 करोड़ रुपये है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2024 तक देशभर में 754 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट संचालित हो रहे थे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों का भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साकार हो रहा है : संजय सेठ

भाजपा रांची महानगर ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर अर्पित की श्रद्धांजलि

रांची। भारतीय जनता पार्टी, रांची महानगर जिला द्वारा भारतीय जनसंघ के संस्थापक, महान शिक्षाविद् एवं प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125 वीं जयंती के अवसर पर हरमू स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं ने भाग लेकर डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर रांची के सांसद एवं केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जिस सशक्त, अखंड और आत्मगौरव से परिपूर्ण भारत का सपना देखा था, उसे आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में धरातल पर उतारा जा रहा है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 का हटना डॉ. मुखर्जी के अधूरे संकल्प को पूरा करने वाला ऐतिहासिक निर्णय है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सच्चे अर्थों में राष्ट्रभक्त थे, जिन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका जीवन प्रत्येक भारतीयों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है। रांची विधायक श्री सी.पी. सिंह ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग और वैचारिक दृढ़ता की अनुपम मिसाल है। उन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने जीवन का प्रत्येक क्षण भारत माता की सेवा में समर्पित किया। आज प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है कि उनके विचारों और आदर्शों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाए तथा राष्ट्र प्रथम की भावना को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी कार्यकताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के राष्ट्रवादी विचारों, अखंड भारत के संकल्प एवं सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में जिला महामंत्री जितेंद्र वर्मा, अरुण झा, राजू सिंह, नीरज चौधरी, संकेत तिवारी, इंद्रजीत यादव, अशोक मुंडा, मुनेश्वर साहू, गोपाल सोनी सहित भाजपा के प्रदेश, जिला, मंडल एवं मोर्चा के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हजारीबाग में अबुआ आवास योजना पर उठे सवाल, सरकारी घर में खुला 'बाइक गैराज'

डीडीसी ने दिए जांच के निर्देश

डाड़ी प्रखंड की बलसगरा पंचायत का मामला; तीन कमरों की जगह बने दो कमरे, आशियाने को ही बना दिया कमर्शियल दुकान

ललन कुमार/ उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी 'अबुआ आवास योजना' का मकसद उन गरीब और बेघर परिवारों के सिर पर पक्की छत देना है, जिनके पास रहने को ठिकाना नहीं है। लेकिन हजारीबाग जिले के डाड़ी प्रखंड से एक ऐसा अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जिसने इस पूरी योजना की मॉनिटरिंग और नियमों की धज्जियां उड़ा कर रख दी हैं। यहां बलसगरा पंचायत में एक गरीब लाभुक के नाम पर स्वीकृत हुए सरकारी आशियाने को रहने के बजाय एक 'कमर्शियल बाइक गैराज' में तब्दील कर दिया गया है। मामला जैसे ही सोशल मीडिया और प्रशासनिक गलियारों में गूंजा, हजारीबाग के उप विकास आयुक्त ने तुरंत संज्ञान लेते हुए पूरे मामले की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं।

आशियाने के आगे लगा 'शटर', चल रही है गाड़ियों की धुलाई और मरम्मत

यह पूरी कहानी डाड़ी प्रखंड की बलसगरा पंचायत की रहने वाली लाभुक नूनी देवी (पति मोतीलाल महतो) के नाम पर स्वीकृत हुए अबुआ आवास (वर्क कोडः 7080903656214) की है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस परिवार को पक्का मकान बनाने के लिए सरकार की ओर से हरी झंडी मिली थी। नियमों के मुताबिक, तीन कमरों और एक रसोईघर वाले इस मकान के लिए लाभुक को अब तक तीन किश्तों में कुल 1.80 लाख रुपये का भुगतान भी किया जा चुका है और सिर्फ आखिरी 20 हजार रुपये की किश्त बाकी है। लेकिन, जब यह मकान बनकर तैयार हुआ, तो इसका नजारा देखकर हर कोई हैरान रह गया। मकान के आगे के हिस्से में बकायदा लोहे का बड़ा शटर ठोक दिया गया है। यहाँ कोई परिवार नहीं रहता, बल्कि लाभुक का बेटा अंशु पटेल दो कर्मचारियों को रखकर धड़ल्ले से 'बाईक रिपेयरिंग और वाशिंग गैराज' चला रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक, बीते 27 जून को इस सरकारी घर में खुले गैराज का बाकायदा उद्घाटन भी किया गया था।

तीन कमरों की जगह सिर्फ दो कमरे; मानकों की खुली अनदेखी

अबुआ आवास योजना के कड़े सरकारी नियम कहते हैं कि हर मकान में कम से कम तीन कमरे, एक रसोईघर और लगभग 31 वर्गमीटर का फ्लोर एरिया होना अनिवार्य है। लेकिन इस रसूखदार गैराज वाले मकान में सिर्फ दो कमरे बनाए गए हैं और आगे के पूरे स्पेस को व्यावसायिक रूप दे दिया गया है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि डाड़ी प्रखंड में नियमों को ताक पर रखने का यह कोई इकलौता मामला नहीं है। कई गांवों में तो बिना रसोईघर के ही मकान पास कर दिए गए, तो कई जगहों पर ठेकेदारों और बिचौलियों ने पुराने मकान की ही जर्जर दीवारों पर नया प्लास्टर चढ़ाकर अबुआ आवास का पैसा डकार लिया।

दिव्यांग पिता की बेबसीः ₹पेट पालने के लिए बेटे ने शुरू किया रोजगार₹

इस पूरे विवाद और आरोपों के बीच जब ' उज्जवल दुनिया' ने लाभुक के पति मोतीलाल महतो से उनका पक्ष जानना चाहा, तो उन्होंने अपनी लाचारी का हवाला दिया। मोतीलाल महतो ने भावुक होते हुए कहा, ₹मैं शारीरिक रूप से पूरी तरह दिव्यांग हूं और कोई भी काम करने में असमर्थ हूं। हमारे परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी खराब है कि दो वक्त की रोटी का जुगाड़ करना मुश्किल होता है। परिवार का पेट पालने और आजीविका चलाने के लिए ही मेरे बेटे ने घर के आगे छोटा सा गैराज खोलकर रोजगार शुरू किया है, इसके अलावा हमारे पास आय का कोई दूसरा जरिया नहीं था।

रडार पर प्रखंड का निगरानी तंत्र, बीडीओ से लेकर पंचायत सचिव तक उठे सवाल

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, डाड़ी प्रखंड में कुल 498 अबुआ आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 318 का निर्माण पूरा हो चुका है। इन आवासों की जियो-टैगिंग और निगरानी की पूरी जिम्मेदारी प्रखंड स्तर पर बीडीओ, प्रखंड समन्वयक और पंचायत स्तर पर पंचायत सचिव की होती है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि जब मकान के आगे शटर लग रहा था और मानकों की अनदेखी हो रही थी, तब इन जिम्मेदार अधिकारियों की आंखें क्यों बंद थीं?

डीडीसी का अल्टीमेटमः ₹जांच में गड़बड़ी मिली, तो नपेंगे दोषी

मामले की गंभीरता को देखते हुए हजारीबाग के उप विकास आयुक्त ने साफ कर दिया है कि गरीबों के हक की योजना में किसी भी तरह की मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अबुआ आवास के व्यावसायिक उपयोग और निर्माण में अनियमितता की लिखित शिकायतें मिली हैं। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए टीम गठित की जा रही है। जांच रिपोर्ट में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर न सिर्फ लाभुक के खिलाफ बल्कि लापरवाही बरतने वाले संबंधित अधिकारियों पर भी सख्त कानूनी और विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उधर, ग्रामीणों ने साफ कहा है कि इस पूरे प्रखंड के सभी 498 आवासों की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।

उपायुक्त की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

हजारीबाग। उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्था, शिक्षकों से संबंधित विभिन्न मामलों तथा विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार के लिए आवश्यक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान विभिन्न विद्यालयों में शिक्षकों की प्रतियुक्ति, शिक्षकों की सेवा संपुष्टि तथा स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिन शिक्षकों की सेवा संपुष्टि अब तक नहीं हो सकी है, वे सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ संबंधित कार्यालय में उपस्थित होकर प्रक्रिया पूर्ण कराएं, ताकि उनके मामलों का शीघ्र निष्पादन किया जा सके। साथ ही स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति से संबंधित लंबित आवेदनों पर नियमानुसार विचार करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कक्षा 9वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणामों में गुणात्मक सुधार लाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों का नियमित अंतराल पर परीक्षा आयोजित करने तथा उसके आधार पर उनकी शैक्षणिक प्रगति का मूल्यांकन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नियमित मूल्यांकन से विद्यार्थियों की कमजोरियों की पहचान कर समय रहते उनमें सुधार किया जा सकेगा। बैठक में हजारीबाग में संचालित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के शैक्षणिक प्रदर्शन एवं शिक्षण व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था की सतत निगरानी एवं सुदृढ़ीकरण के लिए प्रशिक्षु आईएएस सुश्री पूर्वा अग्रवाल को मॉनिटरिंग करने को कहा उपायुक्त ने सभी शिक्षकों से बच्चों को धाराप्रवाह पढ़ना एवं लिखना सिखाने पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक भाषा एवं लेखन कौशल विद्यार्थियों के समग्र शैक्षणिक विकास की आधारशिला है, इसलिए इस दिशा में गंभीरता से कार्य किया जाए।

डॉक्टर जाकिर हुसैन रोड में कोयला लदे ट्रकों का तांडव, अनियंत्रित ट्रक ने बिजली पोल में मारी टक्कर; जनता ने की नो-एंट्री की मांग

घनी आबादी वाले क्षेत्र में हर वक्त मंडरा रहा बड़ा खतरा; आए दिन पोल में धक्का मार रहे हैं बेकाबू कोयला लदे ट्रक

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग शहर के सबसे व्यस्त और घनी आबादी वाले इलाकों में शुमार डॉक्टर जाकिर हुसैन रोड इन दिनों मौत का कॉरिडोर बनता जा रहा है। जिला प्रशासन और सरकार की घोर उदासीनता के कारण इस संक्रीण मार्ग से दिन-रात सैकड़ों की संख्या में कोयला लदे भारी और अनियंत्रित वाहनों (हाईवा और ट्रकों) का परिचालन धड़ल्ले से जारी है। रविवार की रात करीब 9:45 बजे इसी लापरवाही का एक और खौफनाक नजारा उस वक्त देखने को मिला, जब कोयले से ओवरलोड एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे लगे बिजली के पोल में जोरदार टक्कर मार दी। गनीमत रही कि इस टक्कर से आज पोल टूटा नहीं, लेकिन जिस तरह से यह टक्कर मारी गई, उससे पूरे इलाके के लोगों की सांसें हलक में अटक गईं।

पहले टूट चुका है पोल, आज फिर मारी टक्कर; बाल-बाल बचीं दर्जनों जिंदगियां

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र में ऐसी घटनाएं अब रोज की बात हो गई हैं। इससे पहले भी कोयले की गाड़ियों द्वारा बिजली के पोल में जोरदार टक्कर मारी गई थी, जिसमें पोल पूरी तरह टूट गया था और उस हादसे के कारण पूरे क्षेत्र के लोगों को लंबे समय तक बिजली की गंभीर समस्या से जूझना पड़ा था। रविवार की रात फिर एक अनियंत्रित ट्रक ने उसी तरह पोल में जोरदार धक्का मार दिया। जिस वक्त यह ताजा हादसा हुआ, उस समय सड़क पर आम राहगीरों और स्थानीय लोगों की आवाजाही थी। ट्रक की रफ्तार को देखकर वहां मौजूद लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई, वरना कई लोग इस भारी वाहन की चपेट में आ सकते थे।

जान-माल का खतरा लगातार जारी, कभी भी हो सकती है बड़ी दुर्घटना'

भारी वाहनों के कारण इस घनी आबादी वाले क्षेत्र के लोगों के जान-माल का खतरा लगातार बढ़ता ही चला जा रहा है। आए दिन किसी न किसी बिजली के पोल में धक्का मारने की इन घटनाओं से स्थानीय नागरिक दहशत में हैं। लोगों का कहना है कि कभी भी कोई अनियंत्रित ट्रक किसी के घर में घुस सकता है, या पोल टूटने से हाई-वोल्टेज तार सड़क पर गिर सकते हैं, जिससे किसी भी समय सामूहिक हादसे या बड़ी जनहानि की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने कहा कि यदि प्रशासन ने इस पर तुरंत एक्शन नहीं लिया, तो क्षेत्र की आक्रोशित जनता सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल में 'कमीशन' और 'वसूली' का खेल जारी, झामुमो नेता शंभूलाल यादव ने खोला मोर्चा, डीएफओ मौन प्रकाश के खिलाफ सौंपा हलफनामा

7 प्रतिशत की बंधी-बंधाई हिस्सेदारी और चौपारण में अवैध वसूली नाका₹, मुख्यमंत्री दरबार के बाद अब विभाग के अवर सचिव के पास पहुंचा सबूत के साथ पूरा मामला

पत्राचार छोड़ अब सीधे जमीनी कार्रवाई की मांग; की शिकायतकर्ता, ₹न्याय सिर्फ होना नहीं चाहिए, बल्कि होता हुआ दिखना भी चाहिए

अजय निराला/ उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल के वन प्रमंडल पदाधिकारी मौन प्रकाश के विरुद्ध लगाए गए भ्रष्टाचार, अवैध वसूली तथा अवैध कोयला खनन से जुड़े गंभीर आरोपों की जांच की प्रक्रिया अब तेज हो गई है। इसी क्रम में झामुमो नेता शंभूलाल यादव ने विभाग के अवर सचिव मितरंजू कुमार को अपना विधिवत शपथपत्र एवं आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध करा दिए हैं।

कोयलांचल और वन क्षेत्रों से घिरे हजारीबाग में इन दिनों खाकी और खादी के बीच एक नई जंग छिड़ गई है। यह जंग किसी जमीन या सियासी जमीन को लेकर नहीं, बल्कि हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल में चल रहे कथित 'कमीशन खोरी' और 'अवैध कोयला परिवहन' के सिंडिकेट के खिलाफ है। इस पूरी कहानी के केंद्र में हैं हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल के डीएफओ मौन प्रकाश हैं। उन पर भ्रष्टाचार, अवैध वसूली और कोयला तस्करों को शह देने के इतने संगीन आरोप लगे हैं कि मामला अब रांची के बड़े गलियारों तक पहुंच चुका है। सोमवार को इस मामले में उस वक्त एक बड़ा मोड़ आया, जब सूबे की सत्ताधारी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता शंभूलाल यादव ने इस लड़ाई को कानूनी अमलीजामा पहनाते हुए वन विभाग के अवर सचिव मितरंजू कुमार को जाकर अपना विधिवत शपथपत्र और सबूतों का पुलिंदा सौंप दिया।

विकास योजनाओं में 7 प्रतिशत का 'कट' और चौपारण का 'रहस्यमयी' नाका

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पास पहुंचे इस परिवाद की परतें जैसे-जैसे खुल रही हैं, वन विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता शंभूलाल यादव ने सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि वर्ष 2024 से हजारीबाग में जमे डीएफओ मौन प्रकाश के कार्यकाल में वन विभाग की सरकारी और विकास योजनाओं में कथित रूप से '7 प्रतिशत' का बंधी-बंधाई हिस्सेदारी (कमीशन) का खेल चल रहा है। इतना ही नहीं, शिकायत में चौपारण के एक नए 'वन जांच नाके' का भी जिक्र है। आरोप है कि हजारीबाग-बरही मुख्य मार्ग पर स्थित इस नए नाके को किसी नियम-कायदे के तहत नहीं, बल्कि सिर्फ और सिर्फ ट्रकों से 'अवैध एंट्री' और वसूली के उद्देश्य से खड़ा किया गया है, क्योंकि चोरदाहा में पहले से ही एक वैध और बड़ी वन जांच चौकी काम कर रही है। इसके साथ ही बड़कागांव के घने जंगलों में माफियाओं के साथ सांठगांठ कर धड़ल्ले से हो रहे अवैध कोयला खनन के भी कई चौंकाने वाले साक्ष्य विभाग को सौंपे गए हैं।

हजारीबाग जिला परिषद में गजब का खेल, रिटायरमेंट के 8 साल बाद भी उसी कुर्सी पर जमे हैं कैशियर जमालउद्दीन

हजारीबाग। सरकारी नौकरी में एक समय ऐसा भी आता है, जब कर्मचारी सेवा पूरी कर सम्मानपूर्वक विदा हो जाता है। लेकिन, हजारीबाग जिला परिषद कार्यालय में एक ऐसा मामला सामने आया है, जहां सेवानिवृत्ति के आठ साल बाद भी एक कर्मचारी उसी कुर्सी पर बैठकर जिम्मेदारी निभा रहा है। यह मामला अब पूरे विभाग में चर्चा का विषय बन गया है और व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर रहा है। जिला परिषद के कार्यपालक अभियंता कार्यालय में कैशियर के पद पर कार्यरत जमालउद्दीन की नियुक्ति वर्ष 1987 में हुई थी। उन्होंने करीब 31 वर्षों तक इसी कार्यालय में इसी पद पर काम किया।

संविदा के आधार पर लगातार सेवा विस्तार

वर्ष 2018 में वह सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गए, लेकिन इसके बाद भी उनकी जिम्मेदारी खत्म नहीं हुई। बताया जा रहा है कि आज भी वही कार्यालय, वही टेबल और वही कैशियर की जिम्मेदारी उनके पास है। उन्हें संविदा के आधार पर लगातार सेवा विस्तार मिलता गया। सरकारी विभागों में कर्मचारियों का समय-समय पर स्थानांतरण और पदस्थापन सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा माना जाता है।

तीन दशक तक एक ही पद पर कार्यरत

वित्तीय मामलों से जुड़े संवेदनशील पदों पर तो पारदर्शिता बनाए रखने के लिए समय-समय पर बदलाव की व्यवस्था भी की जाती है। ऐसे में किसी कर्मचारी का तीन दशक तक एक ही पद पर बने रहना और फिर सेवानिवृत्ति के वर्षों बाद भी उसी जिम्मेदारी का निर्वहन करना कई सवाल खड़े कर रहा है। कैशियर का पद किसी भी कार्यालय में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। टेंडर से जुड़े भुगतान, सरकारी राशि का रखरखाव, बिलों का निष्पादन और अन्य वित्तीय लेन-देन जैसे कार्य इसी पद से जुड़े होते हैं। ऐसे में विभागीय नियमों और प्रशासनिक प्रक्रिया को लेकर लोगों के बीच चर्चा तेज हो गई है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीयों के सच्चे प्रेरणास्त्रोत : डॉ. रवींद्र कुमार राय

हजारीबाग में भाजपा ने मनाई 125वीं जयंती; सदर विधायक प्रदीप प्रसाद के कार्यालय में उमड़ा कार्यकताओं का हुजूम

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। अखिल भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती सोमवार को हजारीबाग जिला भाजपा द्वारा बेहद हर्षोल्लास और गौरवमयी वातावरण में मनाई गई। शहर के सदर विधायक प्रदीप प्रसाद के कार्यालय सभागार में जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह की अध्यक्षता में भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन सह जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस गौरवमयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व सांसद डॉ. रवींद्र कुमार राय विशेष रूप से उपस्थित हुए। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने और 'वंदे मातरम' के ओजस्वी राष्ट्रगीत के उद्घोष के साथ हुआ, जबकि समापन राष्ट्रगान 'जन गण मन' से किया गया।

मात्र 33 वर्ष की उम्र में वीसी और देश के पहले उद्योग मंत्री बने डॉ. मुखर्जी

समारोह के मुख्य वक्ता डॉ. रवींद्र कुमार राय ने डॉ. मुखर्जी के विराट व्यक्तित्व और ऐतिहासिक संघर्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 6 जुलाई 1901 को जन्मे डॉ. मुखर्जी एक असाधारण प्रतिभा के धनी, महान शिक्षाविद्, बैरिस्टर और प्रखर वक्ता थे। वे मात्र 33 वर्ष की सबसे कम उम्र में कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति (वीसी) बने थे। स्वतंत्रता के बाद वे प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमंडल में देश के पहले उद्योग और आपूर्ति मंत्री बने, लेकिन जब देश के स्वाभिमान और नीतियों से समझौता होने लगा, तो उन्होंने नेहरू-लियाकत समझौते के विरोध में केंद्रीय मंत्रिमंडल और कांग्रेस पार्टी से तत्काल इस्तीफा दे दिया था।

कश्मीर के पूर्ण विलय के लिए हंसते-हंसते न्योछावर कर दिए अपने प्राण

सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने डॉ. मुखर्जी को नमन करते हुए कहा कि भारत माता के इस वीर सपूत ने कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए जेल की सलाखों के पीछे अपने प्राणों की आहुति दे दी। आज उनका वह ऐतिहासिक सपना और संकल्प धरातल पर पूरी तरह साकार हो चुका है।जिला अध्यक्ष ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का यह दृढ़ संकल्प था कि एक स्वतंत्र देश में 'दो प्रधान, दो संविधान और दो निशान' कभी नहीं चलेंगे।

एक नजर

पूर्व मंत्री का बड़कागांव विधानसभा के विस्थापितों से जन संवाद महाभियान का आगाज

केरेडारी। पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ने कांग्रेस प्रदेश कमिटी को लेकर बड़कागांव विधानसभा में संचालित कोल कंपनियों के विरोध मोर्चा खोल दिया है! इस क्रम में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत 6 जुलाई को बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के बड़कागांव और केरेडारी में चल रहे कोल परियोजना में अब तक 2013 कानून नहीं लागू होने पर पूर्व मंत्री योगेंद साव, पूर्व विधायक अंबा प्रसाद के नेतृत्व में मुख्य अतिथि के. राजू (प्रभारी - झारखंड कांग्रेस, वरिष्ठ राष्ट्रीय नेता) विशिष्ट अतिथिः राधा कृष्ण किशोर जी (वित्त मंत्री, झारखंड सरकार) क्षेत्र में विस्थापन के गंभीर मुद्दे एवं क्षेत्र की अन्य जन-समस्याएं को लेकर 6 जुलाई 2026 (सोमवार) को बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के कोलियरी क्षेत्रों में भ्रमण किया। रैयतों के साथ जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से एवं विस्थापन की मुद्दों को लेकर प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात एवं विचार-विमर्श कर जाना के, राजू ने कहा इस गंभीर समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु सरकार और प्रशासन से सीधा संवाद करेंगे। भ्रमण के दौरान पतरातु , गोंदलपुरा, बड़कागांव, छोटका चेपा मैदान, डाड़ीकला, कंडाबेर, बसरिया बाजार, बेंगबरी, चट्टी बारियातू कोल माइंस प्रोजेक्ट से प्रभावितों से संवाद,पचड़ा मंडप के समीप दुमुहान , कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपरोक्त कार्यक्रमों में शामिल कांग्रेस के नेताओं ने जनता से रूबरू होकर कंपनियों के जमकर बरसे और पूर्व मंत्री योगेंद्र साव द्वारा किए मांगो पर सहमति जताया। जिसमें नियमानुसार भूमि अधिग्रहण एवं स-समय उचित मुआवजा, 2013 का नियम लागू करना, सम्मानजनक व सुव्यवस्थित पुनर्वास, स्थानीय युवाओं के लिए नियोजन एवम श्रम शोषण से मुक्ति, लगातार बढ़ता जल वायु प्रदूषण , जर्जर सड़कें एवं बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं, बिजली और पेयजल (पानी) का भारी संकट, कंपनियों द्वारा सीएसआर फंड का महा-घोटाला और दुरुपयोग, पर अविलंब विराम लगाने की आवाज बुलंद किया। मौके पर कांग्रेस प्रदेश प्रभारी के राजू झारखंड सरकार के मंत्री राधा कृष्ण किशोर पूर्व मंत्री योगेंद्र साव पूर्व विधायक अंबा प्रसाद कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र गुप्ता, मुखिया दिनेश साव समेत बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे।

गोंदलपुरा में विस्थापितों से मिले कांग्रेस प्रभारी के. राजू, बोले, किसानों की सहमति के बिना भूमि अधिग्रहण नहीं होना चाहिए

बड़कागांव। बड़कागांव कांग्रेस के केंद्रीय सचिव सह बड़कागांव की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद एवं झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री योगेंद्र साव के नेतृत्व में कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के. राजू तथा झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पतरातू, बड़कागांव एवं केरेडारी प्रखंडों में संचालित विभिन्न कोल परियोजनाओं की स्थिति का जायजा लिया तथा प्रभावित ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। बड़कागांव प्रखंड के गोंदलपुरा गांव एवं पकरी बरवाडीह कोल माइंस से प्रभावित ग्रामीणों के साथ चेपा खुर्द मैदान में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। गोंदलपुरा गांव में रिमझिम बारिश के बीच शिव मंदिर से धरना स्थल तक पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ कांग्रेस नेताओं का स्वागत किया गया। इसके बाद ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं से प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराया। ग्रामीणों की ओर से श्रीकांत निराला, विकास महतो (विनय कुमार), किशोर राणा, प्रमोद महतो, राजू महतो, फलिंदर गंझू एवं यशोदा देवी ने बताया कि कंपनियों के विरोध में 12 अप्रैल 2023 से लगातार धरना जारी है। उन्होंने कहा कि 1180 दिनों से चल रहे इस आंदोलन को तब तक जारी रखा जाएगा, जब तक एनटीपीसी के बादम, अडानी के गोंदलपुरा, जेएसडब्ल्यू के मोतरा एवं रुंगटा को आवंटित कोल माइंस को रद्द नहीं किया जाता। ग्रामीणों ने कहा कि उनके लिए शुद्ध हवा, पानी और उपजाऊ कृषि भूमि किसी भी कंपनी से अधिक मूल्यवान है। उनका आरोप था कि 2013 के भूमि अधिग्रहण अधिनियम की भावना के विपरीत उपजाऊ कृषि भूमि पर खनन परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बिना वैध ग्रामसभा एवं आमसभा के भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई तथा आंदोलनकारियों पर कई मुकदमे दर्ज किए गए। ग्रामीणों की बातें सुनने के बाद कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के. राजू ने कहा कि यह क्षेत्र अत्यंत उपजाऊ कृषि भूमि है और यहां किसी भी परिस्थिति में भूमि अधिग्रहण नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तक पहुंचाया जाएगा, ताकि संसद में इस मुद्दे को मजबूती से उठाया जा सके। उन्होंने आश्वस्त किया कि कांग्रेस पार्टी विस्थापितों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि किसानों की पीड़ा को समझने और उसे कांग्रेस नेतृत्व तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह दौरा किया गया है। उन्होंने कहा कि कृषि जीवन का आधार है और किसानों की सहमति के बिना उनकी जमीन नहीं ली जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ग्रामसभा की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए अधिवक्ताओं एवं मीडिया प्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में राज्य सरकार विचार करेगी। पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ने कहा कि 2013 के भूमि अधिग्रहण अधिनियम के अनुरूप कृषि योग्य भूमि का अधिग्रहण नहीं होने दिया जाएगा। वहीं कांग्रेस की केंद्रीय सचिव सह पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि इस दौरे का उद्देश्य क्षेत्र की वास्तविक स्थिति और ग्रामीणों की समस्याओं को समझकर उन्हें राज्य सरकार एवं कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व तक पहुंचाना है।

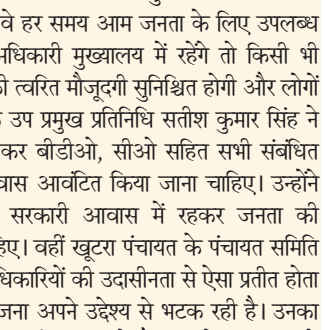

करोड़ों की लागत से प्रखंड -अंचल भव्य आवासीय भवन बन कर तैयार, उद्घाटन का हो रहा इंतजार

कटकमसांडी। कटकमसांडी प्रखंड मुख्यालय परिसर में प्रखंड एवं अंचल के पदाधिकारियों और कर्मियों के लिए करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित आधुनिक आवासीय भवन पूरी तरह बनकर तैयार है। निर्माण कार्य पूर्ण हुए काफी समय बीत जाने के बावजूद अब तक भवन का उद्घाटन नहीं होने और अधिकारियों-कर्मचारियों को आवास आवंटित नहीं किए जाने से यह सरकारी संपत्ति उपयोग के इंतजार में खड़ी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जनता के टैक्स के पैसे से तैयार इस आवासीय परिसर का उद्देश्य प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ), अंचल अधिकारी (सीओ) तथा प्रखंड एवं अंचल के अन्य कर्मियों को मुख्यालय में आवासीय सुविधा उपलब्ध कराना था, ताकि वे हर समय आम जनता के लिए उपलब्ध रह सकें। उनका मानना है कि अधिकारी मुख्यालय में रहेंगे तो किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में प्रशासन की त्वरित मौजूदगी सुनिश्चित होगी और लोगों को राहत मिलेगी। कटकमसांडी के उप प्रमुख प्रतिनिधि सतीश कुमार सिंह ने कहा कि भवन का शीघ्र उद्घाटन कर बीडीओ, सीओ सहित सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवास आवंटित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को स्वयं सरकारी आवास में रहकर जनता की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। वहीं खूटरा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य प्रदीप मिश्रा ने कहा कि पदाधिकारियों की उदासीनता से ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अपने उद्देश्य से भटक रही है। उनका आरोप है कि कई कर्मचारी देर से कार्यालय पहुंचते हैं, जिससे दूर-दराज से आने वाले ग्रामीणों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यदि आवासीय परिसर चालू हो जाए तो प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार आएगा और जनता को समय पर सेवाएं मिल सकेंगी। ग्रामीणों ने बताया कि नामांतरण (म्यूटेशन), एलटीसी तथा अन्य राजस्व संबंधी कार्यों के लिए लोगों को कई बार अंचल कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है।

पीएम मोदी साकार कर रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना: सांसद मनीष

सांसद सेवा कार्यालय में जनसंघ के संस्थापक की 126वीं जयंती पर उमड़ा जनसैलाब; सैकड़ों लोगों ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान' के खिलाफ डॉ. मुखर्जी की ऐतिहासिक लड़ाई को केंद्र सरकार ने उतारा धरातल पर

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। अखिल भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 126वीं जयंती के अवसर पर सोमवार को हजारीबाग के सांसद सेवा कार्यालय में एक भव्य जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस गौरवमयी कार्यक्रम में मुख्य रूप से हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल उपस्थित रहे। उन्होंने संगठन के आदि पुरुष और जन-जन के प्रेरणास्रोत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद कार्यालय सभागार में मौजूद भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों, सैकड़ों कार्यकताओं और प्रबुद्ध नागरिकों ने बारी-बारी से उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और उनके दिखाए राष्ट्रवाद के मार्ग पर चलने का सामूहिक संकल्प लिया।

देश के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का उत्थान ही सच्ची श्रद्धांजलि

समारोह में उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने डॉ. मुखर्जी के संघर्षों को याद किया। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की अखंडता, एकता और जन-कल्याण के महायज्ञ में समर्पित था। सांसद मनीष जायसवाल ने जोर देकर कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश की संप्रभुता के लिए 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान' की तानाशाही के खिलाफ जो ऐतिहासिक और निर्णायक लड़ाई शुरू की थी, उसे आज देश की वर्तमान सरकार ने धरातल पर पूरी तरह सच कर दिखाया है। उनके उसी अखंड भारत और परम वैभव के सपने को आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी दूरदर्शी सोच और जनकल्याणकारी नीतियों के माध्यम से साकार कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार की 'अंत्योदय' योजनाएं समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के सामाजिक और आर्थिक उत्थान को समर्पित हैं, जो सीधे तौर पर डॉ. मुखर्जी के विचारों और सिद्धांतों का ही जीवंत रूप है।

राष्ट्रभक्ति के संकल्प के साथ एकजुट हुए सैकड़ों कार्यकर्ता

जयंती समारोह के दौरान पूरा सभागार देशप्रेम और भारत माता के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर वक्ताओं ने देश के विकास में डॉ. मुखर्जी के योगदान, विशेषकर कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए उनके द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान की गाथा को याद किया। उपस्थित कार्यकताओं ने प्रतिज्ञा की कि वे डॉ. मुखर्जी के विचारों को घर-घर तक पहुंचाएंगे और संगठन को और अधिक मजबूत बनाएंगे।

समारोह में मुख्य रूप से इन लोगों की रही उपस्थित

इस ऐतिहासिक जयंती समारोह में मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि अजय कुमार साहू, किशोरी राणा, पूनम साव, भगवान केशरी, अजय मेहता, अनूप कुमार, सुमन गिरी, भाजयुमो (भारतीय जनता युवा मोर्चा) जिला अध्यक्ष राजकरण पांडेय, विक्रमादित्य, राजेंद्र पासवान, पीयूष राणा, कपिलदेव सिंह, परमानंद तिवारी, मुकेश साव, सुनील सिंह, नौसाद अलम, नजरुल अंसारी, आफताब आलम, ललिता देवी, सबिता देवी, निर्मल कुमार, सोनू यादव, अमित कुमार, रामानंद गिरी, सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, रूपम ओझा, राजेश राणा सहित हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के दर्जनों वरिष्ठ भाजपा नेता, प्रबुद्ध नागरिक और भारी संख्या में मातृशक्ति व युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक नजर

चरही बाजार टांड़ में जलजमाव की समस्या दूर करने के लिए हजारीबाग के सांसद ने एनएचएआई को लिखा पत्र

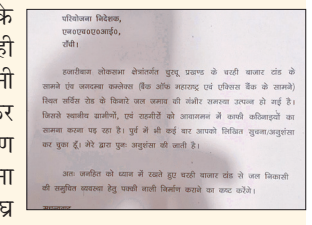

चरही। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने चरही बाजार टांड़ में लंबे समय से बनी जलजमाव की समस्या को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के परियोजना निदेशक को पत्र लिखकर शीघ्र स्थायी समाधान की मांग की है। साथ ही सांसद श्री जायसवाल ने अपने पत्र में बताया है कि चरही प्रखंड के चरही बाजार टांड़ स्थित जगदम्बा कॉम्प्लेक्स (बैंक ऑफ महाराष्ट्र एवं एक्सिस बैंक के सामने) सर्विस रोड के किनारे जलजमाव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। इसके कारण स्थानीय ग्रामीणों, व्यवसायियों एवं राहगीरों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि इस समस्या के संबंध में पूर्व में भी कई बार एनएचएआई को लिखित रूप से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। सांसद ने जनहित को ध्यान में रखते हुए चरही बाजार टांड़ से जल निकासी की समुचित व्यवस्था के लिए पक्की नाली का निर्माण जल्द कराने का अनुरोध किया है। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि क्षेत्र की जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है और जनहित से जुड़े मामलों में वे लगातार संबंधित विभागों से समन्वय कर समस्याओं के समाधान का प्रयास कर रहे हैं।

चौपारण में घर में घुसकर महिला को किया लहूलु हान

हजारीबाग। जिले के चौपारण प्रखंड अंतर्गत दादपुर पंचायत के हारपुर गांव में रविवार को एक पुरानी रंजिश ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि कुछ लोग उनके घर में घुस आये और एक ही परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में 35 साल की सिद्धि देवी गंभीर रूप से जख्मी हो गई। उनकी हालत नाजुक होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिये हजारीबाग रेफर कर दिया गया। घटना में सिद्धि देवी के पति राजकुमार सिंह और परिवार की 85 साल की बुजुर्ग महिला भी घायल हुई हैं। वारदात के बाद पीड़ित परिवार दहशत में है। घर में घुसकर एक परिवार पर जानलेवा हमला करने का आरोप राजकुमार सिंह ने चौपारण थाना में लिखित आवेदन देकर अशोक सिंह, जगतपाल सिंह, बाबूलाल सिंह, टुनटुन देवी, मंजू देवी सहित अन्य लोगों पर घर में घुसकर लाठी, कुल्हाड़ी और लोहे की रॉड से हमला करने का आरोप लगाया है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि सिद्धि देवी के साथ मारपीट की गई, उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया, गला दबाने का प्रयास किया गया, कपड़े फाड़े गये और गले से सोने की चेन छीन ली गई। पीड़ित परिवार का इल्जाम है कि आरोपी लगातार जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। परिवार ने पुलिस से प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और पूरे परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच-प्रताड़ल शुरू कर दी है।

दलाई लामा के 91वें जन्मोत्सव पर हजारीबाग डेंटल कॉलेज द्वारा निःशुल्क दंत जांच शिविर

हजारीबाग। हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल द्वारा दलाई लामा के 91वें जन्मोत्सव के अवसर पर सोमवार को निशुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 35 से अधिक लोगों के दांतों की निशुल्क जांच की गई तथा उन्हें मुख एवं दंत स्वास्थ्य से संबंधित आवश्यक परामर्श भी दिया गया। इस अवसर पर हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल के सचिव डॉ. प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए दांतों की नियमित देखभाल और समय-समय पर जांच अत्यंत आवश्यक है। निशुल्क स्वास्थ्य शिविर समाज के लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ समय पर उपचार सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी संस्थान सामाजिक सरोकारों के तहत इस प्रकार के जनहितकारी निशुल्क शिविर आयोजित करता रहेगा। शिविर को सफल बनाने में हजारीबाग डेंटल कॉलेज के चिकित्सक डॉ. दीपांशु रंजन मिश्रा, पीआरओ राज कुमार, शालू, साक्षी प्रिया, पायल, सायन और प्रणव निखिल का सराहनीय योगदान रहा।

दिवंगत सुरेंद्र पासवान की स्मृति में रक्तदान शिविर, 32 लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

दारू। सामाजिक रिश्ता संस्था, दारू द्वारा दिवंगत सदस्य सुरेंद्र पासवान की स्मृति में सोमवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, जिला पार्षद गीता देवी एवं अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान कुल 32 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम में अतिथियों ने रक्तदान को महादान बताते हुए लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। नियमित रक्तदाताओं इंद्र देव कुशवाहा और राजीव रंजन शर्मा को 25वीं बार तथा राजन सिन्हा को 20वीं बार रक्तदान करने पर सम्मानित किया गया। पहली बार रक्तदान करने वाली छात्रा साक्षी सिन्हा ने भी भविष्य में नियमित रक्तदान का संकल्प लिया। विश्व हिन्दू फाउंडेशन की ओर से सभी रक्तदाताओं को फल एवं मिठाई की टोकरी भेंट की गई। मेडिकल टीम एवं सामाजिक रिश्ता संस्था के सदस्यों के सहयोग से शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आदिवासी छात्र संघ हजारीबाग के जिलाध्यक्ष चुने जाने पर विक्की करमाली ने जताया आभार

बड़कागांव। बड़कागांव आदिवासी छात्र संघ, हजारीबाग जिला की नई कार्यकारिणी के गठन में विक्की करमाली को सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष चुना गया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने संगठन के सभी सदस्यों, वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन वे पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ करेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आदिवासी छात्र संघ के केंद्रीय संयोजक विक्की कुमार धान एवं संगठन के सभी पदाधिकारियों द्वारा उन पर जताए गए विश्वास पर वे पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। आदिवासी छात्रों के अधिकारों और उनके सर्वांगीण विकास को संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। संगठन के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं। शिक्षा एवं छात्र अधिकारः हजारीबाग जिले के सभी महाविद्यालयों में आदिवासी छात्रों की छात्रवृत्ति, छात्रावास, फीस माफी, आरक्षण एवं अन्य शैक्षणिक समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी पहल करना। सांस्कृतिक संरक्षणः आदिवासी समाज की भाषा, कला, संस्कृति एवं मंडा, सरहुल जैसे पारंपरिक पर्व-त्योहारों को महाविद्यालय स्तर पर संरक्षण और बढ़ावा देना। एकता एवं जागरूकताः छात्रों को शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, कौशल विकास एवं रोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक कर उन्हें संगठित करना, ताकि वे समाज के नेतृत्व में सक्रिय भूमिका निभा सकें।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व झारखंड प्रभारी के. राजू पहुँचे केरेडारी के बसरिया गाँव, रैयत और विस्थापितों का जाना दर्द

केरेडारी। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सह झारखंड प्रभारी के. राजू सोमवार को केरेडारी प्रखंड के बसरिया गांव पहुंचे। यहां उन्होंने एनटीपीसी के बीजीआर माइंस परियोजना के रैयत और विस्थापित परिवारों से मुलाकात कर उनसे सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को बेहद नजदीक से सुना। ग्रामीणों से बातचीत के दौरान झारखंड प्रभारी ने एनटीपीसी की बीजीआर परियोजना द्वारा की जा रही कथित ज्यादती और स्थानीय लोगों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार को करीब से देखा और परखा। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि यहाँ के परिवार किस तरह विस्थापन का दंश झेलने को मजबूर हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कांग्रेस पार्टी हर मोड़ पर रैयत और विस्थापितों के हक और अधिकार के साथ खड़ी है।भव्य स्वागत और नेताओं की मौजूदगी एनटीपीसी की बीजीआर माइंस अंतर्गत बसरिया के बाजार टांड़ में आयोजित इस कार्यक्रम में केरेडारी के रैयत, विस्थापितों और स्थानीय नेताओं ने झारखंड प्रभारी के. राजू, सह-प्रभारी भूपेंद्र मरावी,और पूर्व विधायक अम्बा प्रसाद,योगेंद्र साव ,जिला प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद,मो रियाज का भव्य स्वागत किया और चिरपरिचित स्थानीय उपज गुड भेट किया । इस दौरान झारखंड प्रभारी के. राजू प्रदेश महासचिव सुरजीत नागवाला के निवास स्थान पर भी पहुँचे, जहाँ उन्होंने उनके परिजनों और गाँव के प्रबुद्ध लोगों से मुलाकात कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित ,इस विशेष दौरे पर मुख्य रूप से प्रदेश महासचिव सुरजीत नागवाला, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक देव, कांग्रेस के जिला प्रवक्ता मनोज नारायण भगत, सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कृष्ण किशोर प्रसाद, और इंटक के बीजीआर यूनिट के अध्यक्ष परमेश्वर कुमार उपस्थित रहे।

दिल दहला देने वाला हादसा: चौपारण में मासूम को करंट से बचाने दौड़ा पूरा परिवार, पिता की तड़पकर मौत, 5 लोग झुलसे

ब्रहमोरिया गांव में कुएं के पास लटकते जर्जर तार ने ली जान; चीख-पुकार के बीच एक-एक कर चिपकते चले गए परिजन

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने मुखिया को मृत घोषित किया; एक की हालत नाजुक, हजारीबाग रेफर

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। जिले के चौपारण थाना क्षेत्र के ग्राम ब्रहमोरिया में मंगलवार को एक बेहद मर्मांतक और कलेजा कंपा देने वाला हादसा सामने आया है। यहां एक कुएं के पास लटक रहे बिजली के मौ*त के तार की चपेट में आने से एक पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। अपनी 8 साल की मासूम बच्ची को करंट से छटपटाता देख उसे बचाने दौड़े पिता की मौके पर ही तड़पकर मौ*त हो गई, जबकि परिवार के दो महिलाओं और बुजुर्ग समेत 5 लोग गंभीर रूप से झुलस गए। इस हादसे के बाद पूरे ब्रहमोरिया गांव में कोहराम मच गया है और परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन है।

तड़पती बच्ची को बचाने के फेर में हुआ सामूहिक हादसा

मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार को ब्रहमोरिया निवासी नरेश भुइया की 8 वर्षीय पुत्री ईशा कुमारी घर के पास ही स्थित कुएं की तरफ गई थी। इसी दौरान कुएं के पास लटक रहे बिजली के एक नंगे और जर्जर तार की चपेट में वह आ गई और जोर-जोर से चीखने लगी। अपनी लाडली की आवाज सुनकर घर के लोग बदहवास होकर उसे बचाने के लिए कुएं की तरफ दौड़े। लेकिन करंट का प्रवाह इतना तेज था कि बच्ची को छूते ही उसे बचाने की कोशिश में लगे परिजन भी एक-एक कर करंट की चपेट में आकर झुलसने और चिपकने लगे।

मासूम को तो बचा लिया, पर खुद जिंदगी की जंग हार गए पिता

आस-पास के ग्रामीणों ने जब यह खौफनाक मंजर देखा, तो तुरंत सूखी लकड़ियों और सूझबूझ की मदद से किसी तरह बिजली का संपर्क काटा और सभी को करंट के चंगुल से छुड़ाया। ग्रामीण आनन-फानन में सभी घायलों को लेकर चौपारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। अस्पताल लाते ही डॉक्टरों ने कड़ाई से जांच की और 48 वर्षीय नरेश भुइया (पिता- भुनेश्वर भुइया) को मृत घोषित कर दिया। पिता ने अपनी जान पर खेलकर अपनी बच्ची को तो मौत के मुंह से खींच निकाला, लेकिन खुद जिंदगी की जंग हार गए।

अस्पताल में मची अफरा-तफरी, एक की हालत नाजुक

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में घायलों के पहुंचते ही डॉक्टरों की विशेष टीम एक्टिव हो गई। डॉ. डीएन ठाकुर, डॉ. पुष्पा कुमारी और डॉ. मनोज गुप्ता की देखरेख में सभी घायलों का युद्धस्तर पर प्राथमिक उपचार शुरू किया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, घायलों में से एक की स्थिति बेहद नाजुक और चिंताजनक बनी हुई थी, जिसे बेहतर इलाज और वेंटिलेटर सपोर्ट के लिए तुरंत हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

ब्लड मैन निर्मल जैन ने रक्तदान हेतु नए वाहन की मांग की

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, हजारीबाग के ब्लड बैंक के लिए वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्लड मैन निर्मल जैन ने रक्त संग्रह करने हेतु नए वाहन की मांग की, जिसमें वहान के अंदर ही रक्त संग्रह करने वाले डोनर कोच एवं कलेक्शन बॉक्स लगे रहते हैं। इस प्रकार की वाहन से पूर्व में रक्त संग्रह होता था। पर 2 साल से वह वाहन पूर्ण रूप से कंडम हो चुके हैं, जिससे कई जगह रक्तदान शिविर लगाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। आज भी दारू में रिश्ता संस्था द्वारा लगाए जाने वाले रक्तदान शिविर में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। शिविर का उद्घाटन स्थानीय विधायक प्रदीप प्रसाद ने किया था। बातचीत के क्रम में उन्होंने समस्या को समझते हुए समाधान करने का आश्वासन दिया। एसोसिएशन द्वारा उन्हें एक पत्र भी दिया गया । श्री जैन ने कहा कि नए वाहन के आने से शिवर लगाने में काफी मदद मिलेगी।

डीएवी पब्लिक स्कूल बरही में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बरही। डीएवी पब्लिक स्कूल बरही में सोमवार को अनुमंडलीय अस्पताल बरही की चिकित्सकीय टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यालय के विद्यार्थियों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श दिए गए। चिकित्सकों ने विद्यार्थियों की ऊँचाई, वजन, दृष्टि, दंत स्वास्थ्य एवं सामान्य शारीरिक स्वास्थ्य की जांच की। साथ ही उन्हें संतुलित आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता, नियमित व्यायाम तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्य पुष्पा कुमार झा ने अनुमंडलीय अस्पताल की चिकित्सकीय टीम का स्वागत करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए नियमित स्वास्थ्य परीक्षण अत्यंत आवश्यक है। ऐसे शिविर विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ संभावित स्वास्थ्य समस्याओं की समय रहते पहचान करने में भी सहायक सिद्ध होते हैं। विद्यालय परिवार ने चिकित्सा दल के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की। शिविर का सफलतापूर्वक संचालन विद्यालय प्रशासन एवं चिकित्सकीय टीम के सहयोग से संपन्न हुआ। अंत में विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा नियमित स्वास्थ्य जांच कराने का संदेश दिया गया। मौके पर डॉ. मेराजुल इस्लाम समेत अस्पतालकर्मी मौजूद थे।

अनाथ भाई-बहन की आंसुओं में बही जिंदगी: हजारीबाग में बारिश से गिरा इकलौता आशियाना, दाने-दाने को तरस रहा भाई-बहन

माता-पिता की दर्दनाक मौत के बाद टूटी दुखों का पहाड़; फुसरी गांव में बर्तन मांजकर पेट पालने को मजबूर हुई बहन

सरकारी लाभ तो दूर, पहचान तक नहीं बिना आधार कार्ड के दर-दर भटक रहे मासूम; ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से लगाई मदद की गुहार

ललन कुमार/ उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड सरकार जहां एक तरफ समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और जन-कल्याणकारी योजनाएं पहुंचाने का दावा करती है, वहीं हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड अंतर्गत फुसरी गांव से आई यह झकझोर देने वाली कहानी प्रशासनिक दावों की पोल खोलने के लिए काफी है। यहां एक अनाथ और बेहद गरीब परिवार पर कुदरत और सिस्टम का ऐसा कहर टूटा है कि वे अब दाने-दाने को तरस रहे हैं। पहले माता-पिता का साया सिर से उठा, फिर पढ़ाई छूटी, और अब हालिया मूसलाधार बारिश ने उनके सिर से इकलौती छत (मिट्टी का घर) भी छीन ली। आज यह स्थिति है कि ये भाई-बहन दूसरों के घरों में शरण लेने और एक वक्त भूखे पेट सोने को मजबूर हैं।

हादसों में उजड़ गया हंसता-खेलता परिवार, छूटी पढ़ाई

पीड़ित युवा सुनील तिर्की ने रुंधे गले से अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि उनकी जिंदगी में दुखों का सिलसिला साल 2023 से शुरू हुआ, जब उनकी मां का एक सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गयी। अभी इस सदमे से परिवार उबरा भी नहीं था कि कुछ समय बाद उनके पिता की भी आग में जलकर मौत हो गई। माता-पिता की असमय मौत के बाद सुनील और उनके भाई-बहन के सिर से सुरक्षा का कवच हमेशा के लिए छिन गया। तंगहाली के कारण सुनील को अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी। सुनील ने बताया, ₹यही एक मिट्टी का घर था, जिसके सहारे हम जी रहे थे, वह भी इस बारिश में ढह गया। मेरा एक भाई बाहर मजदूरी करने गया है और हम जैसे-तैसे जिंदगी काट रहे हैं। आज तक हमें किसी सरकारी योजना का कोई लाभ नहीं मिला।

गाँव में बर्तन मांजकर पेट पाल रही बहन, पहचान पत्र तक नहीं

सुनील की बहन सुमन तिर्की की दास्तां और भी ज्यादा मर्मस्पर्शी है। सुमन ने बताया कि उनके घर की स्थिति बचपन से ही बहुत खराब थी। माता-पिता की मौत के बाद अब वह गाँव में दूसरों के घरों में बर्तन मांजकर और चौका-बर्तन करके किसी तरह अपने भाई का पेट पाल रही हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस डिजिटल युग में भी इस बेहद जरूरतमंद परिवार के पास अपनी नागरिकता और पहचान का कोई जरिया नहीं है। सुमन ने रोते हुए कहा, हम लोगों का तो आधार कार्ड तक नहीं बना है न मेरा, न मेरे छोटे भाई का। लोग आते हैं, ढाढस बंधाते हैं कि घर बना देंगे, मदद करेंगे, लेकिन कोई कुछ नहीं करता। हम बस इतना चाहते हैं कि सरकार हमें रहने के लिए एक घर दे दे और जीने के लिए कोई छोटा-मोटा रोजगार मुहैया करा दे।

डीएवी पब्लिक स्कूल बरही में कोबरा 203 बटालियन के उप कमांडेंट का हुआ सम्मान

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बरही। डीएवी पब्लिक स्कूल बरही में सोमवार को कोबरा 203 बटालियन के उप कमांडेंट आरिफ खान के आगमन पर उनका स्वागत एवं सम्मान किया गया। विद्यालय के प्राचार्य पुष्पा कुमार झा ने उन्हें पर्यावरण संरक्षण एवं हरित जीवन का संदेश देते हुए स्मृति-चिह्न स्वरूप एक पौधा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्राचार्य पुष्प कुमार झा ने कहा कि देश की सुरक्षा में सशस्त्र बलों का योगदान अतुलनीय है। ऐसे वीर अधिकारियों का विद्यालय आगमन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक होता है तथा उनमें राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सेवा-भाव की भावना को सुदृढ़ करता है।उप कमांडेंट आरिफ खान ने विद्यालय परिवार द्वारा किए गए आत्मीय स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया तथा विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और राष्ट्रसेवा के प्रति सदैव समर्पित रहने का संदेश दिया। विद्यालय के शिक्षकगण एवं अन्य स्टाफ सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

राष्ट्र निर्माण, अखंडता और शिक्षा के अग्रदूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

धनबाद। भारतीय जनता पार्टी द्वारा बरटांड़ मंडल अध्यक्ष हुल्लास दास की अध्यक्षता में,आज भारतीय जनसंघ के संस्थापक, महान शिक्षाविद् एवं प्रखर राष्ट्रवादी श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर सिटी सेंटर चौक स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक श्री राज सिन्हा तथा भाजपा धनबाद महानगर के प्रभारी श्री संजीव विजयवर्गीय उपस्थित रहे। दोनों नेताओं ने डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने भी पुष्प अर्पित कर राष्ट्रनिर्माण में डॉ. मुखर्जी के अतुलनीय योगदान को स्मरण किया।

इस अवसर पर विधायक राज सिन्हा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सशक्त प्रहरी थे। उन्होंने मात्र 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति बनकर शिक्षा जगत में नई मिसाल कायम की। उन्होंने कहा कि एक देश में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान नहीं चलेंगेश का उनका उद्घोष आज भी राष्ट्र की एकता का प्रेरणास्रोत है। जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए दिया गया उनका सर्वोच्च बलिदान सदैव देशवासियों को राष्ट्रहित सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता रहेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में धारा 370 हटाकर डॉ. मुखर्जी के सपनों को साकार करने का ऐतिहासिक कार्य किया गया, जिससे देश की एकता और अधिक सुदृढ़ हुई। भाजपा धनबाद महानगर के प्रभारी संजीव विजयवर्गीय ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, शिक्षा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को डॉ. मुखर्जी के विचारों, राष्ट्र प्रथम की भावना और उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। भारतीय जनता पार्टी उनके बताए मार्ग पर चलते हुए राष्ट्रहित, सुशासन और अंत्योदय के संकल्प को निरंतर आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए समर्पण, त्याग और राष्ट्रभक्ति का आदर्श है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों पर चलने तथा राष्ट्र निर्माण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के उपरांत विधायक राज सिन्हा एवं भाजपा महानगर प्रभारी संजीव विजयवर्गीय ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजीव अग्रवाल, जिला महामंत्री मानस प्रसून, रूपेश सिन्हा, रुमकी गुप्ता, मौसम सिंह ,पुरुषोत्तम रंजन,मंडल अध्यक्ष राजाराम दत्ता, रंजय सिंह, मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा, सुप्रभात सिन्हा, शिवेंद्र सिंह, मनीष पांडेय, गीता सिंह,निर्मल प्रधान, टुन्ना सिंह, अप्पू सिंह, श्रवण झा, उमेश सिंह, राणा सिंह,अनिल खेमका, नीरज सिन्हा ,अमित सिंह ,शंभू सिंह,वरिष्ठ पदाधिकारी,

एक नजर

9.31 करोड़ की लागत से काला पत्थर में बनेगा आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, विधायक श्वेता सिंह ने किया शिलान्यास

बोकारो। बोकारो विधानसभा क्षेत्र के चास प्रखंड अंतर्गत काला पत्थर में खेल प्रतिभाओं को नई उड़ान देने की दिशा में सोमवार को एक बड़ी पहल हुई। बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) फंड से बनने वाले आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास किया। इस परियोजना से क्षेत्र के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी। विधायक ने बताया कि परियोजना के प्रथम चरण में लगभग 2.5 एकड़ भूमि पर 9.31 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक इनडोर स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। इसमें बास्केटबॉल, बैडमिंटन सहित विभिन्न इनडोर खेलों की आधुनिक सुविधाओं के साथ स्विमिंग पूल, मेडिटेशन सेंटर, कैफेटेरिया तथा खिलाड़ियों के प्रशिक्षण एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में आधुनिक आउटडोर स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी अपने ही जिले में कर सकेंगे। इससे खेल प्रतिभाओं को निखारने के साथ युवाओं को सकारात्मक दिशा भी मिलेगी। विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि युवाओं को बेहतर खेल संसाधन उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बोकारो में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ नई प्रतिभाओं को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। शिलान्यास कार्यक्रम में उपस्थित स्थानीय जनप्रतिनिधियों, खिलाड़ियों और नागरिकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के खेल विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प, भाजपा ने मनाई 125वीं जयंती

बोकारो। भारतीय जनता पार्टी बोकारो नगर की ओर से भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक एवं महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। सेक्टर-1/बी स्थित सूर्य सरोवर में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा नगर अध्यक्ष विशाल गौतम ने की। इस दौरान नेताओं और कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। नगर अध्यक्ष विशाल गौतम ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, अखंड भारत और जनसेवा का प्रेरणास्रोत है। देश की एकता और अखंडता के लिए उनका बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं। कार्यक्रम में निवर्तमान विधायक बिरंची नारायण ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रनिर्माण में योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके विचार आज भी देश को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। इस दौरान नगर महामंत्री अमित कुमार, लालबाबू सिंह, राज रंजन, मनोज झा, बबलू पांडेय, युवा मोर्चा महामंत्री लालबाबू कुमार, ज्ञानचंद साहू, रहा कुमार, कुश कुमार, राकेश कुमार, शंकर त्रिपाठी, दयानंद त्रिपाठी, अतुल सिंह, लक्ष्य कुमार समेत भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे.

वर्षों से फरार 9 वारंटी दबोचे, 100 एनबीडब्ल्यू और कुर्की वारंट का भी निष्पादन

बोकारो। अपराध और फरार आरोपियों के खिलाफ बोकारो पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शनिवार रात विशेष समकालीन अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीमों ने जिलेभर में छापेमारी कर पिछले सात से पांच वर्षों से फरार चल रहे 09 वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अभियान के दौरान चतरोचट्टी, पेटरवार, ललपनिया, कसमार, जरीडीह, पेंकनारायणपुर, चंद्रपुरा और चास मुफस्सिल थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। जरीडीह थाना से दो तथा अन्य सात थाना क्षेत्रों से एक-एक वारंटी की गिरफ्तारी हुई। इतना ही नहीं, पुलिस ने जिले के विभिन्न थाना एवं ओपी में लंबित 100 गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) का भी निष्पादन कराया। साथ ही एक कुर्की वारंट का भी सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया। बोकारो पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों और फरार वारंटियों के खिलाफ ऐसे विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि जिले में कानून-व्यवस्था मजबूत रहे और अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

चिरागोड़ा में बहेगी भक्ति की गंगा: 8 जुलाई से श्रीमद्भागवत सप्ताह, प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव और भव्य भगवती जागरण

धनबाद। जागृत मंदिर, चिरागोड़ा के तृतीय स्थापना वर्षगांठ के अवसर पर 7 दिवसीय श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ एवं प्राण-प्रतिष्ठा तृतीय वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन 8 जुलाई 2026 से 16 जुलाई 2026 तक किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल एवं भव्य बनाने को लेकर भगवती जागृत मंदिर समिति की सोमवार को बैठक हुई जिसमें सारी तैयारियों की समीक्षा की गई .बैठक में कार्यक्रम को भव्य बनाने पर विशेष जोर दिया गया। समिति के सचिव राजेश सिन्हा ने बताया कि 8 जुलाई, बुधवार को प्रातः 6:30 बजे मंदिर परिसर से भव्य कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके पश्चात दोपहर 3 बजे से वृंदावन के प्रसिद्ध संत उज्ज्वल शांडिल्य महाराज द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ होगा। कथा का वाचन 14 जुलाई तक प्रतिदिन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 13 जुलाई से 15 जुलाई तक मंदिर में वार्षिकोत्सव एवं प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न होंगे। वहीं 15 जुलाई को पूर्णाहुति के उपरांत रात्रि 8 बजे से भव्य भगवती जागरण एवं आकर्षक धार्मिक झांकियों की प्रस्तुति श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी।

विस्थापित परिवारों के छात्र-छात्राओं को मिलेगी बिरसा मुंडा छात्रवृत्ति, 20 जुलाई अंतिम तिथि

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा विस्थापित परिवारों के मेधावी विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक सत्र 2026-28 हेतु बिरसा मुंडा छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह छात्रवृत्ति उन विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है जिन्होंने वर्ष 2026 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की है तथा शैक्षणिक सत्र 2026-28 में किसी मान्यता प्राप्त महाविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय में +2 पाठ्यक्रम/इंटरमीडिएट में नामांकन प्राप्त किया है। योजना के अंतर्गत +2 पाठ्यक्रम/इंटरमीडिएट के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को ?500 प्रति माह तथा द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को ?750 प्रति माह की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। यह सुविधा अधिकतम दो वर्षों तक देय होगी। छात्रवृत्ति का चयन पूर्णतः योग्यता (मेरिट) के आधार पर किया जाएगा तथा कुल 25 विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलेगा। यह योजना केवल विस्थापित परिवारों के वैध/ सौतेले संतानों के लिए लागू होगी। साथ ही, ऐसे छात्र जिन्होंने शैक्षणिक सत्र 2026-28 से पूर्व किसी अन्य सत्र में इस पाठ्यक्रम में नामांकन लिया है, वे इस योजना के पात्र नहीं होंगे। चयनित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की राशि सीधे उनके बैंक खाते में ऑनलाइन माध्यम से हस्तांतरित की जाएगी। आवेदन के साथ आधार कार्ड एवं पैन कार्ड की प्रति (विद्यार्थी एवं अभिभावक दोनों की), डीपीएलआर द्वारा निर्गत एवं स्व-अभिप्रमाणित विस्थापन प्रमाण पत्र, मैट्रिक परीक्षा की अंकपत्र तथा निरस्त चेक अथवा बैंक पासबुक के प्रथम पृष्ठ की छायाप्रति संलग्न करना आवश्यक होगा। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रपत्र में अपना आवेदन बीएसएल के एच आर (एल एंड डी) विभाग, कक्ष संख्या-01 में 20 जुलाई 2026 तक जमा करना होगा।

गुरुदेव को याद कर चिन्मय विद्यालय बोकारो से रवाना हुई चिन्मय अमृत यात्रा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

- चिन्मय विद्यालय बोकारो परिवार ने अमृत यात्रा वाहिनी को दिखाई हरी झंडी
- गुरुदेव के उपदेशों को आत्मसात करने की जरूरत : महेश त्रिपाठी
- जमशेदपुर के लिए रवाना हुई चिन्मय अमृत यात्रा

बोकारो। दो दिवसीय चिन्मय अमृत यात्रा का समापन पिछले दिनों हुआ। यात्रा वाहिनी को चिन्मय विद्यालय बोकारो से चिन्मय मिशन चास और आगे जमशेदपुर के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, विद्यालय के अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार और उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा उपस्थित रहे। परम पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती का जयकारा लगाकर अमृत यात्रा वाहिनी को विदाई दी गई। चिन्मय अमृत यात्रा वाहिनी को रवाना करने से पहले विद्यालय परिवार के प्रबंधन सदस्य एवं शिक्षकों ने गुरुदेव के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद लिया। सभी ने गुरुदेव की पादुका के सामने नतमस्तक किया और उनको याद करते हुए सभी की आंखें नम नजर आई। इस दौरान विद्यालय एनसी मिश्रा, पुनित दोशी, सुप्रिया चौधरी, संजय चक्रवर्ती, एसएन झा, संजीव कुमार, रणवीजय ओझा, रजनीश चौधरी, आदर्श आचार्या, रविशंकर एवं सागर कुमहार मौजूद रहे। इस मौके पर सचिव महेश त्रिपाठी ने कहा कि गुरुदेव को याद करना और उनके आदर्श जीवन के बारे में इतने करीब से जानना खुद में एक अविस्मरणीय अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि अमृत यात्रा केवल एक यात्रा नहीं है, बल्कि ये गुरुदेव के उपदेशों की बहती हुई गंगा है, जो पूरे भारत में लगातार बह रही है। उन्होंने गुरुदेव को याद करते हुए कहा कि उनके उपदेशों को आत्मसात करने की जरूरत सभी को है। खासतौर से विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर अपनी संस्कृति और अपने इतिहास का सम्मान करना चाहिए। प्रिंसिपल सूरज शर्मा ने कहा कि यह पल हम सभी के लिए बहुत ही यादगार और भावुक पल है। चिन्मय अमृत यात्रा पूरे बोकारो परिवार में ऊर्जा का संचार कर गया है। चिन्मय अमृत यात्रा चिन्मय विद्यालय बोकारो से चिन्मय मिशन चास के लिए रवाना की गई। यहां गुरुदेव की पादुका के दर्शन के बाद यात्रा जमशेदपुर के लिए रवाना की गई। अमृत यात्रा के साथ चिन्मय युवा केंद्र के ब्रह्मचारी सुधीर चैतन्य और तारिणी चैतन्य मौजूद रहे। साथ ही, युवा वीरों में श्रीविद्या, अनन्या अग्रवाल, आर्या, सुमुख, मोहित शर्मा और रतेश भी मौजूद रहे।

चिन्मय विद्यालय बोकारो पहुंची राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की पुस्तक परिक्रमा

- विद्यार्थियों ने विस्तार से जाना अंग्रेजी, हिन्दी एवं उर्दू साहित्य के बारे में
- प्रमुख लेखकों की प्रसिद्ध रचनाओं से रूबरू हुए चिन्मय विद्यालय बोकारो के विद्यार्थी
- बुद्धि एवं विवेक के विस्तार के लिए सबसे उपयोगी पुस्तकें : महेश त्रिपाठी

बोकारो । भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) द्वारा संचालित 'बिहारझझारखंड पुस्तक परिक्रमा' के अंतर्गत 'लाइब्रेरी ऑन व्हील्स मोबाइल पुस्तक प्रदर्शनी जारी है। ये बसें विभिन्न राज्यों और जिलों में यात्रा करके मोबाइल पुस्तक प्रदर्शनियों का आयोजन करती हैं, जिससे स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर सीधे तौर पर पढ़ने की आदत को बढ़ावा मिलता है। इसे पुस्तक परिक्रमा के नाम से भी जाना जाता है। सोमवार को ये खास बस चिन्मय विद्यालय बोकारो पहुंची। यहां कक्षा छठी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने इस पुस्तक प्रदर्शनी को देखा और अपने रुचि के अनुसार किताबें खरीदी। बस का उद्घाटन फीता काटकर विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी ने किया। इस दौरान वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार एवं उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा मौजूद रहे। साथ ही, विद्यालय पुस्तकालय विभाग के पंकज कुमार मिश्रा और आशुतोष कुमार चौबे भी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने कतारबद्ध होकर बस का भ्रमण किया। उनकी रुचि के अनुसार अलग - अलग वर्ग एवं श्रेणी के पुस्तक प्रदर्शित किए गए। इस लाइब्रेरी ऑन व्हील्स में विषयों के अनुसार, जैसे इतिहास, भूगोल, सामाजिक शास्त्र, साहित्य के अनुसार, जैसे अंग्रेजी, उर्दू एवं हिन्दी, काल्पनिक पुस्तकें, नॉन-फिक्शन पुस्तकें, आदि कई विभिन्न प्रकार की पुस्तकें प्रदर्शित की गई। भ्रमण के दौरान कई विद्यार्थियों ने पुस्तकें खरीदी भी और अपने साथियों एवं परिवार को भी इसके लिए प्रेरित करने की बात कही। सचिव महेश त्रिपाठी ने कहा कि पुस्तक विद्यार्थी जीवन का मूल आधार होता है। विभिन्न विषयों के किताब पढ़ने से केवल ज्ञान वृद्धि नहीं होती, बल्कि बुद्धि, समझ एवं दृष्टिकोण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को इसका भ्रमण करने के लिए एवं किताबें खरीदने और पढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी जीवन के सच्चे साथी किताब ही होते हैं। पुस्तकें ही भविष्य संवारती हैं। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों की उत्सुकता एवं किताबों के प्रति रुचि को देखते हुए इस लाइब्रेरी ऑन व्हील्स को मंगलवार, 7 जुलाई को भी चिन्मय विद्यालय बोकारो में लगाने का निर्णय लिया गया।

सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ डाड़ी ने एसआईआर के तहत

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

- बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों का किया निरीक्षण

गिद्दी। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी डाड़ी ने एसआईआर के तहत बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया। एसआईआर 2026 के निमित बीएलओ द्वारा घर घर जाकर संबंधित मतदाताओं का गणना प्रपत्र का वितरण एवं उक्त प्रपत्र में संबंधित मतदाता का दो पासपोर्ट साइज का फोटो, प्रपत्र में वांछित सूचना, मतदाता का और अभिभावक का हस्ताक्षर लेकर कार्य का प्रगति किया जा रहा है।इसी के तहत डाड़ी प्रखंड अंतर्गत सभी पात्र मतदाताओं से अनुरोध है कि वे अपने अपने गणना प्रपत्र भरवाकर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन में सहयोग प्रदान करने की बात कही गई है। निर्वाचन शाखा प्रखंड डाड़ी द्वारा जारी अपील के तहत बीएलओ द्वारा कार्यों का निरीक्षण मतदान केंद्रवार सोमवार को सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी अनुप्रिया द्वारा किया गया।

तरुण संघ द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

टुंडी। तरुण संघ के तत्वावधान में रविवार को महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, स्वतंत्र भारत के प्रथम उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री तथा जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती श्रद्धा, सम्मान एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। उपस्थित लोगों ने उनके व्यक्तित्व, कृतित्व एवं राष्ट्र निर्माण में दिए गए अमूल्य योगदान को स्मरण करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्य रूप से मुखिया रेखा देवी, समाजसेवी गौतम झा, तरुण संघ के अध्यक्ष नव कुमार श्रीजेश, विकास मरांडी सहित संघ के अन्य सदस्य एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने शिक्षा, राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय एकता तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उनके विचार आज भी समाज और देश के लिए उतने ही प्रासंगिक हैं तथा नई पीढ़ी को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। वक्ताओं ने युवाओं से आह्वान किया कि वे डॉ. मुखर्जी के आदर्शों, राष्ट्रभक्ति, ईमानदारी और सेवा-भाव को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा समाज के सर्वांगीण विकास और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय एवं सकारात्मक भूमिका निभाएं। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित लोगों द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों पर चलने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज सेवा का संकल्प लेने के साथ हुआ।

निरसा विधायक अरूप चटर्जी को मिली जान से मारने की धमकी के विरोध में भाकपा माले की बैठक, सात जुलाई को होगा राज्यव्यापी प्रतिवाद

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

एग्यारकुंड। निरसा के भाकपा माले विधायक अरूप चटर्जी को कथित रूप से जान से मारने की धमकी मिलने के विरोध में भाकपा माले एग्यारकुंड प्रखंड कमेटी की बैठक सोमवार को मुगमा स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता एवं संचालन प्रखंड सचिव कॉमरेड बादल चन्द्र बाउरी ने किया।बैठक को संबोधित करते हुए माले नेता नागेन्द्र कुमार ने कहा कि निरसा ओवरब्रिज निर्माण की गुणवत्ता तथा स्थानीय लोगों को रोजगार दिलाने के मुद्दे पर विधायक के हस्तक्षेप के बाद उत्पन्न राजनीतिक विवाद के बीच विधायक को गैंगस्टर प्रिंस खान द्वारा कथित रूप से जान से मारने की धमकी दी गई है। उन्होंने कहा कि भाकपा माले इस प्रकार की धमकियों से डरने वाली नहीं है और लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब देगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि सात जुलाई को पूरे झारखंड में राज्यव्यापी प्रतिवाद दिवस मनाया जाएगा। इसके तहत प्रखंड एवं अंचल कार्यालयों पर धरना-प्रदर्शन कर झारखंड पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) के नाम ज्ञापन सौंपते हुए मामले में दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की जाएगी। बैठक में प्रखंड सचिव बादल चन्द्र बाउरी, नागेन्द्र कुमार, पी.एल. मुर्मू, विनय सिंह, जितेंद्र शर्मा, अंजू चटर्जी, सत्येंद्र चौहान, सोहन किस्कू, सुरेश मरांडी, मोतीलाल छेत्री, राजेंद्र यादव, नवीन अंबस्ट, सुभाष मोची, राजकुमार सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वामी वी. आई. इंटरप्राइजेज के लिए प्रकाशक मानवेन्द्र कुमार सिंह एवं मुद्रक एस. एच. प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, कांटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, रातू, रांची -835222 द्वारा झारखंड से मुद्रित एवं एसटी-663/664, न्यू एसटी चौक, धुर्वा, रांची से प्रकाशित, संपादकः मानवेन्द्र कुमार सिंह (खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) : फोन नं. 8709022665, PRGI N0. - JHAHIN/2014/59794

पलटनगंज व बांसकोला आर एंड आर कॉलोनियों की समीक्षा, नवंबर तक ड्रेनेज कार्य पूरा करने का निर्देश

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंजः उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में पलटनगंज एवं बांसकोला पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (आर एंड आर) कॉलोनियों में आधारभूत सुविधाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जहां इस बैठक में पेयजल, जल निकासी, साफ सफाई, आवास निर्माण तथा जनोपयोगी सुविधाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।

उधर समीक्षा के दौरान पलटनगंज आर एंड आर कॉलोनी में ड्रेनेज निर्माण कार्य की प्रगति पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद मौसम अनुकूल होते ही निर्माण कार्य शुरू किया जाए और नवंबर माह तक हर हाल में पूरा किया जाए। आगे उन्होंने पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जलमीनार, हैंडपंप, बोरिंग एवं घर घर नल कनेक्शन की प्रगति की जानकारी ली तथा पुनर्वासित परिवारों को नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही साथ कॉलोनी की साफ सफाई एवं रखरखाव सुनिश्चित करने को भी कहा। वही बैठक में स्वास्थ्य उपकेंद्र, पशु चिकित्सालय एवं आंगनबाड़ी केंद्र जैसी आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता पर भी चर्चा हुई। जहां उपायुक्त ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को आंगनबाड़ी केंद्र के निर्माण एवं संचालन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने तथा स्वास्थ्य एवं पशुपालन विभाग को निकटवर्ती संस्थानों से सेवाएं टैग कर कॉलोनीवासियों को शीघ्र लाभ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

वही उपायुक्त ने अपर समाहर्ता, आईडब्ल्यूएआई, ग्रामीण विकास विभाग एवं पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के अधिकारियों को संयुक्त रूप से पलटनगंज आर एंड आर कॉलोनी का स्थलीय निरीक्षण कर एक सप्ताह के भीतर कमियों की पहचान करते हुए प्रस्ताव सौंपने का निर्देश दिया।

वही बैठक में बांसकोला में निमार्णाधीन नई आर एंड आर कॉलोनी की भी समीक्षा की गई। जहां उपायुक्त ने आवास निर्माण, बाउंड्री वॉल, जल निकासी सहित सभी आधारभूत संरचनाओं का कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने का निर्देश देते हुए कहा कि पुनर्वासित परिवारों को बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस बैठक में अपर समाहर्ता विजय कुमार, सदर अनुमंडल पदाधिकारी सह जिला भू अर्जन पदाधिकारी अमर जॉन आइंद, कार्यपालक अभियंता ग्रामीण विकास विभाग रामाकांत, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता शशि कुमार सिंह, आईडब्ल्यूएआई के परियोजना प्रभारी अनुपम सिन्हा सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

साहिबगंज नगर परिषद में बवालः अध्यक्ष, उपाध्यक्ष समेत 28 वार्ड पार्षदों ने किया बोर्ड बैठक का बहिष्कार

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंजः नगर परिषद साहिबगंज में सोमवार को बोर्ड बैठक उस समय विवादों में घिर गई, जब नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा सभी 28 वार्ड पार्षदों ने सामूहिक रूप से बैठक का बहिष्कार कर दिया। जहां इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) पर मनमानी, विकास योजनाओं में अनावश्यक अड़ंगा लगाने और जनहित से जुड़े कार्यों की लगातार अनदेखी करने का गंभीर आरोप लगाया। उधर अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों का कहना था कि नगर परिषद में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा की जा रही है। जहां विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में सहयोग करने के बजाय कार्यपालक पदाधिकारी बाधाएं उत्पन्न कर रहे हैं, जिससे शहर के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

वही बैठक का बहिष्कार करते हुए जनप्रतिनिधियों ने कहा कि कई बार समस्याओं से अवगत कराने के बावजूद कार्यशैली में कोई सुधार नहीं हुआ। जहां उनका आरोप है कि महत्वपूर्ण निर्णयों में जनप्रतिनिधियों की राय को नजरअंदाज किया जा रहा है और नगर परिषद का कार्य सुचारु रूप से संचालित नहीं हो पा रहा है। वही सभी पार्षदों ने एक स्वर में कार्यपालक पदाधिकारी के स्थानांतरण की मांग उठाई और कहा कि जब तक नगर परिषद में समन्वयपूर्ण वातावरण नहीं बनेगा, तब तक विकास कार्य प्रभावित होते रहेंगे। वही उन्होंने उच्च अधिकारियों से पूरे मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की।

मॉडल कॉलेज राजमहल में स्नातक सत्र 2026-30 के नामांकन की अंतिम तिथि 8 जुलाई निर्धारित

उज्जवल दुनिया संवाददाता

राजमहलः मॉडल कॉलेज राजमहल में स्नातक (यूजी) सत्र 2026झ्र30 के लिए नामांकन प्रक्रिया जारी है। जहां कॉलेज प्रशासन ने इच्छुक छात्र छात्राओं से अपील किया है कि वे 8 जुलाई 2026 तक अपना अपना नामांकन के लिए आवेदन अनिवार्य रूप से कर लें। वही निर्धारित अंतिम तिथि 8 जुलाई 2026 के बाद नामांकन का अवसर उपलब्ध नहीं होगा। जहां महाविद्यालय में कला, वाणिज्य एवं विज्ञान तीनों संकायों में प्रवेश लिया जा रहा है चूंकि प्रत्येक संकाय में सीटों की संख्या सीमित है, इसलिए योग्य एवं इच्छुक अभ्यर्थियों को अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना शीघ्र नामांकन कराने की सलाह दी गई है। वही महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रंजीत कुमार सिंह ने कहा कि ₹मॉडल कॉलेज राजमहल विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासित शैक्षणिक वातावरण तथा आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। वही जिन छात्र छात्राओं का चयन हो चुका है, वे समय रहते अपना नामांकन सुनिश्चित कर लें। वही अंतिम तिथि 8 जुलाई 2026 के बाद किसी भी परिस्थिति में नामांकन का अवसर नहीं दिया जाएगा इसलिए सभी अभ्यर्थी विलंब न करें और समय रहते अपनी नामांकन प्रक्रिया पूर्ण करें।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से छह वर्षीय बालक की मौत, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंजः जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबाडीह मारीकुट्ठी गांव में सोमवार को ट्रैक्टर की चपेट में आने से छह वर्षीय बालक की दर्दनाक मौत हो गई। जहां मृतक बालक की पहचान अरुण पहाड़िया के पुत्र सूरज पहाड़िया के रूप में हुई है। उधर इस घटना के बाद परिजन बालक के शव को लेकर सदर अस्पताल पहुंचे और मामले की सूचना जिरवाबाड़ी थाना पुलिस को दी। जहां सूचना मिलते ही पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और मृतक बालक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। उधर पोस्टमार्टम की प्रकिया पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। वही इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने खदान और क्रेशर की ओर जाने वाले पहाड़ी मार्ग को बांस बल्ला लगाकर जाम कर दिया। जहां सूचना मिलने पर जिरवाबाड़ी थाना के सब इंस्पेक्टर अजीत लकड़ा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने ग्रामीणों को समझा बुझाकर शांत कराया और जाम हटवाया। वही मृतक बालक के पिता अरुण पहाड़िया ने बताया कि उनका बेटा अन्य बच्चों के साथ घर के पास खेल रहा था।जहां इसी दौरान पत्थर लदा एक ट्रैक्टर पहाड़ी की ओर जा रहा था, जिसकी चपेट में आने से सूरज की मौके पर ही मौत हो गई। वही उन्होंने आरोप लगाया कि हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर लेकर मौके से फरार हो गया। जहां जिरवाबाड़ी पुलिस पूरे मामले की गहराई से छानबीन करने में जुटी हुई है।

साहिबगंज रेल विकास को लेकर मालदा डीआरएम को सौंपा गया 17 सूत्री मांगपत्र

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंजः पूर्व रेलवे के मालदा रेलमंडल अंतर्गत साहिबगंज स्टेशन के आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं के विस्तार को लेकर पूर्व रेलवे के मालदा रेलमंडल को एक विस्तृत मांगपत्र सौंपा गया है।

जहां सौंपे गए दस्तावेज में साहिबगंज जंक्शन से जुड़ी वर्षों पुरानी समस्याओं को 17 बिंदुओं में रखा गया है। जहां मांगपत्र के अनुसार साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर वर्षों से लंबित 24 कोच क्षमता वाले वाशिंग पिट का निर्माण सबसे पहली मांग है। साथ ही साथ प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर यात्री शेड का विस्तार और सीढ़ी तोड़े जाने के बाद बुजुर्गों व महिलाओं को हो रही परेशानी को देखते हुए एस्केलेटर को अविलंब चालू करने की मांग की गई है। वही रेल सुविधाओं को लेकर अन्य प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं।

1. ट्रेनों में सुविधा विस्तार को लेकर 13428/13427 साहिबगंज हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन में एसी चेयर कार और एसी थ्री टियर कोच जोड़ना, जो हावड़ा साहिबगंज के बीच प्रतिदिन चलती है और साहिबगंज से सुबह 05:20 बजे खुलती है। वही रेलयात्रियों की यह वर्षों पुरानी मांग रही है।
2. वही 13404/13403 वनांचल एक्सप्रेस जो भागलपुर से रांची के बीच रोजाना चलती है के ठहराव और कोच संरचना में सुधार
3. 13415/13416 मालदा टाउन पटना एक्सप्रेस का विस्तार बनारस तक करने।
4. 13419/13420 भागलपुर मुजफ्फरपुर जनसेवा एक्सप्रेस का परिचालन साहिबगंज रेलवे स्टेशन से शुरू करने की मांग।
5. वही अन्य ट्रेनें 18186/18187, 13133/13134, 03026/03030 और 22327/22328 जैसी ट्रेनों का साहिबगंज में ठहराव, फरक्का एक्सप्रेस का परिचालन पूर्व की भांति मालदा से करने और साहिबगंज से पटना वाराणसी के लिए सुबह में नई ट्रेन देने की मांग भी पत्र में शामिल है।
6. आधारभूत संरचना में दस्तावेज के बिंदु-1 में साहिबगंज में आरओबी निर्माण, वाशिंग पिट यार्ड और कोच मेंटेनेंस सुविधा के आधुनिकीकरण के मांग का उल्लेख है जिसकी कमी के कारण हाल में एसी कोच लगने के बाद भी मेंटेनेंस में परेशानी आ रही है।

गया हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन में सफर करने के दौरान महिला दरोगा और उनके परिवार वालो से मारपीट, प्राथमिकी दर्ज

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बरहरवाः झारखंड राज्य के साहिबगंज जिले के बरहरवा थाना में पदस्थापित महिला सब इंस्पेक्टर (दारोगा) पूजा कुमारी, उनके पति हरिओम कुमार और उनके छोटे बच्चे के साथ गया हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन में मारपीट करने का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार आरक्षित सीट पर कब्जे को लेकर हुए विवाद के बाद कुछ युवकों ने पहले उनकी सीट पर बैठने का प्रयास किया और विरोध करने पर अपने अन्य साथियों को बुलाकर दंपती और उनके बच्चे के साथ मारपीट की। जहां काफी देर तक बवाल होने के बाद इस मामले में रेल जीआरपी ने संज्ञान में लिया और प्राथमिकी दर्ज कराई है जिसके बाद जांच शुरू कर दी गई है।

क्या है पूरा मामला : दरअसल बरहरवा थाना में अपनी ड्यूटी ज्वाइन करने के लिए गया हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन से लौट रही महिला दरोगा पूजा कुमारी को 6 जुलाई को अपनी ड्यूटी बरहरवा थाना में ज्वाइन करनी थी। इसी कारण वह अपने पति हरिओम कुमार और बच्चे के साथ गया हावड़ा एक्सप्रेस से बरहरवा लौट रही थीं। उनके पति हरिओम कुमार भी झारखंड पुलिस की स्पेशल ब्रांच में सब इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं। जहां पूरे परिवार के पास ट्रेन में यात्रा के लिए विधिवत आरक्षित टिकट भी मौजूद था और वे अपनी निर्धारित सीट पर बैठे हुए थे।

आरक्षित सीट पर जबरन बैठे युवकों से शुरू हुआ विवाद : वही बताया जा रहा है कि नवादा स्टेशन के पास कुछ युवक उनकी आरक्षित सीट पर आकर बैठ गए। जहां इस दौरान जब महिला दरोगा पूजा कुमारी और उनके पति ने युवकों से सीट खाली करने का अनुरोध किया और अपना आरक्षण टिकट दिखाया तो इसे लेकर आरक्षित सीट पर बैठे युवक से कहासुनी शुरू हो गई। जहां थोड़ी देर गहमा गहमी होने के बाद विवाद बढ़ने पर युवकों ने अपने अन्य साथियों को फोन कर बुला लिया और फिर दंपती के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। इस दौरान उनका बच्चा भी उनके साथ मौजूद था। उधर इस घटना के बाद ट्रेन में कुछ समय के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया

रेलवे पुलिस ने नहीं दिखाई गंभीरता, महिला दारोगा के पहचान बताने के बाद हरकत में आई पुलिस

उधर महिला दरोगा पूजा कुमारी ने आरोप लगाया कि घटना की जानकारी तत्काल आरपीएफ और जीआरपी को दी गई लेकिन शुरूआत में पुलिसकर्मियों ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया और टालमटोल करते रहे। आगे उन्होंने बताया कि जब उन्होंने और उनके पति ने अपना परिचय झारखंड पुलिस में सब इंस्पेक्टर के रूप में दिया तब जाकर आरपीएफ और जीआरपी के अधिकारी सक्रिय हुए और मामले में हस्तक्षेप किया गया है।

इंजन के सामने खड़ी हुई महिला दरोगा

उधर घटना से आक्रोशित महिला दरोगा पूजा कुमारी विरोध जताने के लिए काशीचक स्टेशन पर ट्रेन के इंजन के सामने खड़ी हो गईं। जहां उनके विरोध के कारण गया हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन करीब एक घंटे तक स्टेशन पर रुकी रही इसके बाद रेलवे पुलिस और अन्य अधिकारियों ने उन्हें कार्रवाई का आश्वासन दिया तब जाकर ट्रेन को आगे गंतव्य स्थान के लिए रवाना किया गया। उधर इस घटना के कारण रेलयात्रियों को भी काफी देर तक इंतजार करना पड़ा।।

स्थानीय लोगों से मिली आरोपी की पहचानः

वही महिला दरोगा पूजा कुमारी ने बताया कि घटना के बाद स्थानीय परिचित लोगों से जानकारी लेने पर उन्हें विमलेश कुमार नामक युवक का नाम पता चला। जहां उसी ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया था। वही बताया जा रहा है कि आरोपी काशीचक क्षेत्र का रहने वाला है। जहां महिला दरोगा ने अपनी शिकायत में उसका नाम भी दर्ज कराया है। फिलहाल रेल पुलिस पूरे मामले की जाँच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

दो किलो अवैध गांजा के साथ आरोपी युवक हुआ गिरफ्तार, नगर पुलिस ने भेजा जेल

साहिबगंजः नगर थाना क्षेत्र की पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खरीद बिक्री करने के मामले में सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को करीब दो किलोग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। जहां गिरफ्तार आरोपी युवक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के रसूलपुर दहला निवासी कारू दास के रूप में हुई है। उधर पुलिस के अनुसार नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता को गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक अवैध गांजा लेकर पश्चिमी फाटक की ओर जा रहा है। जहां सूचना के सत्यापन के लिए नगर थाना क्षेत्र की पुलिस और टाइगर मोबाइल की टीम ने तत्काल इलाके में घेराबंदी की।इसी दौरान संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगा और अपने पास रखा झोला फेंक दिया। जहां पुलिसकर्मियों ने पीछाकर उसे मौके पर से दबोच लिया। उधर जब युवक के द्वारा फेंके गए झोले की तलाशी ली गई तो उसमें लगभग दो किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। जहां पूछताछ में आरोपी युवक ने अपनी पहचान कारू दास के रूप में बताई। वही पुलिस ने बरामद गांजा को जब्त कर लिया है तथा आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे जेल भेज दिया। फिलहाल नगर थाना क्षेत्र की पुलिस पूरे मामले में गहराई से जांच कर रही है।

31 जुलाई को अनंत कुमार सरस्वती सदन पुस्तकालय परिसर में मनाई जाएगी मुंशी प्रेमचंद की जयंती

साहिबगंजः हिंदी साहित्य के महान साहित्यकार एवं उपन्यासकार सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर आगामी 31 जुलाई 2026 दिन शुक्रवार को शाम 5 बजे महाजन पट्टी स्थित अनंत कुमार सरस्वती सदन (पुस्तकालय परिसर) में भव्य जयंती समारोह का आयोजन किया जाएगा। जहां कार्यक्रम के दौरान ₹प्रेमचंद की रचनाओं में मानवीय संवेदनाएं₹ विषय पर एक विचार गोष्ठी आयोजित की जाएगी, जिसमें साहित्यकार, शिक्षाविद, छात्र छात्राएं तथा साहित्य प्रेमी भाग लेकर प्रेमचंद के साहित्य और उनके सामाजिक योगदान पर अपने विचार साझा करेंगे। वही कार्यक्रम को लेकर आयोजकों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी को मुंशी प्रेमचंद के साहित्य, उनके आदर्शों और मानवीय मूल्यों से परिचित कराना है। वही कार्यक्रम में क्षेत्र के साहित्यकारों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रहेगी।

जहां अनंत कुमार सरस्वती सदन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार एवं कार्यक्रम संयोजक राजेश चिरानिया ने सभी साहित्य प्रेमियों, बुद्धिजीवियों और आम नागरिकों से समारोह में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

आदर्श हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपी ने न्यायालय में किया आत्मसमर्पण, दिनभर रही पुलिस की गहमागहमी

साहिबगंजः शहर के बंगाली टोला तिलकधारी कुंआ के समीप बीते दिनों हुए चर्चित आदर्श हत्याकांड मामले में सोमवार को घटनाक्रम के पांचवें दिन नया मोड़ सामने आया। जहां हत्याकांड के मुख्य आरोपी अंशु कुमार सिंहा ने सोमवार को न्यायालय में अपना आत्मसमर्पण कर दिया है। उधर मुख्य आरोपी युवक के आत्मसमर्पण करने की संभावना को देखते हुए दिनभर न्यायालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस की गतिविधियां काफी तेज रहीं जहां पुलिस की टीम पूरे घटनाक्रम पर नजर रख रही थी। मिली जानकारी के अनुसार आदर्श हत्याकांड मामले में अब तक 8 नामजद आरोपियों में से अधिकांश न्यायिक हिरासत में भेजे जा चुके हैं हालांकि अभी भी 2 आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहे हैं। जहां फरार चल रहे अन्य दो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों सहित संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। जहां जांच की गति को आगे बढ़ाने के लिए पुलिस तकनीकी साक्ष्यों और अन्य उपलब्ध जानकारियों का भी विश्लेषण कर रही है। वहीं, गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है। उधर पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल किसी भी आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा और सभी के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। उधर इस मामले में में नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि आदर्श हत्याकांड मामले के लगभग सभी नामजद आरोपी जेल की सलाखों के पीछे हैं। वही शेष फरार चल रहे दो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी पुलिस की टीम लगातार छापेमारी की कर रही है जिसे बहुत जल्द गिरफ्तार करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया जाएगा।

संपादकीय

शिक्षा की मेरिट नवरचना

कहां तो सीबीएसई स्कूलों के बहाने शिक्षा और शिक्षण की नई परंपराओं की नींव रखी गई और कहां अब रसूख और सुलूक प्रभावशाली रहे। करीब डेढ़ सौ सीबीएसई स्कूलों को जिस शक्ति, बदलाव, ऊर्जा और प्रतिबद्धता की जरूरत है, उसके लिए अध्यापकों की परीक्षा हुई और मेरिट ने शिक्षा की नवरचना को नए संकेत दिए, लेकिन परंपरा बनने से पहले टूटी और हाल यह कि सीबीएसई स्कूलों में भी वही पुराना ढर्रा लौटने लगा है। यानी कैबिनेट सब-कमेटी ने भी शिक्षक नियुक्तियों की मेरिट के साथ पुराने शिक्षकों को रुकने का आसरा दे दिया। टीचरों की चयन परीक्षा का उद्देश्य यही रहा कि जब नए सिरे से डेढ़ सौ सीबीएसई स्कूल अपनी गाथा लिखें तो चारों तरफ सबेरा हो, लेकिन सरकार इस फैसले की ढाल न बन कर शिक्षक वर्ग को सुविधा देने का रास्ता खोज रही है। शिक्षक संघों के लिए स्कूलों में वर्षों से जारी नियुक्ति पत्र पर, मेरिट का नया आधार नामंजूर दिखाई दिया। हिमाचल में ट्रांसफर कोई नीति या नियम नहीं, बस एक चबूतरा है, जहां तालमेल से बरकरार रहना होता है। जाहिर है सीबीएसई स्कूलों की तादाद में हिमाचल की बेहतर जगह, बेहतर स्कूल और बेहतर ढांचा दिखाई दिया, तो शिक्षक चयन प्रक्रिया के मार्फत स्थानीय राजनीति ने अपने शब्दकोष खोल दिए। जनप्रतिनिधियों को अगर शिक्षा में गुणवत्ता तराशने की आदत होती, तो शायद ही सरकारी स्कूल असफल या अप्रासंगिक होते, लेकिन यहां तो हर कदम पर सियासत को जिंदा रहना है। इसलिए जो शिक्षक नहीं चाहते, वह राजनेता क्यों चाहेंगे। खैर अब मेरिट के कालीन को रौंदने के लिए रास्ता खोल दिया है ऐसे में सीबीएसई की शर्तों में शिक्षक की आपूर्ति किस करवट बैठती है, यह देखना होगा। वैसे भी शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टेट की शर्त लगी है, तो शिक्षक समुदाय के लिए इस टेस्ट को पास करना मुसीबत बना है। पूरे प्रदेश में दस हजार के करीब शिक्षक टेट उत्तीर्ण नहीं कर पाए हैं।

आज का राशिफल

मेष : सुख-आनंद कारक समय है। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-4-5-6

वृष : शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-4-6-7

मिथुन : नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। शुभांक-4-6-7

कर्क : आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-7-9

सिंह : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-3-5-8

कन्या : आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-5-7

तुला : स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-2-6-8

वृश्चिक : आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-3-6-8

धनु : धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-4-6-7

मकर : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

दैनिक पंचांग

7 जुलाई को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

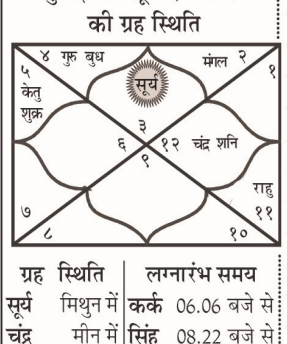

मंगलवार 2026 वर्ष का 188 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 13.25 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 16.24 बजे को समाप्त। **योग** शोभन 14.31 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.25 बजे तदनन्तर बालव 00.59 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 36' **सूर्य** उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872763 **जूलियन दिन** 2461228.5
कलियुग संवत् 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552
हिजरी सन् 1448 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 21
विशेष मासिक कृष्ण जन्माष्टमी।

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	मीन में
मंगल	वृष में
बुध	कर्क में
गुरु	कर्क में
शुक्र	सिंह में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कर्क	06.06 बजे से
सिंह	08.22 बजे से
कन्या	10.34 बजे से
तुला	12.45 बजे से
वृश्चिक	15.00 ब.से
धनु	17.16 बजे से
मकर	19.21 बजे से
कुंभ	21.07 बजे से
मीन	22.40 बजे से
मेष	00.11 बजे से
वृष	01.51 बजे से
मिथुन	03.49 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	**काल**	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	**लाभ**	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	**उद्वेग**	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	**शुभ**	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	**अमृत**	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	**चर**	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	**रोग**	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	**काल**	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शिक्षा दिवस : शिक्षा में भारतीयता की चेतना से विकसित भारत की दिशा तक

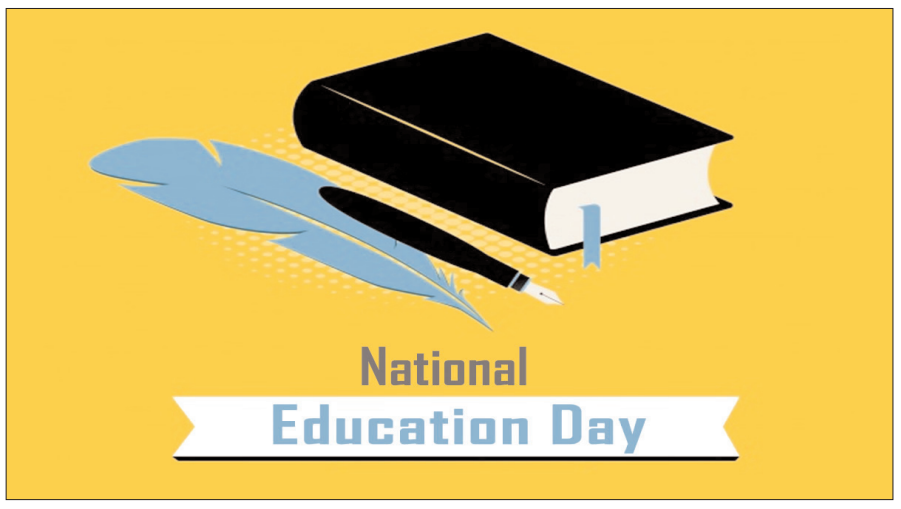

डॉ. अतुल कोठारी

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी शिक्षा व्यवस्था से निर्धारित होता है। यदि शिक्षा अपनी संस्कृति, इतिहास, जीवन-मूल्यों और राष्ट्रीय दृष्टि से जुड़ी हो तो वह केवल कुशल मानव संसाधन नहीं, बल्कि चरित्रवान, उत्तरदायी और राष्ट्रनिष्ठ नागरिकों का निर्माण करती है। भारत में ऐसी ही शिक्षा व्यवस्था के निर्माण का एक महत्वपूर्ण अध्याय 02 जुलाई 2004 को प्रारंभ हुआ, जब दिल्ली में शिक्षा बचाओ आंदोलन का शुभारंभ हुआ। इसी ऐतिहासिक दिन को आज भारतीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है।

उस समय एनसीईआरटी की कक्षा 6 से 12 तक की इतिहास एवं समाज विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों में भारत के इतिहास, संस्कृति, महापुरुषों और देवी-देवताओं के संबंध में अनेक तथ्यहीन एवं आपत्तिजनक सामग्री सम्मिलित की गई थी। विद्यालयी शिक्षा के पाठ्यक्रम में व्याप्त इन विकृतियों के विरुद्ध देशभर के राष्ट्रनिष्ठ शिक्षाविदों ने यह संकल्प लिया कि देश को बचाना है तो शिक्षा को बचाना होगा। इसके बाद राष्ट्रव्यापी जनजागरण, धरना-प्रदर्शन, न्यायालयों में कानूनी संघर्ष और व्यापक बौद्धिक विमर्श प्रारंभ हुआ। इस संघर्ष के परिणामस्वरूप शिक्षा बचाओ आंदोलन को उल्लेखनीय सफलता मिली तथा विभिन्न न्यायालयों में कुल 12 महत्वपूर्ण निर्णय आंदोलन के पक्ष में आए। सरकार को भी अपने अनेक निर्णयों में संशोधन करना पड़ा।

इस पूरे संघर्ष ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल पाठ्यपुस्तकों की त्रुटियों को सुधारना पर्याप्त नहीं है। आवश्यकता ऐसी शिक्षा व्यवस्था की है, जो भारतीय जीवन-दृष्टि, भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय जीवन-मूल्यों पर आधारित हो। इसी सकारात्मक, वैकल्पिक और सृजनात्मक उद्देश्य से वर्ष 2007 में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की स्थापना हुई।

स्थापना के साथ ही न्यास ने शिक्षा के प्रत्येक क्षेत्र में भारतीय दृष्टि को स्थापित करने का कार्य प्रारंभ किया। चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास, पंचकोश आधारित शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा, वैदिक गणित, मातृभाषा आधारित शिक्षा, भारतीय ज्ञान परंपरा, शिक्षा में स्वायत्तता तथा शोध जैसे अनेक विषयों पर देशव्यापी कार्य प्रारंभ हुआ। आज विद्यालयी शिक्षा, शिक्षक शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, प्रबंधन शिक्षा, शोध तथा उच्च शिक्षा सहित लगभग प्रत्येक क्षेत्र में न्यास भारतीयता आधारित शिक्षा के लिए निरंतर सक्रिय है।

पिछले दो दशकों में न्यास के प्रयासों से अनेक महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिले हैं। शैक्षिक पाठ्यक्रमों की विसंगतियों के विरुद्ध न्यायालयों के निर्णयों ने शिक्षा सुधार को नई दिशा दी। मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में पृथक राज्य पाठ्यपुस्तक मंडलों का गठन हुआ तथा झारखंड ने एनसीईआरटी की विवादित पाठ्यचर्या-2005 को लागू नहीं किया। पंचकोश आधारित शिक्षा के प्रयोगों ने अनेक विद्यालयों में आश्चर्यजनक परिणाम दिए, जिनमें आत्मानुशासन इतना विकसित हुआ कि कुछ स्थानों पर बिना पर्यवेक्षक के परीक्षाएँ सफलतापूर्वक आयोजित होने लगीं।

न्यास ने केवल पाठ्यक्रम सुधार तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि समाज जीवन में भी सकारात्मक परिवर्तन का अभियान चलाया। सैकड़ों शैक्षणिक संस्थानों में एकल-उपयोग प्लास्टिक का प्रयोग बंद हुआ, कार्यक्रमों में पुष्पगुच्छ और पुष्पमालाओं के स्थान पर भारतीय विकल्प अपनाए गए तथा जल संरक्षण जैसे छोटे-छोटे व्यवहारिक प्रयोगों ने शिक्षा को जीवन से जोड़ने का कार्य किया। भारतीय भाषाओं के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त हुईं। हरियाणा सहित अनेक राज्यों में न्यायालयों में भारतीय भाषाओं के प्रयोग को बढ़ावा मिला तथा उच्चतम न्यायालय ने भी विभिन्न भारतीय भाषाओं में निर्णय उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। मातृभाषा आधारित शिक्षा के लिए देशव्यापी वातावरण निर्मित हुआ और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में इसे विशेष महत्व मिला।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के प्रयासों से 22 दिसंबर को राष्ट्रीय गणित दिवस तथा 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस देशभर के शैक्षणिक संस्थानों में व्यापक जनभागीदारी के साथ मनाए जाने लगे। वैदिक गणित के क्षेत्र में अनेक विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों ने पाठ्यक्रम प्रारंभ किए तथा कई राज्य सरकारों ने इसे अपने पाठ्यक्रमों में सम्मिलित करने की दिशा में पहल की। विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों में भारतीय वेशभूषा एवं भारतीय परंपराओं का पुनर्प्रतिष्ठान भी इसी बदलते शैक्षिक वातावरण का प्रमाण है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के निर्माण के समय भी न्यास ने भारतीयता आधारित शिक्षा के अनेक महत्वपूर्ण सुझाव सरकार के समक्ष प्रस्तुत किए, जिनमें से कई सुझाव नीति का हिस्सा बने। वर्तमान में भी न्यास राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु देशभर में शिक्षक प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम निर्माण, शोध, संवाद एवं जनजागरण के माध्यम से सतत कार्य कर रहा है।

पिछले तीन वर्षों से न्यास ह्लभारत को भारत कहेंह्व अभियान का संचालन भी कर रहा है। इस अभियान के समर्थन में देश के दो दर्जन से अधिक विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों ने औपचारिक प्रस्ताव पारित किए हैं। साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा, भारतीय दर्शन एवं भारत-केंद्रित शिक्षा को विद्यालयी और उच्च शिक्षा में उचित स्थान दिलाने के लिए भी व्यापक कार्य किया जा रहा है।

इसी क्रम में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने ह्लविकसित भारत हेतु शिक्षा अभियानह्व प्रारंभ किया है। न्यास का स्पष्ट मत है कि यदि 2047 तक भारत को वास्तव में विकसित राष्ट्र बनाना है तो विकास का भारतीय प्रतिमान अपनाना होगा, जिसमें आर्थिक समृद्धि के साथ नैतिकता, सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक संतुलन, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व भी समान रूप से सम्मिलित हों। ऐसा विकसित भारत केवल उसी शिक्षा व्यवस्था से निर्मित होगा जो भारतीयता पर आधारित हो।

आज, जब हम 02 जुलाई को भारतीय शिक्षा दिवस के रूप में मना रहे हैं, तब यह केवल एक संगठन की स्थापना या एक आंदोलन की स्मृति का अवसर नहीं है। यह उस विचार का उत्सव है जिसने शिक्षा को भारत की आत्मा से जोड़ने का संकल्प लिया था। दो दशक पूर्व जो बीज ह्यशिक्षा बचाओ आंदोलनह्ल के रूप में बोया गया था, वह आज भारतीय शिक्षा के क्षेत्र में एक विशाल वटवृक्ष बनकर सकारात्मक परिवर्तन का आधार बन चुका है।

आइए, इस भारतीय शिक्षा दिवस पर हम सभी यह संकल्प लें कि भारत-केंद्रित, मूल्यपरक, समग्र और राष्ट्रनिर्माणकारी शिक्षा व्यवस्था के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँ। यही विकसित भारत का आधार है और यही भारत को पुनः विश्व के ज्ञान-नेतृत्व की ओर ले जाने का सबसे सशक्त माध्यम भी है।

लेखक के निजी विचार

अडानी प्रकरण भारतीय उद्योग जगत की छवि खराब करने का षड्यंत्र!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा आज महत्वपूर्ण हथियार बन चुकी है। ऐसे समय में यदि किसी तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था के सबसे बड़े औद्योगिक समूह पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर आरोप लगाए जाते हैं, तो उसका प्रभाव उस कंपनी के साथ ही उस देश पर भी पड़ता है, जहां से उस कंपनी का सीधा संबंध रहता है। ऐसे में पूरे देश की निवेश छवि, वित्तीय विश्वसनीयता और औद्योगिक प्रतिष्ठा पर पड़ता है।

वस्तुतः अडानी समूह से जुड़ा अमेरिकन विवाद भी इसी दृष्टि से देखा जाना चाहिए, क्योंकि हाल के घटनाक्रमों में अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) द्वारा स्वयं अपने मुकदमे के कानूनी आधार, अधिकार-क्षेत्र और साक्ष्यों पर पुनर्विचार करते हुए उसे आगे न बढ़ाने की दलील देना इस बहस को नई दिशा देता है। यह संदेह पैदा होता है कि कहीं यह पूरा प्रकरण सिर्फ इसलिए तो तैयार नहीं किया गया, ताकि भारत की तेजी से उभरती आर्थिक शक्ति की वैश्विक छवि को प्रभावित किया जा सके।

आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। किंतु यह अनायास नहीं है, पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हो, आत्मनिर्भर भारत का संकल्प हो या वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में बढ़ते कदम, गहरायी से देखें तो इन सभी के पीछे देश के बड़े औद्योगिक समूहों का असाधारण योगदान है। ये उद्योग समूह भारत की आर्थिक शक्ति, रोजगार, नवाचार, निर्यात और आधारभूत संरचना के सबसे मजबूत स्तंभ हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में लगभग 11.75 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड वार्षिक कारोबार दर्ज किया है। अडानी समूह का समेकित कारोबार लगभग 2.92 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच चुका है। आदित्य बिड़ला समूह का वैश्विक कारोबार 65 अरब डॉलर से अधिक है। एचसीएल टेक्नोलॉजीज का वार्षिक राजस्व एक लाख करोड़ रुपये से ऊपर है, जबकि टाटा समूह का वैश्विक कारोबार अनेक लाख करोड़ रुपये तक फैला हुआ है। ओ.पी. जिंदल समूह इस्पात, ऊर्जा और अवसंरचना क्षेत्रों में देश की औद्योगिक क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। इस तरह से अनेक भारतीय कंपनियों के आंकड़े दिए जा सकते हैं। वस्तुतः ये आंकड़े कॉरपोरेट सफलता के प्रतीक होने के साथ ही भारत के लिए उस आर्थिक सामर्थ्य का प्रमाण हैं जिसने उसे विश्व अर्थव्यवस्था में नई पहचान दिलाई है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद जिस प्रकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अडानी समूह को लेकर माहौल बनाया गया।

सूडोकु नवताल- 7848

सरल

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7847 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

गैर-शैक्षणिक दायित्वों के बोझ तले शिक्षा व्यवस्था

प्रो. एस.के. सिंह

किसी भी राष्ट्र की प्रगति और विकास का सबसे महत्वपूर्ण पैमाना उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। शिक्षा न केवल मनुष्यों के निर्माण का आधार है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक उन्नति का प्रतिबिंब भी होती है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि शिक्षा राष्ट्र की आत्मा होती है। भारत की शिक्षा परंपरा सदियों तक विश्व के लिए प्रेरणा का स्रोत रही है।

तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी जैसे प्राचीन भारतीय शिक्षा केंद्र केवल ज्ञान के ही नहीं, बल्कि वैश्विक बौद्धिक विमर्श के भी प्रमुख केंद्र थे, जहाँ दुनिया के विभिन्न देशों से विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते थे, क्योंकि भारतीय शिक्षा व्यवस्था ने हमेशा ज्ञान, नैतिकता, चरित्र-निर्माण तथा मानव एवं विश्व-कल्याण के आदर्शों को प्रतिष्ठित किया है, लेकिन मध्यकाल और विशेषकर औपनिवेशिक काल में भारतीय शिक्षा व्यवस्था को जानबूझकर गंभीर आघात पहुंचाया गया।

भारतीय ज्ञान-परंपरा को हानि पहुँचाने के लिए अनेक पारंपरिक शिक्षण संस्थानों को नष्ट किया गया। औपनिवेशिक शासन ने ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित की, जिसमें भारतीय भाषाओं एवं भारतीय ज्ञान-संपदा को कमतर आँकते हुए अंग्रेजी-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा दिया गया। औपनिवेशिक काल में भारतीय ज्ञान-परंपरा, गुरुकुल व्यवस्था तथा स्वदेशी शिक्षण संस्थानों को जिस सुनियोजित तरीके से कमजोर किया गया, वैसा उदाहरण भारतीय इतिहास के अनेक पूर्ववर्ती कालखंडों में दिखाई नहीं देता।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात शिक्षा के विस्तार के लिए विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों की संख्या तो बढ़ी, विभिन्न आयोग भी गठित किए गए, लेकिन शिक्षा के भारतीयकरण, मातृभाषा में शिक्षण एवं भारतीय ज्ञान-परंपरा के पुनर्स्थापन जैसे विषयों पर ठोस और व्यापक परिवर्तन लंबे समय तक दिखाई नहीं दिया। तत्कालीन सरकारें शिक्षा व्यवस्था में अपेक्षित बुनियादी परिवर्तन करने का साहस ही नहीं जुटा सकीं। परिणामस्वरूप, शिक्षा व्यवस्था काफी हद तक उसी ढाँचे में चलती रही, जिसकी नींव औपनिवेशिक काल में रखी गई थी। ऐसे परिदृश्य में स्वतंत्रता के लगभग 73 वर्ष बाद, 2020 में एनईपी 2020 के माध्यम से देश को एक बेहद लचीली, समावेशी, बहुलतावादी, प्रगतिशील, छात्र-केंद्रित एवं भारतीयता से ओत-प्रोत शिक्षा नीति मिली, जिसमें भारतीय ज्ञान-परंपरा और मातृभाषा को केंद्र में रखते हुए छात्रों के सर्वांगीण विकास तथा उन्हें जीवन के लिए तैयार करने पर जोर दिया गया है।

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार किसी नीति में शिक्षा को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने की ठोस पहल की गई है। इसलिए इसे सही मायनों में स्वतंत्र भारत की पहली भारतीय शिक्षा नीति कहा जा सकता है। लेकिन शिक्षकों पर प्रशासनिक एवं गैर-शैक्षणिक कार्यों का बढ़ता बोझ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन तथा उसके अपेक्षित परिणामों की प्राप्ति में सबसे बड़ी बाधा नजर आ रहा है।

महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि सांदीपनि और आचार्य चाणक्य जैसे शिक्षकों की परंपरा इसलिए महान नहीं बनी कि वे प्रशासनिक औपचारिकताओं में दक्ष थे, बल्कि इसलिए बनी कि वे अपने शिष्यों के व्यक्तित्व-निर्माण में पूर्णतः समर्पित थे। उनके आश्रमों में शिक्षा का केंद्र-बिंदु गुरु और शिष्य का जीवंत संवाद था, लेकिन वर्तमान समय में शिक्षकों की गैर-शैक्षणिक कार्यों में बढ़ती व्यस्तता के कारण यह संवाद निरंतर कम होता जा रहा है, जिससे शिक्षण एवं शोध की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का खतरा मंडराने लगा है।

निरंतर रिपोर्टिंग, पोर्टल प्रबंधन, डेटा अपलोडिंग, निर्वाचन एवं जनगणना संबंधी कार्य, विभिन्न सरकारी सर्वेक्षण, छात्रवृत्ति योजनाओं का संचालन, आधार लिंकिंग, मध्यान्ह भोजन योजना का प्रबंधन, बार-बार माँगी जाने वाली सूचनाओं का संकलन, संस्थान स्तर पर विभिन्न समितियों का गठन एवं संचालन, विशिष्ट व्यक्तियों के कार्यक्रमों में व्यस्तता तथा अनेक गैर-शैक्षणिक दायित्वों के कारण शिक्षकों को अपने मूल दायित्व शिक्षण, अध्ययन एवं शोध के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है।

शिक्षक का कार्य केवल कक्षा में पढ़ाने तक सीमित नहीं होता; उसके अध्यापन की गुणवत्ता उसके सतत अध्ययन, चिंतन, मनन और आत्मविकास पर निर्भर करती है। इसलिए शिक्षक चौबीसों घंटे अपने दायित्वों का निर्वहन करता है। जो लोग यह मानते हैं कि शिक्षण कार्य समाप्त होते ही शिक्षक अपने दायित्वों से मुक्त होकर पूर्णतः स्वतंत्र हो जाता है, वे शिक्षक के वास्तविक उत्तरदायित्व, उसकी भूमिका की प्रकृति तथा शिक्षा की निरंतर चलने वाली प्रक्रिया को भली-भाँति नहीं समझते और इसी भ्रांति के कारण शिक्षक पर गैर-शैक्षणिक दायित्वों का अनावश्यक बोझ लादने का समर्थन करते हैं।

मानव सभ्यता के इतिहास में ऐसी अनेक नीतियां एवं योजनाएं रही हैं, जिनकी मूल भावना अत्यंत श्रेष्ठ एवं पवित्र रही है, लेकिन उनकी सफलता और अपेक्षित परिणाम काफी हद तक उनके क्रियान्वयन पर निर्भर रहे हैं।

देश में 2016 में लागू की गई नोटबंदी इसका उल्लेखनीय उदाहरण है। नोटबंदी का निर्णय मूलतः काले धन, नकली मुद्रा तथा अवैध आर्थिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से उठाया गया एक दूरदर्शी और साहसिक कदम था। नोटबंदी के पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा को लेकर न तब कोई संदेह था और न आज है, लेकिन क्रियान्वयन के दौरान उत्पन्न हुई कुछ व्यावहारिक चुनौतियों एवं कठिनाइयों के कारण नोटबंदी से वे अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हो सके, जिनकी आशा की गई थी। नोटबंदी सरकार का ऐसा निर्णय था, जिसने वैश्विक स्तर पर यह धारणा स्थापित की कि भारत में ऐसा नेतृत्व उभर चुका है, जो केवल लोकप्रिय निर्णयों तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रहित में आवश्यक होने पर कठोर, अप्रिय और चुनौतीपूर्ण निर्णय लेने से भी नहीं हिचकेगा। नोटबंदी की सराहना नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री रिचर्ड थेलर ने भी की थी। इसी प्रकार यदि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं होते हैं, तो इसका कारण नीति में कोई कमी होना नहीं, बल्कि क्रियान्वयन की सबसे मजबूत कड़ी शिक्षक का उसके मूल कार्य से विमुख होना होगा।

बच्चों का ब्रेन शार्प के लिए अभी से कराएं ये एटिविटी

यूचर संवारने में मिलेगी मदद

हर माता-पिता अपने बच्चे को पढ़ाई-लिखाई में होशियार होने के साथ-साथ उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। बच्चों को फ्यूचर के लिए हमेशा तैयार और ऊंचे पोजीशन पर देखने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें सही गाइडेंस मिले। सिर्फ खेल-कूद या फिजिकली ही नहीं बल्कि जीवन के हर पड़ाव पर आने वाली मुश्किलों से लड़ने के लिए भी बच्चों को मेंटली मजबूत होना चाहिए। इसके लिए बेहद जरूरी है कि पैरेंट्स टीनएज से ही अपने बच्चों में कुछ एक्टिविटीज की आदत डालें, जिससे वह अपने लक्ष्य पर बेहतर तरीके से फोकस करने में सक्षम हो सके। ऐसा करने से फ्यूचर में सफलता प्राप्त करने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। तो चलिए जानते हैं कि पैरेंट्स को बच्चों में वो कौन सी आदत डालनी चाहिए, ताकि उन्हें फ्यूचर के लिए तैयार होने में मदद मिल सके।

रोजाना योग की आदत

बच्चों को रोजाना कुछ यागासन या मेडिटेशन आदि करवाते रहना चाहिए। इससे न केवल फिजिकली बल्कि मेंटली स्ट्रॉन्ग होने में भी मदद मिलेगी। इसके अलावा उनमें बचपन से ही एरोबिक्स एक्टिविटी करने की आदत डलवाएं। यह बच्चे को लाइफटाइम के लिए हेल्दी बनाए रखने में मदद करता है।

ब्रेन एक्सरसाइज

बच्चों की मेमोरी शार्प करने के लिए जरूरी है कि आप उन्हें ब्रेन एक्सरसाइज करवाते रहें। इसके लिए मार्केट में मिलने वाले गेम जैसे प्रॉब्लम सॉल्विंग पजल, सुडोकु का इस्तेमाल करवाएं। इससे बच्चे में क्रिएटिविटी क्षमता बढ़ेगी। साथ ही, आपका बच्चा मुसीबत आने पर प्रॉब्लम का सॉल्यूशन भी आसानी से ढूंढ पाएगा।

टीम वर्क की आदत

टीम वर्क में काम करना हर व्यक्ति को आना चाहिए। तभी जीवन में सफलता मिलती है। सिर्फ खुद से मतलब रखने वालों को कभी भी सोशल बिहेवियर के बारे में समझ नहीं आता है। इसलिए जरूरी है कि बचपन से ही बच्चों में टीम वर्क की आदत डाल देनी चाहिए।

बच्चों में स्किल भी है जरूरी

आज की तारीख में स्किल की बहुत डिमांड है। सिर्फ किताबी कीड़ा होने से अब जीवन में आगे बढ़ पाना मुश्किल हो गया है। ऐसे में जरूरी है कि बच्चों के इंटरेस्ट के अनुसार, उन्हें कोई न कोई स्किल जरूर होनी चाहिए। फिर चाहे वह कुकिंग की स्किल हो या फिर म्यूजिक या डांसिंग की। बच्चे में कोई न कोई स्किल की आदत जरूर होनी चाहिए।

स्टाइलिश दिखने के लिए सेलेब्रिटी लुक्स को करें री-क्रिएट

स्टाइलिश दिखने के लिए आपको बॉडी टाइप के हिसाब से ही सूट के डिजाइन को चुनना चाहिए। इसके लिए आप सेलेब्रिटी के लुक्स को री-क्रिएट करें।

सलवार-सूट पहनना हम सभी को पसंद होता है। वहीं इसमें आपको कई तरह के डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। बदलते फैशन के दौर में आपको और खासकर गर्मी के मौसम में हम स्किन फ्रेंडली फैब्रिक और डिजाइन के कपड़े ही पहनना पसंद करते हैं ।ज्यादातर ऑफिस जाने के लिए हम सिंपल और मिनिमल डिजाइन के कपड़े ही पहनना पसंद करते हैं। तो आइये आज हम आपको दिखाने वाले हैं ऑफिस में पहनने के लिए सलवार-सूट के कुछ खास डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन लुक्स को आकर्षक बनाने के कुछ आसान टिप्स

ए-लाइन सूट

खासकर प्लस साइज इस तरह की स्ट्रैट फिटिंग वाले सलवार-सूट को पहनना सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। ऐसा इसलिए यह आपकी बॉडी को फ्लेयर के साथ परफेक्ट और स्लिम लुक देने में सहायता करते हैं। बदलते दौर में इस तरह में आजकल घुटने तक और फ्लोर लेंथ सूट को पसंद किया जा रहा है।

लूज डिजाइन सूट

आजकल पाकिस्तानी स्टाइल लूज डिजाइन के सलवार-कमीज काफी चलन में हैं। इसमें आपको धोती व एंकल लेंथ वाली पैन्ट्स के साथ में कई डिजाइन के सूट देखने को मिल जाएंगे। आजकल की बात करें तो इसमें आलिया कट और नायरा कट सूट के डिजाइन को काफी पसंद किया जा रहा है।

अंगरखा डिजाइन सूट

फैंसी लुक पाना चाहती हैं तो इस तरह के फ्रंट डोरी यानी अंगरखा डिजाइन के सूट को वार्डरोब में शामिल कर सकती हैं। इस तरह के सूट में आजकल फ्लोर टच लेंथ को काफी ज्यादा सराहा जा रहा है। वहीं डोरी को हैवी और फैंसी लुक देने के लिए आप इसमें लटकन भी लगवा सकती हैं।

बैंक से जुड़े किसी भी काम को आसानी से निपटाने के लिए कर सकते हैं इन तरीकों का इस्तेमाल

बैंक से जुड़े किसी भी काम कराने के लिए कई बार हमें लंबी लाइनों में लगना पड़ता है। लेकिन क्या आप जानते हैं, बिना लाइन में खड़े हुए भी आप बैंक से जुड़े किसी भी काम को सिर्फ आधार कार्ड के जरिए कर सकते हैं।

आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम = बैंकों की लंबी लाइन से मिलेगी आजादी

नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा शुरू किया गया आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम देश में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह ग्रामीण और क्षेत्रीय क्षेत्रों में खास तौर से फायदेमंद है, जहां बैंक शाखाएं कम हैं और लोगों को बुनियादी बैंकिंग कार्यों के लिए लंबी लाइन खड़ी करनी पड़ती हैं। यह एक डिजिटल लेन-देन प्रणाली है, जो आधार प्रमाणीकरण का इस्तेमाल करके वित्तीय लेन-देन की सुविधा देती है। AePS, आधार नंबर और फिंगरप्रिंट या आईरिस स्कैन की मदद से वेरिफ़िकेशन करके, माइक्रो एटीएम से वित्तीय लेनदेन करने की सुविधा देता है।

AePS क्या है?

AePS एक बैंक-आधारित मॉडल है, जो आधार कार्ड और बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन का इस्तेमाल करके कस्टमर को अलग-अलग बैंकिंग लेनदेन करने की सुविधा देता है। इसका मतलब है कि आपको बैंक शाखा में जाने या एटीएम का इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं है। आप किसी भी AePS-सक्षम कियोस्क या माइक्रो एटीएम पर जाकर लेनदेन कर सकते हैं।

AePS की खासियत

- यह आधार कार्डधारकों को आसानी से लेनदेन शुरू करने और खत्म करने की सुविधा देता है।
- यह बैंकों को अपने शाखा नेटवर्क से बाहर के ग्राहकों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने में मदद करता है।
- यह वंचित क्षेत्रों में बुनियादी बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में मददगार है।
- यह सरकारी हकदारियों, जैसे कि मनरेगा, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और विकलांग वृद्धावस्था पेंशन का वितरण भी करता है।

इस्तेमाल कैसे करें

- AePS का इस्तेमाल करने के लिए, सबसे पहले अपने बैंक खाते को आधार नंबर से लिंक करें। फिर, अपने बैंक से संपर्क करके बताएं कि आप AePS का इस्तेमाल करना चाहते हैं। भुगतानकर्ता या लाभार्थी के पास AePS होना जरूरी नहीं है।
- किसी भी AePS-सक्षम कियोस्क या माइक्रो एटीएम पर जाएं। अपना आधार कार्ड दर्ज करें। अपनी बायोमेट्रिक जानकारी (आमतौर पर फिंगरप्रिंट या आईरिस स्कैन) प्रदान करें। लेनदेन का प्रकार चुनें (जैसे नकद निकासी, फंड ट्रांसफर)। जरूरी जानकारी दर्ज करें (जैसे राशि, प्राप्तकर्ता का अकाउंट नंबर)। लेनदेन की पुष्टि करें।

क्या है के लाभ

- आधार कार्ड धारक अपने आधार-सक्षम बैंक खाते तक पहुंच सकते हैं।
- शेष राशि की जांच की जा सकती है।
- नकद निकासी की जा सकती है।
- पैसे ट्रांसफर किए जा सकते हैं।
- जमा किए जा सकते हैं।
- विदेश में पैसा भेजा जा सकता है।
- बैंक से जुड़े दूसरे काम किए जा सकते हैं।
- किसी भी बैंक के बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट के जरिए पीओएस (माइक्रो एटीएम) पर ऑनलाइन लेन-देन किए जा सकते हैं।
- कैशलेस भुगतान और पैसे के लेनदेन को बढ़ावा मिलता है।
- AePS भारत में वित्तीय दर को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह ग्रामीण और क्षेत्रीय क्षेत्रों के लोगों को बैंकिंग सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान कर रहा है और उन्हें बैंक शाखाओं पर अपनी निर्भरता कम करने में मदद कर रहा है। इसके जरिए, आधार ऑथेंटिकेशन के जरिए पेमेंट किया जा सकता है।

AePS, आधार नंबर और फिंगरप्रिंट या आईरिस स्कैन की मदद से वेरिफिकेशन करके, माइक्रो-एटीएम से वित्तीय लेनदेन करने की सुविधा देता है। इससे बैंक से जुड़े किसी भी काम को आसानी से निपटा सकते हैं।

AePS के जरिए ये काम किए जा सकते हैं

नकद जमा, नकद निकासी, बैलेंस पूछताछ, मिनी स्टेटमेंट, आधार से आधार फंड ट्रांसफर।

प्रोडक्ट डिफेक्टिव निकलने पर भी हो सकता है स्कैम इन बातों का रखें ध्यान

ऑनलाइन शॉपिंग बढ़ने के साथ-साथ, खराब प्रोडक्ट या गलत प्रोडक्ट मिलने पर रिफंड या रिप्लेसमेंट के नाम पर स्कैम होने का खतरा भी बढ़ गया है। इन बातों का ध्यान रखें।

अगर आप ऑनलाइन शॉपिंग के बाद डिलिवर हुए डिफेक्टिव प्रोडक्ट का कंपनी के कस्टमर केयर से कंप्लेंट कर के सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं। या फिर सोशल मीडिया पर कंपनी को टैग कर के स्टोरी लगाते हैं, तो सावधान हो जाइए, आपके साथ स्कैम हो सकता है। असल में जब कोई कस्टमर सोशल मीडिया पर ऐसी कोई पोस्ट करता है तो स्कैमर्स सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर के आपके साथ धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग में तेजी से बढ़ोतरी के साथ, फ्रॉड के मामले भी बढ़ रहे हैं। प्रोडक्ट डिफेक्टिव यानी फॉल्टी प्रोडक्ट के रिफंड के नाम पर भी स्कैम हो रहे हैं, इसके लिए स्कैमर्स सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। ये स्कैमर्स, फेक ब्रांड कस्टमर बनकर लोगों से बात करते हैं। फिर, ग्राहक को प्रोडक्ट के रिफंड के नाम पर मैसेज पर लिंक भेजते हैं। इस लिंक में ग्राहक से बैंक डिटेल्स भरवाई जाती हैं और फिर अकाउंट खाली कर दिया जाता है।

रिफंड और रिकवरी घोटालों से बचने के लिए, इन बातों का ध्यान रखें -

गाइडलाइन के मुताबिक कभी भी बैंक ट्रांजैक्शन की डिटेल सोशल मीडिया पर नहीं डालनी चाहिए। इसके अलावा ब्रांड के ही कस्टमर केयर या हेल्पलाइन नंबर पर ही कंप्लेंट करें।

- अगर कंप्लेंट करने पर भी कार्रवाई न हो तो, कंज्यूमर फोरम में शिकायत करें।
- ऐसी किसी भी कार्रवाई के लिए मामले का निवारण न हो जाने तक कस्टमर और कंपनी के बीच बात रखें, गोपनीयता बनाए रखने से स्कैम होने का डर कम हो जाता है।
- अपनी खोई हुई रकम से ज्यादा रकम का रिफंड चेक न जमा करें।
- कुछ घोटालेबाज कहेंगे कि उन्होंने चेक भुनाने, बकाया राशि अपने पास रखने और बाकी रकम लौटाने में गड़बड़ी की है। इससे अक्सर घोटाला हो सकता है।
- किसी बैंक को यह पता लगाने में कई हफ्ते लग सकते हैं कि उसके द्वारा क्लीयर किया गया चेक नकली था।
- इस बीच, अगर आप घोटालेबाज को पैसे लौटाते हैं, तो बैंक आपसे वह पैसा चुकाना चाहेगा।

इनकम टैक्स रिफंड के नाम पर भी स्कैम होते हैं। ऐसे में, इन बातों का ध्यान रखें

- अनचाहे मैसेज
- अर्जेंट रिक्वेस्ट
- संदिग्ध लिंक
- निजी जानकारी के लिए रिक्वेस्ट
- सोर्स को वेरीफाई करें
- पर्सनल डिटेल्स साझा करने से बचें
- सेफ प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करें

ऑनलाइन शॉपिंग में सुरक्षित खरीदारी

- केवल पहचानें वेबसाइटों और विक्रेताओं से खरीदारी करें।
- खरीदने से पहले उत्पाद समीक्षाएं और रेटिंग जरूर पढ़ें।
- क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करते समय, इस बात का ध्यान रखें कि वेबसाइट HTTPS सुरक्षित है।
- अपनी निजी जानकारी शेयर करने में सावधानी बरतें, किसी भी विक्रेता के साथ अपनी बैंक अकाउंट जानकारी या अन्य जानकारी शेयर करने से पहले सावधान रहें।
- अगर कोई ऑफर या छूट बहुत अच्छी लगती है, तो कई बार यह सच नहीं भी होता है।
- अपने बैंक स्टेटमेंट और क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट को नियमित तौर पर जांचें और किसी भी अनऑथराइज्ड लेनदेन की रिपोर्ट करें।

सिकंदर हत्याकांड में प्रशासनिक विफलता के खिलाफ प्रदर्शन, उच्चस्तरीय जांच की मांग

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पलामू : जिले के चैनपुर प्रखंड के रामपुर गोलीकांड में हुई सिकंदर चौधरी की हत्या मामले में कथित प्रशासनिक विफलता के खिलाफ सोमवार को समाहरणालय परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया गया। विकासशील इंसाफ पार्टी पलामू प्रमंडल के तत्वावधान में आयोजित इस आन्दोलन में मुख्य अतिथि के तौर पर वीआइपी पार्टी के सुप्रीमो सह बिहार सरकार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी उपस्थित थे। उनके अलावा वीआइपी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रो राजकुमार चौधरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भागीदारी सुनिश्चित की। धरना के माध्यम से रामपुर हत्याकांड में प्रशासनिक विफलता की उच्चस्तरीय जांच, शेष 14 नामजद अभियुक्तों की अविलंब गिरफ्तारी, अनुसंधान में कथित अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच, दोषी पुलिस पदाधिकारियों पर कठोर कार्रवाई, पीड़ित परिवार का पुर्नवास और त्वरित न्याय सुनिश्चित करने की मांग की गयी। धरना के बाद मुख्यमंत्री के नाम 10 सूत्री मांग पत्र उपायुक्त को सौंपा गया।

उल्लेखनीय है कि 23 मई 2026 को रामपुर में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीचहिंसक झड़प हुई थी और इस क्रम में गोली चलने से एक पक्ष के सिकंदर चौधरी की मौत हो गयी थी और तीन लोग जख्मी हुए थे।

धरना से पहले शिवाजी मैदान में लोगों का जुटान हुआ और वहां से सभी जुलूस निकाल कर समाहरणालय पहुंचे। जिला परिषद कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने कहा कि न्याय और अधिकार के लिए लगातार संघर्ष करना होगा। समाज के लोगों को राजनीति में भी भागीदारी सुनिश्चित करने की जरूरत है। खुद और अपने समाज के लिए जगने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि आज हमारे समाज के लोगों को गाजर-मूली की तरह हत्या की जा रही है। फर्जी एनकाउंटर में मारा जा रहा है। यह धरना प्रर्शदन न्याय और कार्रवाई के लिए है। सिकंदर चौधरी की निर्मम हत्या कर दी गयी। कई लोगों को गोली लगी, लेकिन प्रशासनिक कार्रवाई और सरकारी मुआवजा संतोषजनक नहीं है। अनुसंधान में अनियमितता बरती गयी है, वहीं आरोपितों को पकड़ने में पुलिस सुस्ती दिखा रही है।

पूर्व मंत्री ने कहा कि घटना के काफी समय बीत जाने के बाद भी सिकंदर के हत्यारे पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं, जिससे पीड़ित परिवार और प्रत्यक्षदर्शी गवाह, भय और असुरक्षा के वातावरण में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। यह स्थिति कानून व्यवस्था और अनुसंधान की प्रभावशीलता पर गंभीर प्रश्न चिन्ह खड़ा करती है।

अनुसंधान रिपोर्ट में प्रत्यक्षदर्शी गवाहों के मूल बयानों को उनके वास्तिवक स्वरूप में दर्ज करने के बजाय उन्हें परिवर्तित एवं तोड़मड़ोड़ कर अंकित कर अप्रत्यक्ष साक्षी के रूप में प्रदर्शित कर दिया गया है।

ज्ञापन के माध्यम से 14 नामजद अभियुक्तों को जल्द गिरफ्तारी, घटना रोकने में हुई प्रशासनिक विफलता की उच्चस्तरीय जांच और कार्रवाई, अनुसंधान में कथित अनियमितताओं की स्वतंत्र एजेंसी एसआइटी के माध्यम से जांच कराने, पीड़ित परिवार को 40 लाख रूपए की सहायता, एक योग्य सदस्य को सरकारी नौकरी, समुचित सुरक्षा सहित 10 मांग शामिल हैं। धरना प्रदर्शन के बाद पूर्व मंत्री मुकेश सहनी एसपी कपिल चौधरी से मिले और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के मामले में थाना प्रभारी एवं केश के अनुसंधानकर्ता की भूमिका पर सवाल उठाया। कहा कि सिकंदर चौधरी हत्याकांड और अन्य लोगों को गोली लगने की घटना में पुलिस की भूमिका संदिग्ध है। उन्होंने पुलिस के अनुसंधान रिपोर्ट पर सवाल उठाया।

कहा कि दोनों पदाधिकारी सही से इस दिशा में कार्य नहीं कर पा रहे हैं। मामले में न्याय की मांग की गयी। मुकेश सहनी के अनुसार एसपी ने उन्हें आश्वासन दिया कि 15 दिनों में निष्पक्ष एवं उचित कार्रवाई होगी। मुकेश ने कहा कि दोषी बचे नहीं और निर्दोष फंसे नहीं, की तर्ज पर कार्रवाई करने की जरूरत है, ताकि समाज में अपराध करने वालों के बीच मैसेज जाए और दोबारा से ऐसी घटना न हो। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जायेगा। हमें सरकार पर प्रशासन पर भरोसा है।

संक्षिप्त खबरें

आकाशीय बिजली गिरने से महिला की मौत

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोईलकेरा प्रखंड अंतर्गत कदमडीहा पंचायत के छोटा कुईड़ा गांव में सोमवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। इस घटना के बाद मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, 42 वर्षीय रोयबारी हेंब्रम सोमवार को बारिश के दौरान घर के आसपास मौजूद थीं। इसी बीच अचानक तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरने से महिला उसकी चपेट में आ गईं। बिजली गिरने से वह गंभीर रूप से झुलस गईं। स्थानीय ग्रामीण तुरंत उनकी सहायता के लिए पहुंचे, लेकिन घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।घटना की जानकारी मिलने के बाद कदमडीहा पंचायत की मुखिया द्रौपदी पूर्ती तथा पंचायत समिति सदस्य बुधन पूर्ती मौके पर पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और प्रशासन को घटना की सूचना दी।जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से मांग की कि प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाली महिला के परिजनों को शीघ्र सरकारी मुआवजा और अन्य राहत सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि संकट की इस घड़ी में परिवार को आवश्यक सहयोग मिल सके।

मलेरिया को लेकर अलर्ट, एक लाख लोगों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य: उपायुक्त

पूर्वी सिंहभूम: पूर्वी सिंहभूम जिले में मलेरिया के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन ने रोकथाम अभियान को और तेज करने का फैसला लिया है। सोमवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त राजीव रंजन की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में मलेरिया की स्थिति, जांच अभियान, उपचार व्यवस्था और बचाव उपायों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में एमजीएम अस्पताल के अधीक्षक, सिविल सर्जन, नगर निकायों के पदाधिकारी, सभी बीडीओ, एमओआईसी, जुस्को के प्रतिनिधि और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। उपायुक्त ने बताया कि जिले में अब तक 22 हजार लोगों की मलेरिया जांच की जा चुकी है, जबकि प्रशासन ने एक लाख लोगों की जांच का लक्ष्य निर्धारित किया है। उपायुक्त ने कहा कि अधिकारी अलर्ट मोड में काम करें। अधिक से अधिक लोगों की जांच कर संक्रमित मरीजों की समय पर पहचान करना संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने का सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप जांच अभियान में तेजी लाने और प्रत्येक संदिग्ध मरीज की जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उपायुक्त राजीव रंजन ने सहियाओं को रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट (आरडीटी) का प्रशिक्षण देकर गांव स्तर पर जांच की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही मरीजों के दवा सेवन की निगरानी फोटो, व्हाट्सएप और जीपीएस आधारित रिपोर्टिंग के माध्यम से करने को कहा, ताकि कोई भी मरीज बीच में उपचार न छोड़े।उन्होंने प्रभावित और सीमावर्ती गांवों के साथ-साथ छात्रावासों, आवासीय विद्यालयों और अन्य सामूहिक आवासीय परिसरों में विशेष जांच अभियान चलाने का आदेश दिया। सभी बीडीओ को प्रतिदिन अपने क्षेत्र में नए मरीजों की जानकारी लेने और प्रखंड स्तर पर मलेरिया नियंत्रण कार्यों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी दिए गए।उपायुक्त ने गंभीर मरीजों को 30 मिनट के भीतर एंबुलेंस उपलब्ध कराने, प्रभावित क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में दवाएं, जांच किट और कीटनाशकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा नियमित फॉगिंग कराने का निर्देश दिया। नगर निकायों को अगले तीन से चार दिनों के भीतर बड़े और छोटे नालों की विशेष सफाई कर जलजमाव खत्म करने और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने का भी आदेश दिया गया। उल्लेखनीय है कि पूर्वी सिंहभूम में मलेरिया का सबसे अधिक प्रभाव पोटका प्रखंड में देखा जा रहा है, जहां स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन ने विशेष निगरानी और नियंत्रण अभियान शुरू कर दिया है।

आरपीएफ ने नाबालिग प्रेमी युगल को किया सकुशल बरामद

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की सतर्कता से एक नाबालिग प्रेमी युगल कोसकुशल बरामद किया गया। दोनों घर से बिना बताए ओडिशा के संबलपुर जाने के लिए स्टेशन पहुंचे थे। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि दोनों की दोस्ती सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी और बाद में यह रिश्ता प्रेम प्रसंग में बदल गया। दोनों संबलपुर में जाकर साथ रहने की योजना बना चुके थे।जानकारी के अनुसार, रविवार शाम आरपीएफ प्रभारी रविंद्र कुमार पांडेय के नेतृत्व में मनोहरपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर नियमित गश्त की जा रही थी। इसी दौरान टीम की नजर एक किशोर और किशोरी पर पड़ी, जो संदिग्ध परिस्थितियों में स्टेशन पर बैठे हुए थे। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपना परिचय मनोहरपुर और गोईलकेरा थाना क्षेत्र के निवासी के रूप में दिया।

दस्तावेजों और जांच के आधार पर दोनों के नाबालिग होने की पुष्टि हुई।पूछताछ में दोनों ने बताया कि कुछ महीने पहले इंस्टाग्राम पर उनकी बातचीत शुरू हुई थी। इसके बाद मनोहरपुर के साप्ताहिक बाजार में पहली बार आमने-सामने मुलाकात हुई। लगातार संपर्क में रहने के दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध स्थापित हो गया। परिवार की जानकारी के बिना दोनों ने घर छोड़कर संबलपुर में नई जिंदगी शुरू करने का फैसला किया और इसी उद्देश्य से स्टेशन पहुंचे थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरपीएफ ने दोनों को संरक्षण में लेकर उनके परिजनों को सूचना दी। सोमवार को चाइल्ड लाइन और जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी की मौजूदगी में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। इसके बाद नाबालिग लड़की को उसके परिजनों के हवाले कर दिया गया, जबकि नाबालिग लड़के को काउंसलिंग और आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए चाइल्ड लाइन के सुपुर्द कर दिया गया।

लालगंज में पहली बारिश ने खोली विकास की पोल, सड़क पर जलजमाव से जनजीवन प्रभावित

उज्जवल दुनिया संवाददाता

लापुंग (रांची): लापुंग प्रखंड के लालगंज क्षेत्र में इस साल की पहली बारिश ने ही ग्रामीण विकास की पोल खोल दी है। लालगंजझकातीगकेला सड़क पर प्रज्ञा केंद्र संचालक गौतम साहू के घर के पास मुख्य सड़क पर भारी जलजमाव हो गया है, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। करीब 100 फीट लंबी सड़क पर 1 से 2 फीट तक पानी जमा हो गया है। यह मार्ग रोजाना सैकड़ों लोगों के आवागमन का प्रमुख रास्ता है, लेकिन जलभराव के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। स्थिति यह है कि लोग सड़क के दोनों किनारों से होकर किसी तरह आवागमन कर रहे हैं। मीणों ने बताया कि इस समस्या की जानकारी मुखिया सरोज मुंडा, उप प्रमुख विश्वनाथ मुंडा, प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ-साथ स्थानीय विधायक को भी दी गई है, लेकिन अब तक किसी स्तर पर समाधान नहीं किया गया है। जलजमाव के कारण आसपास के लोगों में नाराजगी है।

वारंटी अभिषेक को तीन थानों की पुलिस ने घेरकर किया गिरफ्तार

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : शहर के विभिन्न आपराधिक मामलों में वांछित और लंबे समय से फरार चल रहे वारंटी अभिषेक कुमार को सोमवार सुबह पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाकर गिरफ्तार कर लिया। सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के भुईयाडीह स्थित नीतिबाग कॉलोनी में हुई इस कार्रवाई के दौरान आरोपित ने पुलिस को चकमा देकर भागने की कोशिश की, लेकिन तीन थानों की पुलिस ने उसे घेरकर दबोच लिया।

पुलिस को सूचना मिली थी कि अभिषेक कुमार अपने घर पर मौजूद है। सूचना मिलते ही सीतारामडेरा, गोविंदपुर और सिदगोड़ा थाना की पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस टीम को देखते ही अभिषेक मकान की छत पर चढ़ गया और एक के बाद एक कई घरों की छतों से छलांग लगाते हुए भागने लगा। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने भी उसका पीछा किया और कुछ देर तक पूरे इलाके में छतों के ऊपर ही पकड़ने की कवायद चलती रही। इस दौरान आसपास के लोग भी घरों से बाहर निकल आए और पूरे घटनाक्रम को देखने के लिए भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने रणनीति के तहत सभी संभावित रास्तों को पहले ही घेर लिया था। भागने के दौरान अभिषेक को चोट लगी, जिससे उसकी रफ्तार धीमी पड़ गई और पुलिस ने उसे दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकीय जांच पूरी होने के बाद उसे थाना लाकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई।सीतारामडेरा थाना प्रभारी आनंद मिश्रा ने बताया कि अभिषेक कुमार के खिलाफ जमशेदपुर के कई थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से फरार था और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। सोमवार को मिली सटीक सूचना के आधार पर संयुक्त कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

लेटे गांव में 11 हजार वोल्ट का झूलता तार बना खतरा, रथ यात्रा स्थल के पास हादसे की आशंका

उज्जवल दुनिया संवाददाता

लापुंग (रांची): लापुंग प्रखंड के लेटे गांव में 11 हजार वोल्ट का बिजली तार झूलता हुआ किसी बड़ी अनहोनी को आमंत्रित कर रहा है। रथ यात्रा स्थल के समीप यह हाईटेंशन तार महज सात-आठ फीट की ऊंचाई से गुजर रहा है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।स्थानीय लोगों के अनुसार, यह मार्ग रथ यात्रा का प्रमुख स्थल है, जहां 16 जुलाई को प्रतिवर्ष की भांति रथ यात्रा का आयोजन होना है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती है, ऐसे में झूलता हुआ बिजली तार गंभीर हादसे का कारण बन सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि लेटे रथ टांड़ से एकलव्य विद्यालय लेटे जाने वाली सड़क के किनारे यह नंगा बिजली तार लंबे समय से इसी स्थिति में झूल रहा है। कई बार इसकी शिकायत विद्युत अभियंता, रातू चट्टी के नाम आवेदन देकर बिजली विभाग के कर्मियों को की गई, लेकिन महीनों बीत जाने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने विभाग की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो रथ यात्रा के दौरान बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

एसएसपी ने ट्रैफिक शाखा के 43 पुलिस पदाधिकारियों का किया तबादला

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. एहतेशाम वकारिव ने सोमवार को ट्रैफिक शाखा में तैनात 43 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया है। जारी आदेश के तहत इन अधिकारियों को शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न थानों, सीसीआर साकची तथा पुलिस केंद्र गोलमुरी में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस विभाग के अनुसार यह फेरबदल प्रशासनिक आवश्यकता के अनुरूप किया गया है, जिससे अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। जारी स्थानांतरण आदेश के अनुसार पुलिस अवर निरीक्षक कामाख्या पासवान को यातायात थाना साकची से टेल्को थाना, रमेश कुमार पाण्डेय को यातायात थाना साकची से कागलपुर थाना, अरविंद राय को यातायात थाना बिष्टुपुर से घाटशिला थाना, तथा चेंगो राम पिंगुआ को यातायात थाना जुगसलाई से सुंदरनगर थाना भेजा गया है। बाबूराम सिंह को यातायात थाना जुगसलाई से पुलिस केंद्र गोलमुरी में पदस्थापित किया गया है। सहायक अवर निरीक्षक खालिक अहमद अंसारी को पटमदा थाना, लाल बिहारी राम को गालूडीह थाना, नरेंद्र सिंह को घाटशिला थाना, प्रमोद कुमार सिंह-2 को कोवाली थाना, कौलेश्वर बास्की को पोटका थाना, भेषनंदन राय को गोविंदपुर थाना, रामलाल राम-1 को साकची थाना, जय कुमार दास और सुंदर राम को जुगसलाई थाना, जितेंद्र कुमार-3, भीमसागर राम, निर्भय कुमार सिंह, कुमार विनय, प्रभु राम, अशेष कुमार पासवान, कामता प्रसाद सिंह, बृजेश सिंह, खीस्त निकोदिम बेक, प्रमोद रजवार, ब्रजेश कुमार-2, बोधी रजक, संजय कुमार-1, दिनेश कुमार नौनिया तथा रामाकांत राम को सीसीआर साकची में पदस्थापित किया गया है। इसके अलावा मोतीलाल को पुलिस केंद्र गोलमुरी, संतोष कुमार-1 को साकची थाना, अजीत कुमार राय को गोलमुरी थाना, शमशाद आलम को पटमदा थाना, नरेश कुमार राम को घाटशिला थाना, मो. औरंगजेब-1 को आजादनगर थाना, दिलीप कुमार-1 को गोविंदपुर थाना, नरेश प्रसाद महतो को श्यामसुंदरपुर थाना, अर्चना कुमारी को बिष्टुपुर थाना, उमेश सिंह को गुड़ाबांदा थाना, पारस सिंह को मुसाबनी थाना, सुबोध कुमार को कमलपुर थाना तथा नरेंद्र कुमार को डुमरिया थाना में नई जिम्मेदारी दी गई है।एसएसपी कार्यालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि इस प्रशासनिक फेरबदल का उद्देश्य थानों में पुलिस बल को सुदृढ़ करना, अपराध नियंत्रण को और प्रभावी बनाना तथा आम लोगों को बेहतर और त्वरित पुलिस सेवा उपलब्ध कराना है। पुलिस विभाग ने सभी स्थानांतरित अधिकारियों को अविलंब अपने नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया है।

डकैती मामले में फरार दो आरोपित गिरफ्तार

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : परसुडीह थाना क्षेत्र के छोटा गोविंदपुर में अवैध हथियार के साथ डकैती की साजिश रचने और बड़ी आपराधिक वारदात की तैयारी के मामले में करीब नौ माह से फरार चल रहे दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान छोटा गोविंदपुर निवासी लखीकांत गोप उर्फ बेगी (35) और समीर गोप उर्फ पोल्टु गोप (34) के रूप में हुई है। समीर वर्तमान में छोटा गोविंदपुर के सुभाषनगर में रह रहा था, जबकि उसका स्थायी पता पोटका थाना क्षेत्र के बंगालीबासा में है। सोमवार को आयोजित प्रेसवार्ता में सिटी एसपी ललित मीणा ने बताया कि दोनों आरोपितों की तलाश अक्टूबर 2024 में दर्ज मामले में पुलिस को थी। पहले गिरफ्तार किए गए आरोपितों से पूछताछ के दौरान इनके नाम सामने आए थे, जिसके बाद से पुलिस लगातार इनकी तलाश में जुटी थी। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर दोनों को गिरफ्तार किया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सिटी एसपी ने बताया कि 25 अक्टूबर 2024 की शाम पुलिस को सूचना मिली थी कि छोटा गोविंदपुर स्थित काली मंदिर के पास एक नवनिर्मित फ्लैट के समीप कुछ अपराधी अवैध हथियारों के साथ एकत्र होकर डकैती की योजना बना रहे हैं। सूचना के सत्यापन के लिए पुलिस ने तत्काल छापेमारी की थी। कार्रवाई के दौरान सुजल गोप, दिनेश पात्रो उर्फ शुरू बाबू, राकेश पाल उर्फ सोना भगत, सनुष गोप और असीन दास को गिरफ्तार किया गया था।

तलाशी के दौरान राकेश पाल उर्फ सोना भगत के पास से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया था। सभी पांचों आरोपितों को 26 अक्टूबर 2024 को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। पूछताछ के दौरान पुलिस को लखीकांत गोप और समीर गोप की संलिप्तता की जानकारी मिली थी, लेकिन दोनों घटना के बाद से फरार थे। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार लखीकांत गोप के खिलाफ वर्ष 2016 में परसुडीह थाना में रंगदारी, चोरी, तोड़फोड़, धमकी और अन्य आपराधिक धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं। वहीं समीर गोप उर्फ पोल्टु गोप के खिलाफ वर्ष 2018 में रास्ता रोकने, मारपीट, रंगदारी, गाली-गलौज, धमकी तथा आर्म्स एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं।

श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

एजेंसी

भागलपुर : आगामी श्रावण मास एवं श्रावणी मेला-2026 के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर जिलाधिकारी अलंकृता पांडे ने सोमवार को बाबूपुर घाट से बूढ़ानाथ एवं भूतनाथ मंदिर तक विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विभिन्न गंगा घाटों, शिवालयों एवं श्रद्धालुओं के आवागमन मार्गों का गहन निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में डीएम ने एस.एम. कॉलेज घाट, बूढ़ानाथ घाट, बरारी घाट, भूतनाथ घाट सहित प्रमुख गंगा घाटों एवं शिवालयों का मुआयना किया। उन्होंने घाटों की साफ-सफाई, सीढ़ियों की स्थिति, श्रद्धालुओं के आवागमन मार्ग, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा

प्रबंध, बैरिकेडिंग, पेयजल, शौचालय, नियंत्रण कक्ष, आपदा प्रबंधन एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का बिंदुवार निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने का निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि आगामी श्रावणी मास को दृष्टिगत रखते हुए भागलपुर जिला के विभिन्न गंगा घाटों से प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पवित्र गंगाजल लेकर बाबा बासुकीनाथ, बाबा बैद्यनाथ धाम सहित विभिन्न शिवधामों के लिए प्रस्थान करते हैं इसके अतिरिक्त जिले के प्रमुख शिवालयों में भी श्रावण मास के दौरान जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। इसे देखते हुए सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया कि गंगा घाटों, शिवालयों एवं श्रद्धालुओं के आवागमन मार्गों पर स्वच्छता, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, बैरिकेडिंग तथा अन्य सभी आवश्यक सुविधाएं समय से उपलब्ध कराई जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।निरीक्षण के दौरान डीएम ने विशेष रूप से निर्देश दिया कि सभी घाटों एवं मंदिर परिसरों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। श्रद्धालुओं के आवागमन वाले मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखा जाए तथा आवश्यकता अनुसार मरम्मत एवं समतलीकरण का कार्य किया जाए। 3 उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, दंडाधिकारी, गोताखोर, बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेतक एवं सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के क्रम में डीएम ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किए जा रहे प्रबंधों का भी अवलोकन किया। साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि नगर निगम, विद्युत, स्वास्थ्य, पेयजल, आपदा प्रबंधन एवं पुलिस प्रशासन आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त, नगर निगम किसलय कुशवाहा, अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) कुंदन कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार सहित विभिन्न विभागों के संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जनसमस्याओं के ऑन-द-स्पॉट समाधान के लिए मंगलवार को लगेगा 'सहयोग शिविर'

एजेंसी

कटिहार: जिला प्रशासन आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मंगलवार (7 जुलाई) को जिले के सभी 16 प्रखंडों की चुनिंदा पंचायतों में विशेष 'सहयोग शिविर' का आयोजन करने जा रहा है। सोमवार को समाहरणालय के एनआईसी कक्ष में जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में आयोजित समन्वय समिति की उच्च स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और आम लोगों की शिकायतों का मौके पर ही निपटारा करना है। इन शिविरों में मुख्य रूप से दाखिल-खारिज, परिमार्जन, भू-स्वामित्व प्रमाण पत्र जैसे राजस्व मामलों के

साथ-साथ आवास, पेंशन, राशन कार्ड, जॉब कार्ड और लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान जैसी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता को दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त एफआईआर, पारिवारिक विवाद, चरित्र सत्यापन और महिला सुरक्षा से जुड़े पुलिस विभागीय मामलों पर भी त्वरित सुनवाई होगी।

बैठक में बाढ़ राहत कार्यों की भी गहन समीक्षा की गई। डीएम श्री आशुतोष द्विवेदी ने सभी अंचलाधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि वर्ष 2025 की बाढ़ राहत (जीआर) राशि का वितरण हर हाल में केवल 'आपदा संपूर्ति पोर्टल' के माध्यम से ही किया जाए। पोर्टल पर सभी पात्र लाभुकों का डेटा अपडेट करने और किसी भी विसंगति का तुरंत समाधान करने को कहा गया है। जिलाधिकारी ने विभागों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाने पर जोर देते हुए सभी अंचलाधिकारियों को भूमि उपलब्धता से संबंधित लंबित अनापत्ति प्रमाण पत्रों का जल्द निष्पादन करने का आदेश दिया।

बाढ़ से निपटने को प्रशासन सतर्क,हो रही निगरानी

एजेंसी

पूर्णिया : जिले में संभावित बाढ़, कटाव और आपदा से बचाव को लेकर जिला प्रशासन लगातार सतर्कता बरत रहा है। संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील स्थलों का भौतिक निरीक्षण कर बाढ़ सुरक्षात्मक तथा कटाव निरोधात्मक कार्यों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी पूर्णिया प्रणव कुमार द्वारा बायसी अनुमंडल क्षेत्र में बाढ़ सुरक्षात्मक एवं कटाव निरोधक कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बायसी अनुमंडल के विभिन्न प्रभावित एवं संवेदनशील इलाकों का दौरा कर जलस्तर की स्थिति, कटाव की संभावना तथा सुरक्षा कार्यों का जायजा लिया। जलस्तर के उतार-चढ़ाव और संभावित खतरे को देखते हुए

अत्यधिक संवेदनशील स्थलों पर 24 घंटे मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके।

बाढ़ नियंत्रण से जुड़ी आवश्यक सामग्रियों जैसे जियो बैग, बांस क्रेट आदि का पर्याप्त स्टॉक रखने का भी निर्देश दिया गया, जिससे आवश्यकता पड़ने पर त्वरित राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया जा सके। निरीक्षण के दौरान स्थानीय ग्रामीणों से भी संवाद किया गया और धरातल पर आ रही समस्याओं की जानकारी ली गई, ताकि सुरक्षात्मक उपायों को और मजबूत बनाया जा सके। सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी प्रणव कुमार ने बताया कि जिला आपातकालीन संचालन केंद्र 247 सक्रिय है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की समस्या या आपात स्थिति की सूचना दूरभाष संख्या 06454-242317, 06454-242319 एवं 06454-242320 पर दें, ताकि आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय पर त्वरित कार्रवाई की जा सके।

36 घंटे में रिजवान हत्याकांड का खुलासा, पत्नी और उसके सहयोगी गिरफ्तार

एजेंसी

किशनगंज: किशनगंज पुलिस ने बिशनपुर थाना क्षेत्र में 42 वर्षीय रिजवान आलम की हत्या के सनसनीखेज मामले का महज 36 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए मृतक की पत्नी डेजी परवीन और उसके सहयोगी अनवर हुसैन को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, दोनों ने अवैध संबंधों के चलते योजनाबद्ध तरीके से हत्या को अंजाम दिया और घटना को चोरी का रूप देने का प्रयास किया। पुलिस अधीक्षक हरिमोहन शुक्ला के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-1 खुसरू सिराज के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने तकनीकी अनुसंधान, पूछताछ और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर मामले का खुलासा सोमवार को किया।

घटना 4 जुलाई की सुबह सामने आई थी, जब रिजवान आलम अपने घर के बेडरूम में मृत पाए गए। मृतक के पिता नजीर आलम के बयान पर बिशनपुर थाना में हत्या का मामला दर्ज किया गया था। शुरूआती पूछताछ में मृतक की पत्नी बार-बार चोरी की कहानी बताकर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास करती रही। हालांकि तकनीकी जांच में उसके एक युवक से लगातार संपर्क में रहने का पता चला।पूछताछ में युवक की पहचान अनवर हुसैन के रूप में हुई। पुलिस ने जब अनवर से सख्ती से पूछताछ की तो उसने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। पुलिस के अनुसार, अनवर ने बताया कि उसका डेजी परवीन से करीब नौ वर्षों से संबंध था।

हाल ही में रिजवान को दोनों के रिश्ते की जानकारी हो गई थी और वह विदेश वापस नहीं जाने का निर्णय ले चुका था। इससे दोनों को अपने संबंध उजागर होने का डर था। इसी कारण दोनों ने मिलकर हत्या की साजिश रची। योजना के तहत घटना की रात डेजी ने अनवर को घर बुलाया।

सोनपुर आयोजना क्षेत्र का होगा विस्तार

एजेंसी

सारण: जिले के विकास को एक नई ऊंचाई देते हुए सोनपुर आयोजना क्षेत्र प्राधिकार के प्रस्तावित द्वितीय विस्तार को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया है। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित हितधारकों की एक बैठक में यह निर्णय लिया गया। पूर्व में प्राप्त सभी दावा-आपत्तियों के सफल निराकरण के बाद बुलाई गई इस बैठक के बाद, अब इस प्रस्ताव को अंतिम स्वीकृति और अधिसूचना के लिए नगर विकास एवं आवास विभाग को भेजा जाएगा। इस नए विस्तार के तहत अब मकेर एवं अमनौर प्रखंडों को भी सोनपुर आयोजना क्षेत्र में शामिल कर लिया गया है। इस जुड़ाव के बाद इसका कुल क्षेत्रफल लगभग 800 वर्ग किलोमीटर हो जाएगा। इस बदलाव

के साथ ही यह इलाका बिहार के सबसे विशाल आयोजना क्षेत्रों में से एक बन जाएगा, जिसके दायरे में कुल 575 राजस्व ग्राम और 3 शहरी प्रशासनिक इकाइयाँ शामिल होंगी।

वर्ष 2023 में अधिसूचित इस क्षेत्र का दायरा 2025 में बढ़ाकर 600 वर्ग किमी किया गया था, जिसमें दरियापुर, दिघवारा, सोनपुर, गड़खा और परसा शामिल थे। अब इसमें 200 वर्ग किमी का अतिरिक्त क्षेत्र और जुड़ने जा रहा है।बैठक में ऑनलाइन जुड़े सारण के सांसद राजीव प्रताप रूडी ने इस विजन की सराहना करते हुए कहा कि यह विस्तारित क्षेत्र भविष्य में नया पटना के स्वरूप में विकसित होगा। उन्होंने जोर दिया कि इस महा-आयोजना में अन्नदाताओं के हितों का विशेष ध्यान रखते हुए विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

जिलाधिकारी ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में प्रस्तावित हरिहरनाथपुरम ग्रीन फील्ड सैटेलाइट टाउनशिप, सोनपुर ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट, हरिहरनाथ कॉरिडोर और फिल्म सिटी जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को धरातल पर उतारना है। साथ ही, शेरपुर-दिघवारा ब्रिज और पटना रिंग रोड के किनारे हो रहे तीव्र विकास को सुव्यवस्थित कर स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करना है। इस बैठक में विधायक विनय सिंह, छोटी कुमारी सहित कई वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मंजूषा हटिया लोक कला प्रदर्शनी संपन्न, नवाचार और परंपरा का अद्भुत संगम बना आकर्षण

एजेंसी

भागलपुरः भागलपुर के संग्रहालय में आयोजित ह्यमंजूषा हटियाह्ल लोक कला प्रदर्शनी सोमवार को सम्पन्न हो गया। अंग प्रदेश की गौरवशाली लोक चित्रकला मंजूषा कला के संरक्षण, संवर्धन एवं कलाकारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रदर्शनी में जिले सहित आसपास के क्षेत्रों के 50 से अधिक मंजूषा कलाकारों ने अपनी उत्कृष्ट एवं विविधतापूर्ण कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कला प्रेमियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा आम नागरिकों की उपस्थिति रही, जिन्होंने कलाकारों की कलाकृतियों का अवलोकन करने के साथ-साथ उनसे सीधे कलाकृतियाँ खरीदकर उन्हें प्रोत्साहित भी किया।कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन अंकित रंजन जिला कला एवं संस्कृति

पदाधिकारी सह सहायक संग्रहालयाध्यक्ष द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर शिव शंकर सिंह ह्यपारिजातह्ल, राजीवकान्त मिश्रा, मनोज पंडित, डॉ. उलूपी झा सहित अनेक गणमान्य अतिथि, पदाधिकारी, वरिष्ठ कलाकार, युवा कलाकार एवं कला प्रेमी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा कलाकारों द्वारा किए जा रहे रचनात्मक कार्यों की सराहना की। अपने उद्घाटन संबोधन में जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी ने कहा कि ह्यमंजूषा हटियाह्ल केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि मंजूषा कलाकारों के लिए संवाद, सीखने और नवाचार का साझा मंच है। यहाँ विभिन्न क्षेत्रों के कलाकार एक साथ आते हैं, अपने अनुभव साझा करते हैं, नई तकनीकों पर चर्चा करते हैं तथा पारंपरिक कला को आधुनिक संदर्भों में प्रस्तुत करने के प्रयोगों को एक-दूसरे से साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी कलाकार के लिए अपनी कला को सीधे दर्शकों और खरीदारों के समक्ष प्रस्तुत करने का इससे बेहतर अवसर नहीं हो सकता। यह मंच कलाकारों को पहचान देने के साथ-साथ उन्हें आर्थिक रूप से भी सशक्त बनाने का माध्यम बन रहा है। इस प्रदर्शनी की सबसे बड़ी विशेषता कलाकारों द्वारा मंजूषा कला में किए गए नवाचार एवं प्रयोग रहे, जिन्होंने आगंतुकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से फाइन आर्ट में स्नातक सोनाली कुमारी ने चुकंदर, धनिया एवं हल्दी से प्राप्त प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर मंजूषा चित्रों का निर्माण किया। उनके इस प्रयोग ने यह संदेश दिया कि पारंपरिक लोक कला को पर्यावरण के अनुकूल प्राकृतिक माध्यमों से भी समृद्ध किया जा सकता है। वरिष्ठ मंजूषा कलाकार माला घोष ने अपने चित्रों के बैकग्राउंड को गोबर से तैयार कर उस पर पारंपरिक मंजूषा चित्रांकन किया। उनके इस प्रयोग ने भारतीय ग्रामीण परंपरा, प्राकृतिक संसाधनों तथा लोक कला के अद्भुत समन्वय को प्रस्तुत किया।

प्रदर्शनी का एक अन्य आकर्षण सरकारी विद्यालय की शिक्षिका प्रियंवदा द्वारा प्रस्तुत क्रोशिया शैली में ऊन से निर्मित मंजूषा मोटिफ्स रहे। यह प्रयोग दशार्ता है कि मंजूषा कला केवल चित्रांकन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे वस्त्र, शिल्प एवं सजावटी कलाओं में भी प्रभावी रूप से विकसित किया जा सकता है। आगंतुकों ने इन सभी नवाचारी प्रस्तुतियों की मुक्त कंठ से सराहना की। कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण पक्ष कलाकारों को प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ उपलब्ध कराना भी रहा।

संक्षिप्त खबरें

उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र यादव सारण के सहयोग शिविर में होंगे शामिल: जिलाधिकारी

सारण : समाहरणालय सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में साप्ताहिक समन्वय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विभिन्न विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए कई कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में मुख्य रूप से 7 जुलाई को आयोजित होने वाले सहयोग शिविर की तैयारियों पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि इस शिविर में उपमुख्यमंत्री सह प्रभारी मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव शामिल होंगे। उन्होंने सभी बीडीओ और वरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविर का सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करें ताकि जनता को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके। इसके अलावा टीबी मुक्त भारत अभियान' के तहत पंचायतों और अस्पतालों में विशेष स्क्रीनिंग शिविर लगाने, आरबीएसके टीम द्वारा स्कूलों में बच्चों की जांच करने तथा आशा व जीविका दीदियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने का निर्देश दिया गया।मानसून के मद्देनजर शहरी निकायों और सड़क निर्माण विभागों को जलजमाव वाले हॉटस्पॉट की पहचान कर जल निकासी के त्वरित और दीर्घकालिक उपाय करने के निर्देश दिए गए। बैठक में डीडीसी और अपर समाहर्ता सहित सभी प्रमुख जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

भागलपुर रेलवे स्टेशन पर रेलवन ऐप को लेकर जागरूकता अभियान आयोजित

भागलपुर : भारतीय रेलवे यात्रियों को अधिक सरल, सुरक्षित एवं डिजिटल सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। इसी क्रम में रेलवे की विभिन्न सेवाओं को एक ही डिजिटल मंच पर उपलब्ध कराने वाले रेलवन ऐप को जन-जन तक पहुँचाने की मुहिम शुरू की गई। यात्रियों को स्मार्ट, सुविधाजनक एवं एकीकृत डिजिटल टिकटिंग प्रणाली से जोड़ने के उद्देश्य से मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मालदा कार्तिक सिंह के पर्यवेक्षण में भागलपुर रेलवे स्टेशन पर सोमवार को रेलवन ऐप जागरूकता अभियान चलाया गया। वाणिज्य निरीक्षक भागलपुर के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा स्टेशन परिसर में उपस्थित यात्रियों को ह्वरेलवन ऐप डाउनलोड करने के लिए प्रेरित किया गया तथा इसकी प्रमुख सुविधाओं, जैसे आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट बुकिंग, प्लेटफॉर्म टिकट, पीएनआर स्थिति, लाइव ट्रेन रनिंग स्टेटस, कोच एवं प्लेटफॉर्म संबंधी जानकारी सहित विभिन्न डिजिटल रेलवे सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अभियान के दौरान अनेक यात्रियों ने मौके पर ही ह्वरेलवन ऐप डाउनलोड किया। वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों ने यात्रियों से अपनी दैनिक यात्रा में ह्वरेलवन ऐप का अधिकाधिक उपयोग करने की अपील की, ताकि रेलवे सेवाओं का लाभ सरल, त्वरित, सुरक्षित एवं डिजिटल माध्यम से प्राप्त किया जा सके। उल्लेखनीय है कि मालदा मंडल यात्रियों के बीच डिजिटल जागरूकता को बढ़ावा देने तथा रेलवे सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी एवं उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से इस प्रकार के जागरूकता अभियानों का आयोजन निरंतर करता रहेगा।

बीएयू में अपशिष्ट से समृद्धि, मिशन आम गुठली कार्यशाला का शुभारंभ

भागलपुर : बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर के नेचर क्लब एवं उद्यान (फसलोत्तर प्रबंधन) विभाग द्वारा आयोजित ₹अपशिष्ट से समृद्धि, मिशन आम गुठली कार्यशाला₹ का शुभारंभ सोमवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) डी. आर. सिंह द्वारा हरित ध्वज दिखाकर किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि आम की गुठली वेस्ट नहीं, बल्कि एक बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधन है। यदि हम इसे कचरे में फेंकने के बजाय वैज्ञानिक तरीके से एकत्रित करें, तो इससे उच्च मूल्य वाले खाद्य, औद्योगिक एवं जैव-आधारित उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं। अपशिष्ट को संपदा में बदलना ही भविष्य की सतत एवं आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की दिशा है। बिहार कृषि विश्वविद्यालय का यह अभियान स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नवाचार तथा ग्रामीण उद्यमिता को एक साथ जोड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार तथा भागलपुर जिले के सभी नागरिकों से अपील की कि वे आम खाने के बाद गुठलियों को फेंकने के बजाय उन्हें अच्छी तरह साफ करें, छाया में सुखाएं तथा अपने निकटतम संग्रह केन्द्र पर जमा करें। उन्होंने बताया कि नेचर क्लब द्वारा इन संग्रह केन्द्रों से नियत अवधि पर नियमित रूप से गुठलियों का संग्रह किया जाएगा। इसके बाद उनका वैज्ञानिक प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन कर खाद्य, न्यूट्रास्यूटिकल, कॉस्मेटिक तथा अन्य उच्च मूल्य के उत्पाद विकसित किए जाएंगे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डीन एवं निदेशकगण, बिहार कृषि महाविद्यालय, सबौर के प्राचार्य, नेचर क्लब के सदस्य, उद्यान (फसलोत्तर प्रबंधन) विभाग के वैज्ञानिक, फल प्रौद्योगिकी के वैज्ञानिक, आम अपशिष्ट के मूल्य संवर्धन पर कार्य कर रहे शोधकर्ता, विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यशाला के दौरान आम की गुठली के वैज्ञानिक उपयोग, संग्रहण, प्रसंस्करण एवं वेस्ट टू वेल्थ की अवधारणा पर विस्तृत जानकारी दी गई। कुलपति ने यह भी कहा कि यह जन-जागरूकता अभियान केवल बिहार कृषि विश्वविद्यालय परिसर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे पूरे विश्वविद्यालय परिसर, सबौर नगर तथा भागलपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर संचालित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस अभियान से जुड़ें और अपशिष्ट को आय, रोजगार तथा पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी माध्यम बनाया जा सके। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एम. ए. आफताब, अध्यक्ष, उद्यान (फसलोत्तर प्रबंधन) विभाग, बिहार कृषि महाविद्यालय, सबौर तथा नेचर क्लब के अन्य सदस्यों, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

रेल समस्याओं और सुविधाओं को लेकर सिविल सोसाइटी की हुई बैठक

अररिया : जोगबनी कटिहार रेलखंड की समस्याओं और रेल सुविधा के विस्तार को लेकर सोमवार को फारबिसगंज सिविल सोसाइटी की बैठक अध्यक्ष मांगीलाल गोलछा की अध्यक्षता में डीआरयूसीसी सदस्य एवं सोसाइटी के संरक्षक बछराज राखेचा के आवास पर हुई। बैठक में त्रिदिवसीय जोगबनी से कोलकाता जाने वाली चित्तपुर एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन प्रतिदिन किए जाने,जोगबनी से सिलीगुड़ी वाया कटिहार जाने वाली ट्रेन को अररिया ठाकुरगंज के रास्ते प्रतिदिन चलाने और रेलखंड में चलने वाली पैसेंजर्स ट्रेन में बोगियों की न्यूनतम संख्या 12 करने को लेकर विचार विमर्श किया गया।इसके अलावा जोगबनी से कटिहार के लिए प्रातः साढ़े आठ बजे और कटिहार से वापसी 12 बजे नए ट्रेन का परिचालन करने पर विचार करते हुए सांसद प्रदीप कुमार सिंह को शिष्टमंडल के द्वारा ज्ञापन सौंपे जाने का निर्णय लिया गया। सोसाइटी के सदस्यों ने सांसद प्रदीप कुमार सिंह से फोन पर बातचीत भी की, जिस पर उन्होंने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। बैठक में विनोद सरावगी, अजातशत्रु अग्रवाल, पवन मिश्रा, वाहिद अंसारी, शाहजहां शाद, सुभाष अग्रवाल, रमेश सिंह, गोपाल सोनू, पंकज रणजीत, चंदन भगत, राकेश रोशन, राशिद जुनैद आदि उपस्थित रहे।

भैंस को बचाने के प्रयास में नदी में डूबे पशुपालक की मौत

सुपौलः सदर थाना क्षेत्र के परसरमा-परसौनी पंचायत अंतर्गत बलियास पट्टी वार्ड संख्या-09 में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में 42 वर्षीय पशुपालक की खैरदहा नदी में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की पहचान बलियास पट्टी वार्ड संख्या-09 निवासी दशरथ यादव (42), पिता स्वर्गीय जागो यादव के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि दशरथ यादव पशुपालन कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। सोमवार को वह रोज की तरह अपनी भैंस को नहलाने के लिए घर के पास स्थित खैरदहा नदी गए थे।प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के अनुसार, नहलाने के दौरान भैंस अचानक गहरे पानी में चली गई। उसकी रस्सी हाथ से छूटने पर दशरथ यादव उसे काबू करने के लिए नदी के भीतर चले गए, लेकिन गहराई का अंदाजा नहीं लगने के कारण पानी में डूब गए।काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजन उनकी तलाश में नदी किनारे पहुंचे।

इस ट्रिक से करें कैट की तैयारी

एमबीए करने के लिए कई लोग आईआईएम जैसे संस्थान से पढ़ाई करना चाहते हैं। आईआईएम में एडमिशन लेना इतना आसान नहीं हैं। इसके लिए आपको कैट की तैयारी करनी होती हैं। कई लोग कैट का एग्जाम आसानी से क्लियर कर लेते हैं। वहीं कई लोग 2 साल तक तैयारी करते हैं लेकिन इसके बाद भी कैट के एग्जाम को किल्यर नहीं कर पाते हैं। चलिए जानते हैं कैसे आप आसानी से कर सकते हैं कैट की तैयारी।

क्या आईआईएम में एडमिशन लेना है आसान

आईआईएम से पढ़ने का सपना हर किसी का होता है। ऐसे में इस कॉलेज में एडमिशन लेना काफी छात्र चाहते हैं लेकिन हर किसी का एडमिशन इस कॉलेज में नहीं हो पाता है।

कैट का एग्जाम कब होता है

आईआईएम तक पहुंचने के लिए कैट का एग्जाम क्लियर करना पड़ता है। हर साल कैट की परीक्षा नवंबर महीने से दिसंबर महीने के बीच होती है। वहीं इसके ऑनलाईन फॉर्म अगस्त के आसपास उपलब्ध होते हैं।

एग्जाम पैटर्न

इस परीक्षा में आपसे ऑब्जेक्टिव तथा सब्जेक्टिव दोनों तरह के सवाल पूछे जाते हैं। यह परीक्षा के तीन भागों में बांटा जाता है और आपको हर एक भाग के लिए 60 मिनट का समय भी दिया जाता है। कुल मिलाकर आपको 180 मिनट मिलते हैं और आपको 180 मिनट में 100 सवालों के जवाब देने होते हैं।

कैट का एग्जाम के लिए कैसे तैयारी करें

कैट के एग्जाम को क्लियर करने के लिए आपको रोजाना छह से आठ घंटे पढ़ाई करनी होगी। अगर आप कैट के लिए अच्छे से पढ़ाई करते हैं तो आप महज 6 महीने में कैट एग्जाम को क्लियर कर सकते हैं। कैट की तैयारी के लिए आप कोचिंग भी कर सकते हैं।

विषय की पूरी जानकारी हैं जरूरी

आप जिस भी विषय की पढ़ाई कर रहे हो आपको उस विषय में अच्छी पकड़ रखनी होगी। पढ़ने के बाद उसी विषय से संबंधित ऑब्जेक्टिव टाइप के प्रश्नों का हल करें।

इंग्लिश पर दें ध्यान

आपको अपनी इंग्लिश पर भी ध्यान देना चाहिए। कैट के एग्जाम में थोड़ी टफ इंग्लिश पूछी जाती है इसलिए इंग्लिश की प्रैक्टिस अच्छे से करें। रोजाना इंग्लिश न्यूज़ पेपर पढ़े और ज्यादा से ज्यादा अपनी वोकैबलरी पर काम करे।

शॉपिंग को बनाए अपना करियर ऑप्शन

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें शॉपिंग करना काफी अच्छा लगता है। जिसमें वे ढेर सारे पैसे खर्च कर देते हैं। हालांकि, ऐसे कई करियर ऑप्शन होते हैं, जो शॉपहॉलिक इंसान के लिए काफी अच्छे माने जाते हैं।

करियर ऑप्शन चुनते समय यह बेहद जरूरी है कि आप अपनी पसंद-नापसंद और स्वभाव को जरूर देखें। हर व्यक्ति अलग तरह का होता है और इसलिए अगर वह अपने अनुसार करियर ऑप्शन चुनता है तो वह सफलता के नए मुकाम हासिल करता है। मसलन, अगर आप शॉपहॉलिक हैं तो ऐसे में आप अपने काफी सारे पैसे सिर्फ और सिर्फ शॉपिंग में ही खर्च कर देते हैं। जिससे बाद में आपको दुख होता है, लेकिन फिर भी आप खुद को रोक नहीं पाते हैं।

ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपनी इसी आदत को अपना करियर ऑप्शन बना लें। जी हां, आज के समय में एक शॉपहॉलिक व्यक्ति के लिए भी करियर ऑप्शन की कोई कमी नहीं है। ऐसा व्यक्ति फैशन, ट्रेंड और रिटेल की दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना सकता है।

इससे ना केवल उन्हें शॉपिंग को एन्जॉय करने का मौका मिलता है, बल्कि इसके लिए वे अच्छे खासे पैसे भी कमाते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही करियर ऑप्शन के बारे में बता रहे हैं, जो एक शॉपहॉलिक व्यक्ति के लिए बेहतर ऑप्शन रहेंगे

फैशन बायर

एक शॉपहॉलिक व्यक्ति के लिए फैशन बायर बेहतरीन करियर ऑप्शन है। जो फैशन बायर होता है, वह रिटेल स्टोर्स के लिए कपड़े व एक्सेसरीज खरीदता है। इसके लिए जरूरी है कि वह लेटेस्ट फैशन ट्रेन्ड्स की जानकारी रखता हो। साथ ही साथ, सप्लायर्स से नेगेशिएट करने से लेकर सेल्स डाटा को एनालाइज कर सके। एक सक्सेसफुल फैशन बायर बनने के लिए आपको कस्टमर्स की पसंद-नापसंद का अंदाजा लगाना आना बेहद जरूरी है। अगर आप बतौर फैशन बायर अपना करियर आगे बढ़ाना चाहते हैं तो ऐसे में आप फैशन मर्चेंडाइजिंग, बिजनेस या उससे संबंधित फील्ड में डिग्री हासिल करें।

पर्सनल शॉपर

अगर आपको फैशन की गही समझ है और आप लेटेस्ट ट्रेन्ड्स पर अपनी पैनी नजर रखते हैं तो ऐसे में पर्सनल शॉपर या स्टाइलिस्ट बनकर भी अच्छा खासा पैसा कमा सकते हैं। ऐसे पर्सनल शॉपर अपने क्लाइंट के लिए कपड़ों से लेकर एक्सेसरीज तक के लिए शॉपिंग करता है। उसका काम अपने क्लाइंट की पसंद-नापसंद को समझते हुए उसके ओवरऑल स्टाइल को इंप्रूव करना होता है। इस फील्ड में करियर बनाने के लिए किसी कोर्स को करने की खास जरूरत नहीं है, लेकिन फिर भी फैशन व स्टाइलिंग से जुड़ा कोर्स आपको पर्सनल स्टाइलिंग की बेहतर समझ देगा।

फैशन ब्लॉगर

फैशन ब्लॉगर या इन्फ्लुएंसर बनकर भी आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। एक फैशन ब्लॉगर या इन्फ्लुएंसर स्पोन्सर्ड कंटेंट की मदद से काफी अच्छा पैसा कमा सकते हैं। वे लोगों को बेहतर तरीके से स्टाइल करने के टिप्स देते हैं और इसके लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की मदद लेते हैं। अगर आप बतौर फैशन ब्लॉगर या इन्फ्लुएंसर काम करना चाहते हैं तो सोशल मीडिया पर ब्लॉगिंग शुरू करें। इसमें आप हाई क्वालिटी कंटेंट पेश करें। जिससे लोग आपसे जुड़ने लगें और कई ब्रांड्स आपके साथ कोलेबोरेशन करना चाहें।

फैशन इवेंट को-ऑर्डिनेटर

एक शॉपहॉलिक व्यक्ति फैशन इवेंट को-ऑर्डिनेटर बनकर भी अपना करियर आगे बढ़ा सकता है। इनका मुख्य काम फैशन शो, प्रोडक्ट लॉन्च या अन्य फैशन से जुड़े इवेंट को प्लॉन व को-ऑर्डिनेट करना होता है। इस भूमिका में लॉजिस्टिक्स से लेकर मार्केटिंग तक कई चीजों को हैंडल करना होता है। इवेंट मैनेजमेंट, मार्केटिंग से इससे जुड़े फील्ड में डिग्री हासिल करके आप इस फील्ड में अपना कदम रख सकते हैं।

स्टूडेंट्स की काफी मदद करते हैं फेलोशिप प्रोग्राम

भारत समेत तमाम देशों में कई सारे फेलोशिप प्रोग्राम चलते हैं, जो स्टूडेंट्स की काफी मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं इन फेलोशिप प्रोग्राम के बारे में विस्तार से।

आज जीवन में सफलता पानेवके लिए जरूरी है कि आप किताबी ज्ञान के साथ-साथ और भी पहलूओं को समझें। भारत में ढेर सारी फेलोशिप ऑफर की जाती है, जिनका आप हिस्सा बनकर खुद को अन्य लोगों ने अलग दिखा सकते हो। अब सवाल यह है कि भारत में कौन-कौन सी फेलोशिफ ऑफर की जाती है और उसका हिस्सा हम कैसे बन सकते हैं।

प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप

प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप इनोवेशन और रिसर्च को बढ़ावा देने के मकसद से शुरू की गई है। यह योजना उच्च शिक्षण संस्थानों को लक्षित करती है। यह फेलोशिप विशेष रूप से पीएचडी करने वालों के लिए तैयार की गई है। इस फेलोशिप के तहत उम्मीदवारों को 70 हजार तक की राशि दी जाती है।

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन फेलोशिप

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन फेलोशिप सामाजिक परिवर्तन में योगदान देने के इच्छुक लोगों के लिए। 4 से 10 साल के कार्य अनुभव वाले लोगों के लिए डिज़ाइन इसे डिजाइन किया गया है। फेलोशिप प्रतिभागियों को सार्वजनिक शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाती है।

इंडिया फेलो प्रोग्राम

इंडिया फेलो प्रोग्राम 18 महीने की अवधि की होती है और इस फेलोशिप में प्रतिभागियों को जमीनी स्तर पर सामाजिक चुनौतियों से जुड़ने के लिए तैयार करती है। किसी भी विषय से स्नातकों या जल्द ही स्नातक होने वाले लोगों के लिए खुला, यह कार्यक्रम व्यक्तियों को सामाजिक नेताओं में ढालता है, वास्तविक दुनिया के मुद्दों और समाधानों की गहरी समझ को बढ़ावा देता है।

एसबीआई फेलोशिप

एसबीआई यूथ फॉर इंडिया फ़ेलोशिप शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाटने के राष्ट्र के आह्वान की प्रतिध्वनि है। यह फ़ेलोशिप प्रतिभाशाली दिमागों को ग्रामीण समुदायों के साथ सहयोग करने और सतत विकास समाधान बनाने के लिए एक मंच प्रदान करती है। 13 महीने तक चलने वाला यह कार्यक्रम परिवर्तनकारी सीखने के अनुभवों को विकसित करता है, सहानुभूति को बढ़ावा देता है और ग्रामीण भारत की जटिलताओं को समझने वाले नेताओं का पोषण करता है।

बेकिंग प्रोफेशनल के पास अवसरों की कमी नहीं

अगर आपको बेकिंग करना काफी अच्छा लगता है और आपने इससे जुड़ा प्रोफेशनल कोर्स किया है तो अब आप कई जगहों पर काम के अवसर तलाश कर सकते हैं।

जब भी हम किसी खास अवसर को सेलिब्रेट करना चाहते हैं तो ऐसे में कुछ ना कुछ मीठा अवश्य खाते हैं। आज के समय में लोग इस तरह के अवसर पर केक काटते हैं या फिर पेस्ट्री आदि खाकर सेलिब्रेट करते हैं। जिसके लिए अक्सर पेस्ट्री शॉप का रुख करते हैं। वहीं कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें सिर्फ केक या पेस्ट्री खाना ही नहीं, बल्कि उन्हें बनाना भी काफी अच्छा लगता है। ऐसे में बेकिंग एंड पेस्ट्री में प्रोफेशनल कोर्स करते हैं। हो सकता है कि आपको यह लगता हो कि बेकिंग एंड पेस्ट्री कोर्स करके आप सिर्फ शॉप में ही काम कर सकते हैं। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। अगर आपने बेकिंग में प्रोफेशनल कोर्स किया है तो आपके पास अवसरों की कमी नहीं है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि बेकिंग एंड पेस्ट्री कोर्स करने के बाद आप कहां-कहां अपना करियर देख सकते हैं-

बेकर

अगर आपने बेकिंग एंड पेस्ट्री में प्रोफेशनल कोर्स किया है तो ऐसे में आप बतौर बेकर या पेस्ट्री शेफ के रूप में काम कर सकते हैं। आप बेकरी, स्वीट शॉप या फिर रेस्त्रां आदि में काम कर सकते हैं। आपकी जॉब रिस्पॉन्सिबिलिटीज में अलग-अलग तरह की ब्रेड, पेस्ट्री, केक और अन्य बेक किए गए सामान को तैयार करना और उसे पकाना शामिल हो सकता है।

केक डेकोरेटर

केक डेकोरेटर एक स्पेशलाइज्ड पर्सन होता है, जिसका मुख्य कारण केक आदि की डिजाइनिंग व डेकोरेशन के लिए यूनिक आइडियाज तैयार करना होता है। खासतौर से, विशेष अवसरों के लिए वे खास डिजाइन तैयार करते हैं। आप बतौर केक डेकोरेटर बेकरी या केक शॉप्स में काम कर सकते हैं। इसके अलावा, आप अपना खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

चॉकलेटियर

बेकिंग एंड पेस्ट्री में प्रोफेशनल कोर्स करने के बाद आप चॉकलेटियर बनकर भी अपना करियर देख सकते हैं। एक चॉकलेटियर का काम होता है कि वह कई अलग-अलग चॉकलेट प्रोडक्ट्स बनाते हैं। इसमें चॉकलेट के अलावा ट्रफ़ल्स और अन्य कन्फेक्शन शामिल हैं। एक चॉकलेटियर चॉकलेट प्रोडक्ट्स को बनाने के साथ उन्हें डिजाइन करने और उन्हें डेकोरेट करने का काम भी करता है।

फूड स्टाइलिस्ट

बेकिंग और पेस्ट्री में ग्रेजुएशन करने के बाद आप बतौर फूड स्टाइलिस्ट बनकर काम कर सकते हैं। यहां पर आप अपने बेकिंग स्किल्स को काम में ला सकते हैं। एक फूड स्टाइलिस्ट का काम फोटोग्राफर व डिजाइनर के साथ मिलकर काम करते हैं। उनका मुख्य काम एडवरटाइजमेंट, कुकबुक और मैगजीन के लिए फूड आइटम्स को और भी ज्यादा अपीलिंग बनाना होता है।

फूड ब्लॉगर

अगर आपको लिखना अच्छा लगता है और आप अपने लेखन में अपने बेकिंग स्किल्स को भी शामिल करना चाहते हैं तो ऐसे में फूड ब्लॉगर बनकर भी अपना करियर संवार सकते हैं। जब आप बेकिंग एंड पेस्ट्री में प्रोफेशनल कोर्स करते हैं तो आपका ज्ञान आपके लेखन को और भी अधिक बेहतर व गहन बनाता है। आप ब्लॉग से लेकर यूट्यूब या सोशल मीडिया जैसे प्लेटफार्मों पर आपकी बेक्ड आइटम्स की रेसिपी, ट्यूटोरियल व सीक्रेट्स आदि शेयर कर सकते हैं।